जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 35 संख्याः 128 प्रभात अजमेर, शनिवार 13 दिसम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

रूपए की लुढ़कती कीमत ने भारत-अमेरिका ''ट्रेड'' समझौते को और जटिल बनाया

अमेरिका को एक और तर्क मिल गया, ''टैरिफ'' नहीं घटाने के लिए, या कितना टैरिफ घटाना है, उसकी सौदेबाजी के लिए

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- तर्क यह है कि रूपए का मूल्य घटने से भारत को निर्यात में माल सस्ता होने का ''एडवांटेज'' मिलेगा।
- पर, रूपए का मूल्य घटने से, भारत का ''ऑयल इंपोर्ट'' बिल, जो डॉलर में ही होता है, और बढ़ता जाएगा। ''ट्रांसपोर्टेशन'' महंगा होने से देश में हर वस्तु के दाम प्रभावित होंगे। साग-सब्जी से कंस्ट्रक्शन मटीरियल तक सब कुछ महंगा होगा तथा हर व्यक्ति का घर खर्च बढ़ेगा।
- विदेश में बच्चों को पढ़ाना, इलाज कराना, विदेशी दवाइयां व उपकरण महंगे हो जाएंगे।
- भारतीय उद्योगपतियों व व्यापारियों में इन दिनों होड़ लगी थी, विदेशी वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने के लिए। यह ऋण और इस ऋण की अदायगी महंगी हो जाएगी।

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। पिछले एक हफ्ते में भारतीय रुपये के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुँचने, यू.एस. डॉलर के मुकाबले 90 के पार जाने और एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा के तौर पर अपनी जगह पक्की करने से आर्थिक नतीजों की एक लहर शुरु हो गई है, जिसे भारत को सावधानी से मैनेज करना होगा। यह स्थिति ऐसे समय बनी है, जब भारत अमेरिका के साथ एक लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा है, और रुपये की अस्थिरता अर्थव्यवस्था की गहरी कमजोरियों को उजागर कर रही है।

मुद्रा का यह झटका वॉशिंगटन के साथ भारत की व्यापार वार्ताओं में एक नया पहलू जोड़ता है। कमजोर रुपया भारत को थोड़े समय के लिए प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देता है, लेकिन यह जांच को भी बुलावा देता है। अमेरिकी वार्ताकार तर्क दे सकते हैं कि एक्सचेंज रेट में उतार-चढ़ाव भारत को पहले ही फायदा दे रहा है, और इससे टैरिफ में कमी पर बातचीत और कठिन हो सकती है।

इस स्थिति की जड़ में है, भारत की आयात पर भारी निर्भरता। कमजोर रुपया कच्चे तेल को तुरंत महंगा कर देता है, जो भारत की खपत का लगभग 85 प्रतिशत है और देश के परिवहन, उत्पादन और ऊर्जा क्षेत्रों की सबसे बड़ी जरूरत है। अब तेल का हर डॉलर, रुपए के हिसाब से काफी महंगा हो गया है, जिससे तेल कंपनियों का घाटा बढ़ रहा है और सरकार को ईंधन की कीमतों पर कठिन फैसले लेने पड़ रहे हैं। महंगा ईंधन अर्थव्यवस्था पर तेजी से असर डालता है, माल ढुलाई बढ़ती है और सब चीजें, सब्जियों और निर्माण सामग्री से लेकर उपभोक्ता वस्तुओं तक, और महंगी हो जाती हैं। यह आयातित महंगाई सीधे घरों के खर्चों पर चोट करती है, खासकर निम्न और मध्यम वर्ग के बजट पर।

विदेश में पढ़ाई, विदेश यात्राएँ, चिकित्सा प्रक्रियाएँ और यहाँ तक कि, आयातित दवाएँ और उपकरण भी काफी महंगे हो गए हैं। जिन परिवारों के बच्चे अमेरिका या यूरोप में पढ़ रहे हैं, उनके मासिक खर्च बढ़ गए हैं क्योंकि ट्यूशन, रहने और रोज़मर्रा का खर्च अब महंगे डॉलर में देना पड़ रहा है। रुपये की गिरावट ने कंपनियों की बैलेंस शीट भी मुश्किल में डाल दी है। जिन कंपनियों पर डॉलर में कर्ज है, उनके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व केन्द्रीय मंत्री और स्पीकर शिवराज पाटिल का निधन

लातूर/नयी दिल्ली, 12 दिसंबर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज विश्वनाथ पाटिल का शुक्रवार सुबह महाराष्ट्र के लातूर में निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे। पाटिल पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे।

उनके निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई राज्यों के

- राष्ट्रपति मुर्मू, प्र.मंत्री मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्रियों व नेताओं ने शिवराज पाटिल को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्रियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने दुख प्रकट किया है। पाटिल ने लंबे समय तक कई संवैधानिक पदों पर कार्य किया। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री और पंजाब के राज्यपाल सहित कई प्रमुख पदों पर कार्य किया था। पाटिल को एक प्रतिष्ठित विधि विशेषज्ञ और संवैधानिक मामलों के जानकार के रूप में जाना जाता था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी का नया प्रदेशाध्यक्ष बनाने के लिए ताबड़-तोड़ तरीके से लगी भाजपा

भाजपा 16 दिसंबर से पहले, खर मास प्रारंभ होने से पहले, इस नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण कर देना चाहती है

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- वरिष्ठ भाजपा नेता विनोद तावड़े, शनिवार को लखनऊ जा रहे हैं और अगर एक ही नाम प्रस्तावित हुआ तो चुनाव अधिकारी पीयूष गोयल रविवार को नये अध्यक्ष की घोषणा कर देंगे।
- यह तो पूर्व निश्चित है कि नया प्रदेशाध्यक्ष एक ओबीसी नेता ही होगा। क्योंकि गत लोकसभा चुनाव में गैर यादव ओबीसी भाजपा का साथ छोड़कर सपा के समर्थन में कूद गए थे जिससे भाजपा को भारी नुकसान हुआ था।
- पंकज चौधरी, जो मोदी सरकार में राज्य मंत्री हैं, इस प्रदेशाध्यक्ष की दौड़ में सबसे आगे हैं। पंकज कुर्मी हैं तथा मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ के जिले के ही रहने वाले हैं।
- अन्य दो ओबीसी नेता, धर्मपाल सिंह (लोध) तथा साध्वी निरंजना ज्योति (निषाद) भी अभी इस दौड़ में प्रतिद्वंदी हैं।

नई दिल्ली, 12 दिसंबर। बिहार चुनाव खत्म होने के बाद, भाजपा ने लंबे समय से लंबित नये अध्यक्ष के चुनाव के मुद्दे को हल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इस दिशा में शुक्रवार को एक बड़ा संकेत तब मिला, जब पार्टी ने उत्तर प्रदेश में नए पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए कार्यक्रम की घोषणा की, जहां विधानसभा चुनाव 2027 में होने हैं।

भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय पार्टी अध्यक्ष तब चुना जा सकता है, जब आधे राज्यों की संगठनात्मक इकाइयों के प्रमुखों का चुनाव हो चुका हो। हालांकि यह शर्त तीन महीने पहले पूरी हो चुकी थी, लेकिन एक महत्वपूर्ण मुद्दा शेष था। उत्तर प्रदेश, जहाँ कुल 80 लोकसभा सीटें है, में नया प्रदेश अध्यक्ष नहीं चुना गया था।

कल से गतिविधियों की हलचल शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश के वर्तमान भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी गुरुवार को दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, गृह मंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात की। वरिष्ठ भाजपा नेता विनोद तावड़े शनिवार को लखनऊ जाएंगे, ताकि नए राज्य पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की नामांकन प्रक्रिया की निगरानी कर सकें। यदि केवल एक नामांकन होता है, तो नए अध्यक्ष का नाम रविवार को ही राज्य चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल द्वारा घोषित कर दिया जाएगा। लेकिन यदि दो या दो से अधिक नामांकन होते हैं, तो चुनाव होंगे। किसी भी स्थिति में, नए राज्य पार्टी अध्यक्ष की घोषणा 16 दिसंबर से पहले हो जाएगी, क्योंकि उसके बाद हिंदू कैलेंडर का मलमास शुरु हो जाएगा।

भाजपा के संगठनात्मक चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने बिहार जीत की खुशी में एनडीए सांसदों को लाजवाब भोज दिया

रात्रिभोज में भारत के विभिन्न प्रांतों के लजीज़ शाकाहारी व्यंजन परोसे गए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- केन्द्रीय मंत्री ने 11 दिसंबर की रात दिए गए रात्रिभोज का वीडियो एक्स पर शेयर किया और रात्रिभोज के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया।
- एनडीए के सभी सांसदों को बस में बिठाकर प्रधानमंत्री आवास, 7, लोक कल्याण मार्ग ले जाया गया था।

नई दिल्ली, 12 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 दिसंबर को नई दिल्ली में अपने आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर सत्तारूढ़ नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के सांसदों के लिए एक शानदार रात्रिभोज का आयोजन किया। यह भोज बिहार विधानसभा चुनावों में हाल ही में मिली विशाल सफलता के बाद आयोजित किया गया था।

केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में देखा जा सकता है कि एनडीए सांसद प्रधानमंत्री के आवास पर जाने के लिए बस में सवार हो रहे हैं। रिजिजू ने लिखा कि ''हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आभारी हैं, जिन्होंने एनडीए सांसदों के लिए 7 लोक कल्याण मार्ग पर रात्रिभोज का आयोजन किया। पूरे कार्यक्रम का माहौल बेहद पारिवारिक था।''

मेहमानों का स्वागत ताजगी से भरपूर अदरक वाले संतरे के रस और अनार के रस से किया गया। यह पेय पदार्थ एक शक्तिशाली इम्युनिटी बूस्टर माना जाता है। अदरक का तीखा स्वाद स्वाभाविक रूप से खट्टे मीठे संतरे और मीठे अनार के स्वाद के साथ अद्भुत स्वाद पेश कर रहा था।

इसके बाद, मेहमानों को भारतीय व्यंजनों की परम्परा वाले ऐपटाइज़र्स पेश किए गए, जिनमें एक मजेदार ऐपटाइज़र (स्नैक) सब्ज बादाम शोरबा प्रमुख था, जो मौसमी सब्जियों, बादाम और मसालों से बनाया जाता है। ककुम मटर अखरोट की शम्मी भी परोसी गई, बाजरे से बनी और तवे पर सिकी इस डिश में, हरे मटर और कटे हुए अखरोट डाले गए थे, इसके अलावा हरा धनिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खेड़ा को 100 करोड़ का मानहानि नोटिस

नई दिल्ली, 12 दिसंबर। कांग्रेस प्रवक्ता और पार्टी के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा को सोशल मीडिया एक्स पर उनकी एक पोस्ट के लिए 100 करोड़ रुपये का मानहानि का नोटिस भेजा गया है। खेड़ा ने यह पोस्ट शुक्रवार सुबह किया था।

यह कानूनी नोटिस ''द स्टेट्समैन लिमिटेड'' के चेयरमैन और समाचार

- कांग्रेस प्रवक्ता को यह कानूनी नोटिस उनकी एक सोशल मीडिया पोस्ट पर स्टेट्समैन लिमिटेड के चेयरमैन व यूएनआई के निदेशक आर.पी. गुप्ता ने भेजा है।

एजेंसी यूएनआई के निदेशक आर पी गुप्ता की ओर से भेजा गया है। खेड़ा ने अपने विवादास्पद पोस्ट में यह संकेत दिया है कि देश के ''सबसे ऊंचे पद'' पर बैठे किसी व्यक्ति ने गुप्ता को एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वायु प्रदूषण नैशनल इमरजैंसी है संसद में इस पर सार्थक बहस होनी चाहिए'

राहुल गांधी के इस आग्रह पर केन्द्र सरकार ने सकारात्मक रूख दर्शाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- दस साल में पहली बार ऐसा दुर्लभ क्षण आया है संसद में जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच किसी मुद्दे पर पूर्ण सहमति देखी गई।
- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा भारत के अधिकांश शहरों में हवा ज़हरीली है, बच्चों व बुजुर्गों का स्वास्थ्य इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, इससे निपटने के लिए हमें लोकसभा में चर्चा करनी चाहिए।
- उन्होंने कहा, ना तो यह पूछें कि अब तक क्या किया और क्या नहीं किया, ना ही हम आप पर आरोप लगाएं और आप हम पर, बस यह बात की जाए कि देश की भावी पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए हम क्या कर सकते हैं।
- राहुल के प्रस्ताव पर सरकार ने सकारात्मक रूख दर्शाया और संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा, सरकार पहले दिन से ही प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है।

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। संसदीय लोकतंत्र की वास्तविक सहयोगात्मक भावना को दर्शाते हुए, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज संसद से अपील की कि वह आरोप-प्रत्यारोप से परे जाकर, भारत के बिगड़ते वायु प्रदूषण संकट से निपटने के लिए मिलकर काम करे और संकीर्ण दलगत राजनीति से ऊपर उठे।

गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस और सरकार के बीच हालिया विवादों के कारण लोकसभा के अंदर और बाहर काफी राजनीतिक तनाव बना हुआ है। लेकिन नेता प्रतिपक्ष की ओर से यह पहल तथा सरकार की वैसी ही प्रतिक्रिया का अवसर पिछले 10 वर्षों में एक दुर्लभ क्षण था, जब दोनों पक्षों ने साझा उद्देश्य की भावना दिखाई।

लोकसभा में बोलते हुए गांधी ने कहा कि भारत के अधिकांश बड़े शहर ''जहरीली हवा की चादर के नीचे जी रहे हैं'', और चेतावनी दी कि बच्चे, बुजुर्ग तथा शारीरिक रुप से अन्य संवेदनशील लोग लंबे समय तक प्रदूषण के संपर्क में रहने से अपने स्वास्थ्य पर गम्भीर असर का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित हो रहे हैं। उनका भविष्य नष्ट हो रहा है। लोग कैंसर का शिकार हो रहे हैं। बुजुर्गों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि वायु प्रदूषण कोई विचारधारा का मुद्दा नहीं है और इसे दलगत आरोप-प्रत्यारोप में नहीं बदलना चाहिए।

उन्होंने चर्चा की रूपरेखा में पूर्ण परिवर्तन का सुझाव दिया और कहा ''मेरा मानना है कि एक अच्छा तरीका यह होगा कि हम चर्चा को इस आधार पर न रखें कि आपने क्या नहीं किया या हमने क्या नहीं किया, बल्कि इस पर रखें कि भविष्य में भारत के लोगों के लिए हम क्या करने जा रहे हैं, हमें कौन से कदम उठाने की जरुरत है।''

उन्होंने कहा, ''इस सदन में हर कोई इस बात से सहमत होगा कि वायु प्रदूषण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल के खिलाफ मानहानि केस में 23 दिसम्बर को सुनवाई

सुलतानपुर, 12 दिसंबर। उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले की एमपी/एमएलए कोर्ट में शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई टल गई। यह सुनवाई राहुल गांधी के अधिवक्ता

- सुनवाई शुक्रवार को होनी थी पर राहुल गांधी के वकील ने गवाह से जिरह के लिए समय मांगा इस लिए कोर्ट ने 23 दिसम्बर की तारीख दी है।

काशी प्रसाद शुक्ला द्वारा समय लेने के कारण स्थगित हुई। कोर्ट ने अब अगली सुनवाई के लिए 23 दिसंबर की तारीख तय की है।

कांग्रेस नेता व रायबरेली सांसद राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1976 में 40 साल तक लोकसभा सीटों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं करने का निर्णय लिया गया था

2026 में यह अवधि पूरी हो रही है तथा लगभग तभी जनसंख्या की डिजिटल काउंटिंग भी पूरी हो जाएगी तथा इसके बाद लोकसभा सीटों का ''डीलिमिटेशन'' भी होगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- दक्षिण भारत के प्रदेशः तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आँध्र व तेलंगाना, इस ''डीलिमिटेशन'' से काफी आशंकित हैं।
- उनका भय है कि अगर ''डीलिमिटेशन'' का आधार केवल जनसंख्या ही हुई तो दक्षिण भारत की लगभग चालीस सीटें कम हो जाएंगी लोकसभा में और उत्तर भारत के राज्य, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान की लोकसभा सीटों की संख्या में लगभग 60 सीटों की वृद्धि होगी।
- और इसके बाद, उत्तर भारत की विधानसभा में विधायकों की संख्या भी बढ़ जाएगी, जिससे राज्यसभा में भी उत्तर भारत के प्रदेशों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा और इसके बाद केन्द्र से राज्यों को आवंटित राशि में भी उत्तर भारत का हिस्सा बढ़ जाएगा।
- जबकि, दक्षिण भारत का योगदान केन्द्रीय सरकार के आर्थिक कोष में उत्तर भारत से ज्यादा है।

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। भारत पाँच दशकों पोलिटिकल रिप्रैज़ैंटेशन की सबसे बड़ी पुनर्सरंचना (रीकैलिबरेशन) की ओर बढ़ रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा आने वाले दो वर्षों में डिजिटल जनगणना पूरी करने के फैसले ने देश में एक जोरदार बहस को दोबारा शुरू कर दिया है।

यह कदम लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के लम्बे समय से लंबित परिसीमन (डीलिमिटेशन) के लिए मंच तैयार करता है, एक ऐसा कदम, जिसके बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि इससे ज्यादा आबादी वाले उत्तरी राज्यों और जनसंख्या के मामले में स्थिर दक्षिणी राज्यों के बीच शक्ति संतुलन में बड़ा बदलाव आएगा।

लोकसभा सीटों का अंतिम बार पुनर्वितरण 1970 के दशक की शुरुआत में हुआ था। उसके बाद 1976 में लगाई गई संवैधानिक रोक, ताकि जनसंख्या नियंत्रण करने वाले राज्यों को नुकसान न हो, ने जनसंख्या के आधार पर किसी भी बदलाव को रोक दिया। यह रोक 2026 में समाप्त हो रही है, जिससे एक नया राजनीतिक दौर शुरू होता दिखाई दे रहा है।

ऊँचे पदों पर मौजूद सरकारी सूत्रों ने पुष्टि की है कि जैसे ही नई जनसंख्या के आंकड़े उपलब्ध होंगे, ''परिसीमन तुरंत शुरू हो जाएगा।'' इसके प्रभाव बहुत स्पष्ट होंगे। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे उत्तरी राज्य, जहाँ आबादी लगातार बढ़ी है, लोकसभा में अपनी प्रतिनिधित्व संख्या में बड़ा फायदा उठाएंगे।

अनुमानों के मुताबिक, यदि पूरी तरह जनसंख्या अनुपात के आधार पर परिसीमन किया गया, तो इन राज्यों को 40 से 60 नई लोकसभा सीटें मिल सकती हैं।

इसके बिल्कुल विपरीत, कम प्रजनन दर वाले दक्षिणी राज्य, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना, 20 से 40 सीटें तक खो सकते हैं। महाराष्ट्र में भी सीटें घटने की संभावना है क्योंकि राष्ट्रीय जनसंख्या में उसकी हिस्सेदारी कम हुई है।

इस संभावित बदलाव से पूरे दक्षिण भारत में बेचैनी फैल गई है। डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि केवल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन करने से दक्षिण भारत ''राजनीतिक रूप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल की बैठक में नहीं आए थरुर

नई दिल्ली, 12 दिसंबर। कांग्रेस सांसद शशि थरूर शुक्रवार (12 दिसंबर, 2025) को राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई पार्टी की लोकसभा सांसदों की बैठक में शामिल नहीं हुए। थरूर की प्रमुख बैठकों से बार-बार गैरहाजिरी को लेकर पार्टी के अंदर अब सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, शशि

- कांग्रेस सांसद शशि थरुर लगातार तीसरी बार कांग्रेस सांसदों की बैठक से अनुपस्थित रहे हैं।

थरूर ने बैठक से अपनी अनुपस्थिति को लेकर पहले ही नेतृत्व को जानकारी दे दी थी, लेकिन कांग्रेस के चीफ व्हिप का कहना है कि उन्हें उनकी अनुपस्थिति के कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कर चुके हैं, जिसको लेकर भी उन पर सवाल उठे हैं। अब वो कांग्रेस की औपचारिक बैठकों भी शामिल नहीं हो रहे हैं, ऐसे में सवाल उठने लाजिमी हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

हर चीज़ की कीमत व्यक्ति की जेब और ज़रूरत के अनुसार होती है और शायद उसी के अनुसार वह अच्छी या बुरी होती है। –संतोष गोयल

राजस्थान में बढ़ता जा रहा है नशे का कारोबार

राजस्थान में नशे का कारोबार लगातार बढता जा रहा है। नशे के खिलाफ पुलिस की छापेमारी और धरपकड के बावजूद नशाखोरी थमने का नाम नहीं ले रही है। नशे के खिलाफ एक बार फिर सरकारी मशीनरी ने कमर कसी है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान के सीमावर्ती जिलों जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, बालोतरा, जालौर और सांचौर सहित प्रदेशभर में पिछले कुछ वर्षों से एमडी, गांजा और स्मैक जैसे ड्रग्स का अवैध कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। पुलिस, एसओजी व एटीएस की संयुक्त कार्रवाई में लगातार ऐसी फैक्ट्रियां पकडी जा रही हैं, जहां रेगिस्तानी धोरों में बने अस्थायी शेल्टरों या खेत-खलिहानों के बीच बने स्थानों पर इस जानलेवा ड्रग का उत्पादन किया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, अवैध प्रयोगशालाएं अक्सर दूर-दराज रेतीले क्षेत्रों में स्थापित की जाती हैं, जहां पहुंच पुलिस के लिए चुनौतीपूर्ण होती है। पकडी गई फैक्ट्रियों में अधिकांश में रासायनिक उपकरण, ड्रग्स और तैयार एमडी पाउडर की बडी मात्रा मिली है जिसका बाजार मूल्य करोड़ों में आंका जाता है। सांसद घनश्याम तिवाडी ने भी राज्यसभा में सीमा पार से ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थों की बढ़ती तस्करी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि राजस्थान में एक हजार किलोमीटर से लम्बी सीमा है और सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से जरिए नशीले पदार्थ गिराए जा रहे हैं। जिसे कई बार पकड़ा गया। यह एक रूट बन गया है जिसके माध्यम से पाकिस्तान से होकर नशीले पदार्थ आते रहते हैं। इस कारण नशे की प्रवृति और उसकी तस्करी पर कडी पाबंदी लगाए जाने की आवश्यकता है। हालांकि बीएसएफ और सेना व स्थानीय पुलिस इस पर काम कर रही है। पर राजस्थान को सीमावर्ती क्षेत्रों में और अधिक पुलिस चौकियों के लिए संसाधनों की आवश्यकता है। रात्रि को गश्त करने वाले उपकरण की भी आवश्यकता है।

पुलिस और अन्य एजेंसियों ने राजधानी जयपुर में नशे के बढ़ते कारोबार पर लगाम लगाने के लिए शिक्षण संस्थानों के पास बडी कार्रवाई की है। शैक्षणिक संस्थानों के पास मादक पदार्थ बेचे जाने की खबरें आए दिन सामने आती रही है। इस दौरान दर्जनों ठिकानों पर दबिश दी गई, जिसमें बहुत से अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जयपुर सहित प्रदेशभर में पकड़ा धकडी जारी है। नशे के सौदागर बेखौफ होकर गली, मोहल्लों में अपना जाल फैलाकर युवाओं को मादक पदार्थों की लत लगा रहे है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नशे का सामान चाय पान की थडियों, मेडिकल स्टोरों और शिक्षण संस्थाओं सहित राजधानी के विभिन्न स्थानों, कच्ची पक्की बस्तियों तथा चौक चौराहों के आसपास आसानी से उपलब्ध हो जाता है। पुड़िया के नाम से स्मैक, एमडी, गांजा आदि अवैध नशे का कारोबार बिना रोकटोक चल रहा है। सुनसान रास्ते व खंडहर इमारतें नशा करने वाले बच्चों व युवाओं के विशेष अड्डे हैं। नशाखोरी की आदत नाबालिग बच्चों, किशोरों और युवाओं में अधिक देखने को मिल रही है। युवाओं के अलावा महिलाऐं भी इस धंधे में लिप्त हो रही है। इससे आने वाली पीढ़ी के भविष्य पर संकटों के बादल मंडराने लगे हैं। कभी चोरी-छिपे बिकने वाले नशे का सामान आज धड़ल्ले से बिक रहा है।

नशा, नाश का मूल है। यह स्वास्थ्य और सामाजिक प्रतिष्ठा को क्षय करता है। नशा एक ऐसी बुराई हैं जो हमारे समूल जीवन को नष्ट कर देता हैं। नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति परिवार के साथ समाज पर बोझ बन जाता हैं। युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा नशे की लत से पीड़ित हैं। हिंसा, बलात्कार, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है। शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट करना, शादीशुदा व्यक्तियों द्वारा नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करना आम बात है। मुँह, गले व फेफड़ों का कैंसर, ब्लड प्रैशर, अल्सर, यकृत रोग, अवसाद एवं अन्य अनेक रोगों का मुख्य कारण विभिन्न प्रकार का नशा है ।

नशे के अवैध कारोबार को रोकने के लिए जरूरी है की सरकार के साथ समाज जागरूक हो। यह अनेक सामाजिक, शारीरिक और आर्थिक बुराइयों और बीमारियों की जड़ है। इससे दूर रहना समाज और देश के हित में है। इसके लिए सामूहिक प्रयासों की जरुरत है। हमारा समाज तभी स्वस्थ होगा जब हम इन बुराइयों से अपने को दूर कर लेंगे। जब तक आप खुद नहीं चाहेंगे, कोई और आपका नशा नहीं छुड़ा पाएगा। सबसे पहले मन में ठान लें कि आप नशा छोड़ना चाहते हैं।

नशा नशा नशा आखिर ये नशा है क्या? व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक स्थिति को बदल देने वाले रसायन, जो प्रयोग करने वाले को नींद या नशे की हालत में ला दे, उन्हें नशा कहा जाता है। मॉर्फिन, कोडेन, फेंटाइनाइल आदि इस श्रेणी में आते हैं। नारकॉटिक्स पाउडर, टैब्लेट, कैपशूल और इंजेक्शन के रूप में आते हैं। ये आदमी के दिमाग और आसपास के टिशू को उत्तेजित करते हैं। लोग इसे मजे के लिए इस्तेमाल करते हैं, जो लत का रूप ले लेता है। नशा करने के लिए लोग आमतौर पर शुरुआत में कफ सिरप और भांग आदि का इस्तेमाल करते हैं और फिर धीरे-धीरे चरस, गांजा, अफीम, ब्राउन शुगर आदि लेने लगते हैं। नशा एक ऐसी बुराई है, जिसमे मानव का जीवन समय से पहले ही अंधकार और मौत की राह पर चला जाता है। नशाखोरी क्या है? एक खतरनाक बीमारी जिसके क्षणिक सुख के चलते इंसान अपनी जिंदगी से हाथ धो बैठता है। यह केवल एक बीमारी नहीं है बल्कि यह अनेक रोगों की जननी भी है।

नशे के रूप में लोग शराब, गाँजा, जर्दा, ब्राउन.शुगर, कोकीन, स्मैक आदि मादक पदार्थों का प्रयोग करते हैं, जो स्वास्थ्य के साथ सामाजिक और आर्थिक दोनों लिहाज से ठीक नहीं हैं। नशे का आदी व्यक्ति समाज की दृष्टी से हेय हो जाता हैं, और उसकी सामाजिक क्रियाशीलता जीरो हो जाती हैं, फिर भी वह व्यसन को नहीं छोड़ता हैं। धूम्रपान से फेफड़े में कैंसर होता हैं, वहाँ कोकीन, चरस, अफीम लोगों में उत्तेजना बढ़ाने का काम करती हैं, जिससे समाज में अपराध और गैरकानूनी हरकतों को बढ़ावा मिलता हैं। इन नशीली वस्तुओं के उपयोग से व्यक्ति पागल और सुप्तावस्था में चला जाता हैं। तम्बाकू के सेवन से तपेदिक, निमोनिया, साँस की बीमारियों का सामना करना पड़ता हैं। इसके सेवन से जन और धन दोनों की हानि होती हैं।

आजादी के बाद देश में शराब की खपत 60 से 80 गुना अधिक बढ़ी है। यह भी सच है कि शराब की बिक्री से सरकार को एक बड़े राजस्व की प्राप्ति होती है। मगर इस प्रकार की आय से हमारा सामाजिक ढांचा क्षत-विक्षत हो रहा है और परिवार के परिवार खत्म होते जा रहे हैं। हम विनाश की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। देश में शराब बंदी के लिए कई बार आंदोलन हुआ, मगर सामाजिक, राजनीतिक चेतना के अभाव में इसे सफलता नहीं मिली। सरकार को राजस्व प्राप्ति का यह मोह त्यागना होगा तभी समाज और देश मजबूत होगा और हम इस आसुरी प्रवृत्ति के सेवन से दूर होंगे।

चाइल्ड लाइन इंडिया फाउंडेशन की एक रिपोर्ट अत्यधिक डरावनी है। इस फाउंडेशन का एक सर्वे बताता है कि देश में नशाखोरी करने वाले 65 प्रतिशत लोगों की उम्र 18 वर्ष से भी कम है। संस्था का यह भी कहना है कि इसमें युवाओं की हिस्सेदारी निरंतर बढ़ती जा रही है। युवा वर्ग नशे की चपेट में है। इनका असर बच्चों पर भी पड़ रहा है। इन पर नशा न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक दुष्प्रभाव डाल रहा है। नशे की पूर्ति के लिए अपराध से भी वह हिचक नहीं रहे हैं। थिंक चेंज नामक एक स्वतंत्र संस्था की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कोरोना के बाद देश में नशीले पदार्थों की खपत तेजी से बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है नशे की यह प्रवृत्ति देश की तरुणाई तक पहुँच गई है जिसके खतरनाक परिणामों से देश को जूझना पड़ेगा। नशे का कारोबार देश में 15 लाख करोड़ को पार कार चुका है। मिडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आये दिन न सिर्फ लोग गांजा-चरस-अफीम-सुलेशन-ड्रग्स, कोरेक्स और नशीली इंजेक्शन के आदि हो रहे हैं बल्कि इनके सेवन से लोग मौत के शिकार भी हो रहे हैं। नशा करने से लिवर, किडनी और फेफड़े खराब हो जाते हैं। डिप्रेशन, मानसिक अस्थिरता, फोकस और कंसन्ट्रेशन लॉस, भ्रम की बीमारी, आत्यहत्या करने का खतरा और इन जैसी कई बीमारियों के होने का खतरा होता है। युवाओं में नशे की प्रवृत्ति कुछ वर्षों से निरंतर बढ़ रही है। कुछ में तो नशे की जरूरत भारतीय प्रबंधन संस्थान रोहतक की तरफ से कराए गए एक सर्वे में पता चला है कि मादक पदार्थो का लगभग 84 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान की तरफ से आता है। पाकिस्तान की सीमा से सटे राजस्थान और पंजाब के साथ ही मुंबई उसका सबसे पहला लक्ष्य होता है। नशे के अवैध कारोबार को रोकने के लिए जरूरी है की सरकार के साथ समाज जागरूक हो। यह अनेक सामाजिक, शारीरिक और आर्थिक बुराइयों और बीमारियों की जड़ है। इससे दूर रहना समाज और देश के हित में है। इसके लिए सामूहिक प्रयासों की जरुरत है। हमारा समाज तभी स्वस्थ होगा जब हम इन बुराइयों से अपने को दूर कर लेंगे। जब तक आप खुद नहीं चाहेंगे, कोई और आपका नशा नहीं छुड़ा पाएगा। सबसे पहले मन में ठान लें कि आप नशा छोड़ना चाहते हैं। फिर जो भी नशा कर रहे है उसकी तरफ देखे नहीं। अपने शरीर पर हो रहे शारीरिक नुक्सान का अनुमान करे। अपने परिवार और बच्चों के भविष्य को देखें। मन कड़ा करें और नशे को छोड़ दे।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

लोकसभा और विधानसभाओं में विपक्षिओं द्वारा हुड़दंग कर विधाई कार्य न होने देना क्या संविधान में निहित है?

प्रो. वीर बहादुर सिंह

यदि नहीं तो विगत कुछ वर्षों से सदनों में कुछ सदस्य विशेष रूप से विपक्षी अनर्गल बातें, शोरगुल और सामूहिक रुप से हुड़दंग कर विधाई कार्य होने में बाधा क्यों पैदा करते हैं? सभापति के लाख समझानें, विनयपूर्वक रोकने और सख्ती से कहने पर भी सदस्य चुप नहीं करते, आधे से अधिक समय सदन की कार्यवाही वाधित होना सामान्य सी बात हो गई है। अमूमन ऐसी स्तिथि कांग्रेस पार्टी के सदस्य उत्पन्न करते हैं जो अत्यंत दुखद है क्योंकि कांग्रेस आज़ादी उपरांत अनेक वर्षों तक शासन में रही और सदन की परम्पराओं का पालन हुआ उसे तो फिर बड़े होने के नाते सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए परतु ऐसा नहीं होता।

सदैव सत्ता में बने रहने की ललक संभवतः उसे जनता के हितों के मुद्दों पर भी सकारात्मकता के विपरीत रुख अपनाने को विवश होना पड़ता है। इंदिरा गाँधी ने भी यही किया था। न्यायालय की रूलिंग नहीं मानी क्योंकि उनकी सोच भी सत्ता में सदैव बने रहने की ही थी। उनकी उस ललक की परणिति आपातकाल में बदल गई और फिर नतीजा देश दुनियां ने देखा। यहाँ यह बताना भी आवश्यक है कि श्रीमती गाँधी जैसा कठोर व्यक्तित्व आज किसी कांग्रेस नेता में नहीं, भले ही पार्टी ढोल पीटती रहे।

लोगों से निपटने के लिए सभापति के पास शक्तियां होती हैं कि ऐसे ढीठ सदस्यों को मार्शल बुला कर सदन के बाहर का रास्ता दिखा दे कुछ घंटों के लिए, कुछ दिनों के लिए अथवा पूरे टर्म के लिए। लेकिन यह देखा गया है कि सभापति शायद ही ऐसा कठोर निर्णय लेते हों, और इसी ढीलपोल का नतीजा है कि कतिपय सदस्य अनुशासनहीनता पर उतर सदन की कार्यवाही बाधित करने से नहीं चूकते।

मालूम नहीं एजेंडा के अनुसार विधायी कार्य सरकार कैसे पूरा करवाती है? मैं सभापति की शक्तिओं के उपयोग पर यहाँ कुछ अधिक नहीं लिखना चाहता लेकिन उदाहरण के लिए यदि कोई सदस्य किसी अन्य सदस्य के भाषण के बीच बाधा उत्पन्न करे तो उसे एक पूर्व निर्धारित समय के लिए सदन से बाहर का रास्ता दिखाया जाय।

व्यवस्था कायम रखने वास्ते यह कठोरता जरुरी है। दूसरा यह भी निश्चित है कि जिन लोगों को जनता चुनकर लोकसभा और विधान सभा भेजती है वे निश्चित रूप से ऐसी हरकत से संबिधान का मखौल उड़ाते ही प्रतीत होते हैं और कार्यवाही देखने वाली देश विदेश की जनता के समक्ष एक मटमैली तस्वीर ही पेश करते हैं।

देश के आम नागरिक और पेशे से शिक्षक होने के नाते मुझे सदन के ऐसे माहौल से पीड़ा होती है। निराकरण और स्तिथि में बेहतर बदलाव वास्ते मेरी अनुसंशा है ऐसा करते समय मैं इस बात से सजग हूँ कि सदन के प्रत्येक सत्र की एक विस्तृत सारिणी बने यदि पहले से नहीं बनी है तो, जिसमे प्रतिदिन सदन के सुचारु चलने का अंकन हो और कितने समय सदन की कार्यवाही बाधित रही और किसके द्वारा, इनका विवरण देश को प्रतिदिन बताया जाय।

यह सुझाव देते समय मेरा सदन की नियामवली पर कोई भी किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं है। सदन की पूरी कार्यवाही प्रिंट मीडिया और दूरदर्शन पर जनता को पढ़ने और देखने को मिले । जिससे जनता आंकलन कर सके कि उनके प्रतिनिधि का सदन में कैसा व्यवहार और योगदान रहा? जो सदस्य विधाई कार्य में रुकावट डालते हैं क्या ऐसा करना संबिधान सम्मत है ? यदि नहीं तो उसका रिकॉर्ड रखकर उनके विरुद्ध कार्यवाही हो और पूरा देश देखे। इन कृत्यों को जनता से छिपाकर रखना और फिर भुला देना अथवा नजरअंदाज कर देना बुद्धिमानी नहीं अपितु जनता के प्रति अविश्वसास है।

किसी ने चुनाव जीतकर यदि लोकसभा या विधान सभा की सदस्यता हासिल कर ली है तो उसे उद्दण्ता, अनुशासनहीनता, अभद्रता और विधायी कार्य में रुकावट डालने का लाइसेंस नहीं मिल गया है। ऐसे कारकों से निपटने की प्रधान मंत्री, सभापति और कुछ अन्य की जिम्मेदारी बनती है कि सदन की गरिमा और वातावरण को अनुकूल बनाये रखने में उन्हें अपने पद के अनुसार निर्लिप्त रहने की नहीं बल्कि सजग प्रहरी और सहयोगी सदस्य होने की भी जिम्मेदारी है। एक अनुशासनहीन सदस्य के प्रति नरमी बरतना ठीक नहीं केवल इसलिए कि वो सदन का निर्वाचित सदस्य है।

मेरा मानना है कि सदन की कार्यवाही के लिए कोई प्रक्रिया और उसके नियम यदि निर्धारित नहीं हैं तो किये जाये। सदस्य किसी के भाषण के बीच वाधा उत्पन्न नहीं कर सकते ऐसा करना निर्लज्जता और मूर्खता है? इसलिए मेरा सुझाव है कि दो तीन वरिष्ठ लोगों की एक समिति गठित कर पूरी नियमावली की रचना कर ली जाय और यदि पूर्व की नियमावली मौजूद है तो उसका पुनरीक्षण कर लिया जाय। किसी के भी बोलने के बारे में विस्तृत नियम होना आवश्यक है। इन नियमों की प्रति प्रत्येक सदस्य को दी जाय और इनका पालन करने के लिए उससे शपथ भरवाई जाय। अन्यथा आचरण पर नियमों के अंतर्गत कार्यवाही हो जिनमें सदन से निष्कासन और आर्थिक शास्ति शामिल हों। यदि देश को यह बताना है कि उसकी डेमोक्रेसी अब काफी परिपक्व हो चुकी है दो वैसा आचरण सदन में दिखना चाहिए।

टेलीविज़न के होते हुए अब विदेशों के लोग भी सदन की कार्यवाही देखते हैं। सदन में विरोध स्वरुप अनावश्यक शोरगुल, अव्यवस्था और हुड़दंग विधायी कार्यवाही में रूकावट तो डालते ही हैं एक सभ्रांत समाज की छवि को धूमिल भी करते हैं।

मैं पाठकों से आग्रह करता हूँ कि इस विषय पर यदि वे भी कुछ ऐसा ही सोचते हैं तो उसे अपनी वाणी अथवा लेखनी से उजागर करें और अपना सकारात्मक योगदान देकर देश का मान बढ़ाएं। चुनाव से लेकर और निर्वाचन तक जनप्रतिनिधि की भूमिका की निरंतर पड़ताल विद्वतजन और पत्रकार लोग करते रहें और उसे अखवार में प्रकाशित भी करते रहें यह सर्वदा उचित ही होगा। इस विषय पर अभी इतना ही। पाठक समुचित प्रतिक्रिया अवश्य दें ऐसी आशा।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं अधिष्ठाता
डेरी व् खाद्य प्रौद्योगिकी,
महाराणा प्रताप कृषि एवं
प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर।

अलवर स्थित ''सिलीसेढ़ झील'' रामसर साइट के रूप में घोषित

अलवर, (निसं)। अलवर में स्थित सिलीसेढ़ झील को आद्रभूमि पर कन्वेंशन ने रामसर साइट के रूप में घोषित किया गया है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के पास स्थित कोपरा जलाशय को भी रामसर साइट्स के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। यह जैव-विविधता, जल एवं जलवायु सुरक्षा तथा सतत आजीविका के लिए एक सराहनीय उपलब्धि है।

आकर्षक सारसों से लेकर रंग-बिरंगे किंगफिशर्स तक-यह झील पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान है, जहाँ आकाश पंखों की अद्भुत दुनिया से जीवंत हो उठता है। 100 से अधिक पक्षी प्रजातियों को देखने का अवसर और सरिस्का टाइगर रिज़र्व का प्रवेश द्वार होने के कारण यह झील एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है।

इस उपलब्धि पर अलवर सांसद और केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि मैं अलवर के लोगों, विशेषकर सिलीसेढ़ झील के आसपास रहने वाले सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई देता हूँ कि अलवर की इस झील को वैश्विक पहचान मिली है। यह हमारी साझा उपलब्धि है। हम इस रामसर साइट के सम्मान के साथ सिलीसेढ़ झील के आसपास पर्यटन, जैव विविधता और जल संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन, साथ ही जलवायु सुरक्षा और सतत आजीविका सुनिश्चित करने के काम को और मज़बूती दे पायेंगे।

गौरतलब है कि 1845 में महाराजा विनय सिंह द्वारा निर्मित यह ऐतिहासिक झील अलवर को पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाई गई थी, जिसका प्रमाण झील के चारों ओर बने जल-वाहिकाओं (एक्वाडक्ट्स) में मिलता है।

अलवर में स्थित सिलीसेढ़ झील।

आयोग ने विचारित सूचियां जारी की

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत ड्राइंग, म्यूजिक एवं राजस्थानी विषय के पदों के लिए विचारित सूचियां जारी की गई है। इन सूचियों में ड्राइंग के 8, म्यूजिक के 1 एवं राजस्थानी विषय के पदों के लिए 8 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच लिए अस्थाई रूप से सम्मिलित किया गया है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि यह सूची चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है। यह चयन सूची अथवा वरीयता सूची नहीं है। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची संबंधित विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन कराए जाने के पश्चात आयोग द्वारा जारी की जाएगी।

भीलवाड़ा के राजोला गांव में विद्यालय भवन लंबे समय से जर्जर, विद्यार्थी परेशान

स्कूल भवन के जर्जर होने और वैकल्पिक व्यवस्था खत्म होने के बाद अब ग्रामीण प्रदर्शन कर स्कूल पर तालेबंदी करने को मजबूर

भीलवाड़ा, (निसं)। जहां एक ओर सरकारें शिक्षा का अधिकार और स्कूल चलें हम जैसे नारों से शिक्षा को बढ़ावा देने का दावा करती हैं, वहीं पंचायत समिति सुवाणा की ग्राम पंचायत देवली के राजोला गांव में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय (आठवीं तक संचालित) के लगभग 90 विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर लग गया है। स्कूल भवन के जर्जर होने और वैकल्पिक व्यवस्था खत्म होने के बाद अब ग्रामीण प्रदर्शन कर स्कूल पर तालेबंदी करने को मजबूर हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार राजोला का राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय लंबे समय से जर्जर भवन में संचालित हो रहा था। छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने कुछ समय पहले इस जर्जर भवन को बंद करवा दिया था। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से विद्यालय को करीब चार महीने से एक निजी जगह पर संचालित किया जा रहा था। यह अस्थाई व्यवस्था बच्चों की पढ़ाई को जारी रखने का एकमात्र सहारा थी। दुर्भाग्यवश, जिस निजी भवन में स्कूल चल रहा था, उसके मालिक ने अब अपनी जरूरत बताते हुए जगह देने से मना कर दिया है। इसके चलते स्कूल के सामने संचालन का कोई विकल्प नहीं बचा है। शुक्रवार को मजबूरी में ग्रामीणों ने स्कूल की तालेबंदी कर दी और प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों की एकमात्र मांग है कि जर्जर हो चुके भवन को तुरंत जमींदोज कर उसकी जगह नया और सुरक्षित भवन बनाया जाए ताकि बच्चों की पढ़ाई बिना किसी बाधा के शुरू हो सके।

विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने नया और सुरक्षित स्कूल भवन बनाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

- **राजोला का राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय लंबे समय से जर्जर भवन में संचालित हो रहा था**
- **छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने कुछ समय पहले इस जर्जर भवन को बंद करवा दिया था**

बच्चों का भविष्य खतरे में :- राजोला विद्यालय में पढ़ने वाले ये 90 विद्यार्थी गांव के भविष्य की नींव हैं। स्कूल पर ताला लगने का सीधा अर्थ है, इन बच्चों के शिक्षा के मौलिक अधिकार का हनन। शिक्षा के अभाव में उनका भविष्य अंधकारमय हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि हम चार महीने तक जैसे-तैसे बच्चों को निजी जगह पर पढ़ा रहे थे, लेकिन अब वह भी बंद हो गया। सरकार एक तरफ कहती है, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, और दूसरी तरफ हमारे बच्चों को पढ़ने के लिए एक सुरक्षित छत तक नहीं मिल पा रही है। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि तत्काल जर्जर भवन को तोड़कर नया भवन निर्माण शुरू करें, या कम से कम तब तक के लिए कोई स्थाई और सुरक्षित वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराएं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 13 दिसम्बर, 2025

पौष मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र रविवार प्रातः 8:18 तक, आयुष्मान योग दिन 11:16 तक, गर करण सायं 4:38 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 8:28 से 9:46 तक, चर 12:21 से 1:38 तक, लाभ-अमृत 1:38 से 4:13 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:11, सूर्यास्त 5:31 तक

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित धन प्राप्त हो सकता है और धन का अपव्यय हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वंचित समुदाय के साथ पंचायत स्तरीय बैठक आयोजित

अजमेर(निसं)। ग्राम पंचायत बबायचा राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास द्वारा क्षेत्र के वंचित परिवारों की आजीविका संवर्धन एवं सामाजिक तथा आर्थिक उत्थान के लिए शुक्रवार को निदेशक राकेश कुमार कौशिक के निर्देशन में संचालित रक्षा प्रोजेक्ट के अंतर्गत ग्राम पंचायत बबायचा में बैठक आयोजित की गई।

विधानसभा अध्यक्ष ने एक करोड़ से अधिक के कार्यों का किया शुभारम्भ

- **वार्ड संख्या एक और दो में सड़क निर्माण एवं सीसी रोड़ निर्माण कार्य शामिल**

अजमेर, (कास)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को अजमेर उत्तर विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग दो करोड़ से अधिक लागत के विकास कार्यों का शुभारम्भ किया। इन सड़क निर्माण कार्यों को सार्वजनिक द्वारा किया जाएगा। इसमें वार्ड संख्या एक और दो में सड़क निर्माण एवं सीसी रोड़ निर्माण कार्य शामिल हैं।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी द्वारा वार्ड 2 में सुन्दर चौक से भानू प्रताप के मकान तक 12 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया गया। इसके बाद वार्ड 2 कोटड़ा में संदीप रावत जी के मकान से तेजाजी मंदिर चौक तक 37 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। इसी क्रम में वार्ड एक कोटडा के प्रगति नगर बी ब्लॉक में 45 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया गया।

इसके बाद देवनानी ने बजट घोषणा 2025-26 के अंतर्गत वरुण सागर रोड स्थित कीर्ति नगर बी, सी एवं डी ब्लॉक में 60 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य का भी विधिवत शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि अजमेर शहर के किसी भी क्षेत्र में यदि सड़क निर्माण की आवश्यकता हो तो नागरिक उसके लिए लिखित रूप में कार्यालय में आवेदन दे सकते है। संबंधित सड़क का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अजमेर उत्तर में अब तक करोड़ों रुपए की सड़कें बन चुकी हैं तथा लगभग 60 करोड़ रुपए की लागत से नालों का निर्माण भी किया जा चुका है।

देवनानी ने कहा कि आज लगभग एक करोड़ रुपए की सड़कों का निर्माण कार्य शुरू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आवश्यकता अनुसार ध्यान में रखते हुए सीसी सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। कोटड़ा क्षेत्र के विकास के लिए अनेक कार्य किए जा रहा है। पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए यहां एक नया रिजर्वायर प्रस्तावित है। इससे बिसलपुर का पानी बेहतर प्रेशर के साथ मिलेगा। इसके अतिरिक्त अमृत 2 परियोजना के अंतर्गत पानी की टंकियों का निर्माण भी तेज़ी से चल रहा है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 150 करोड़ रुपए की लागत से 132 केवी का गैस आधारित जीएसएस स्थापित किया जाएगा। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के तहत कोटड़ा में 50 बेड का सैटेलाइट हॉस्पिटल निर्माणाधीन है। वर्तमान में अस्थाई रूप से संचालित किया जा रहा है। जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय में स्पीकर हेल्प डेस्क के माध्यम से अब तक 7 हजार से अधिक मरीजों को सहायता मिल चुकी है। साथ ही सहयोगियों के लिए एक रुपए में भोजन की व्यवस्था भी निरंतर जारी है।

उन्होंने कहा कि अजमेर में पर्यावरणीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लेपर्ड सफारी का विकास किया जा रहा है। वहीं युवाओं के रोजगार सृजन के लिए आईटी पार्क की स्थापना की जा रही है। विद्यार्थियों के लिए बहुमंजिला लाइब्रेरी एवं पंचशील में साइंस पार्क का विकास भी प्रगतिरत है। उन्होंने कहा कि एक आधुनिक और भव्य स्टेडियम का निर्माण कार्य भी शीघ्र आरंभ होने जा रहा है। इसमें एक साथ हजारों लोग बैठ सकेंगे। देवनानी ने कहा कि एक श्रेष्ठ और सुंदर अजमेर के निर्माण के लिए नागरिकों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने स्वच्छता को आदत बनाने, कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने तथा अतिक्रमण न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सड़कों एवं जलमार्गों पर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर पार्षद मनोज मामनानी, सतीश बंसल, रमेश सेन, राधिका सोनी, दीपक शर्मा, फूल सिंह रावत, अतुल चौरसिया, ललित केसवानी, प्रभात चौरसिया, लक्ष्मण दुलानी, रमेश शर्मा, कैलाश तिवारी, दिनेश खंडेलवाल, दीपक सिंह राठौड़, महेंद्र सिंह रावत, गोविंद राम, विवेक सिंह, गुलाब सिंह, विनीत सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

नसीराबाद बार एसोसिएशन चुनाव सम्पन्न

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के लिए आयोजित चुनाव शांतिपूर्वक और सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए, जिसमें इस बार चतुष्कोणीय मुकाबले ने चुनाव को बेहद रोमांचक बना दिया। अध्यक्ष पद के लिए आशीष अजमेरा, फारुख खत्री, महेश मेहरा और राजेश सुकरिया इन चार दावेदारों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। 100 मतदाताओं में से कुल 98 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना पूरी होने पर परिणाम बेहद नजदीकी रहा, जिसमें आशीष अजमेरा ने 4 मतों से जीत दर्ज करते हुए अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया।

कुल पड़े 98 मतों में से परिणाम इस प्रकार रहे: 35 मत आशीष अजमेरा, 31 मत फारुख खत्री, 16 मत महेश मेहरा, 16 मत राजेश सुकरिया व आशीष अजमेरा ने सबसे अधिक 35 मत हासिल कर बार अध्यक्ष का चुनाव जीत लिया। यह जीत न केवल उनकी लोकप्रियता को दर्शाती है बल्कि बार सदस्यों के विश्वास का प्रतीक भी है।

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 1773 — जाहिर आम सूचना — दिनांक -12-12-25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 2-ख-13, वैशाली नगर, अजमेर क्षेत्रफल 200.00 वर्ग गज मूल आवंटी श्री सुरेश गोयल पुत्र श्री गिर्राज प्रसाद को आवंटित कर दिनांक 09.08.1975 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री सुरेश गोयल पुत्र श्री गिर्राज प्रसाद द्वारा दिनांक 24.05.1990 को उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया। श्री सुरेश गोयल की मृत्यु दिनांक 15.02.2016 को हो जाने के कारण उनकी पत्नि श्रीमती मोहिनी गोयल के पक्ष में दिनांक 22.04.2016 को मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण के आदेश जारी किये गये। श्रीमती मोहिनी गोयल की मृत्यु दिनांक 01.01.2025 को हो जाने के कारण उनकी पुत्रियों श्रीमती कीर्ति जैन पत्नि श्री अरविन्द कुमार जैन एवं श्रीमती बकुल अग्रवाल पत्नि श्री सुधीर कुमार अग्रवाल द्वारा मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया था। मण्डल द्वारा दिनांक 12.11.2025 श्रीमती कीर्ति जैन एवं श्रीमती बकुल अग्रवाल के पक्ष में मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण के आदेश जारी किये गये। पुन: श्रीमती बकुल अग्रवाल एवं श्रीमती कीर्ति जैन द्वारा आवास का बेचान श्री हरीश कुमार खत्री पुत्र श्री हीरालाल को दिनांक 14.11.2025 को कर दिया गया है। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 1014 में क्रम संख्या 202503002113120 पृष्ठ संख्या 151 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 4056 के पृष्ठ संख्या 225 से 236 पर दिनांक 14.11.2025 को चस्पा किया गया। श्री हरीश कुमार खत्री पुत्र श्री हीरालाल ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री हरीश कुमार खत्री पुत्र श्री हीरालाल का नाम मण्डल रिकॉर्ड रिक में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अत: उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। -सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 1772 — जाहिर आम सूचना — दिनांक -12-12-25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 2-घ-44, आनासागर सरक्यूलर रोड, अजमेर क्षेत्रफल 90.00 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्री जेठानन्द पुत्र श्री ताराचन्द सोनी को आवंटित कर दिनांक 09.08.1983 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री जेठानन्द पुत्र श्री ताराचन्द सोनी द्वारा दिनांक 31.03.2001 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया है। पंजीयन पश्चात श्री जेठानन्द पुत्र श्री ताराचन्द सोनी द्वारा आवास का बेचान श्रीमती ज्ञानी मोटवानी पत्नि श्री श्याम मूलचन्दानी को कर दिया गया। श्रीमती ज्ञानी मोटवानी पत्नि श्री श्याम मूलचन्दानी द्वारा आवास का बेचान श्रीमती निशा फुलवानी पत्नि श्री अशोक फुलवानी एवं श्रीमती रियां फुलवानी पत्नि श्री घनश्याम फुलवानी को दिनांक 29.05.2013 को कर दिया गया है। मण्डल द्वारा दिनांक 22.11.2022 को श्रीमती निशा फुलवानी एवं श्रीमती रियां फुलवानी के पक्ष में नामान्तरण के आदेश जारी किये गये। पुन: श्रीमती निशा फुलवानी एवं श्रीमती रियां फुलवानी द्वारा आवास का बेचान श्री हीरालाल खत्री पुत्र श्री मोटूमल खत्री को दिनांक 27.11.2025 को कर दिया गया है। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 1018 में क्रम संख्या 202503002113787 पृष्ठ संख्या 24 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 4069 के पृष्ठ संख्या 493 से 503 पर दिनांक 27.11.2025 को चस्पा किया गया। श्री हीरालाल खत्री पुत्र श्री मोटूमल खत्री ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री हीरालाल खत्री पुत्र श्री मोटूमल खत्री का नाम मण्डल रिकॉर्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

-सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-अजमेर

LSG/BEAWAR/MUT/161938
DATE :-24.12.2025 — रजि. बेचान - नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/9971 — दिनांक -09-12-25

सार्वजनिक सूचना

श्री मोहम्मद नासीर पुत्र श्री इब्राहीम निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 7/ हाईड्रोलिक प्रेस मार्ग मकान नं. 10 का भाग क्षेत्रफल 60.31 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री बदरूदीन पुत्र श्री नूर मोहम्मद के नाम दर्ज है। रजि बंटवार-नामा दिनांक 13.02.2017, रजि बेचान-नामा दिनांक 27. 03.2017, 16.05.2022 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नही होगी। - आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन उत्तर अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांकः LU2012/ADA/2025-26/101696 — **लोक सूचना** — दिनांकः 12/12/2025

श्री GOVIND MEGHWANSHI पुत्र श्री GYAN CHAND MEGHWANSHI जाति BHAMBI निवासी 70, BHAMBHI MOHOLLA, NEAR GOVERNMENT SCHOOL, JANANA HOSPITAL, LOHAGAL, AJMER
श्रीमति KUSUM MEGHWANSHI पुत्री श्री GYAN CHAND MEGHWANSHI जाति BHAMBI निवासी 70, BHAMBHI MOHOLLA, NEAR GOVERNMENT SCHOOL, JANANA HOSPITAL, LOHAGAL, AJMER
श्रीमति PUSHPA पत्नी श्री GYAN CHAND MEGHWA जाति BHAMBI निवासी 70, BHAMBHI MOHOLLA, NEAR GOVERNMENT SCHOOL, JANANA HOSPITAL, LOHAGAL, AJMER
श्रीमति GEETA DEVI पत्नी श्री DULUCHAND MEHARADA जाति BHAMBI निवासी 1088/51, JELAR GALI, LOHAKHAN NAI BASTI, AJMER
श्री RAMESH CHAND पुत्र श्री SHWRANLAL जाति BHAMBI निवासी MODI MOHOLLA, LOHAGAL, AJMER
श्रीमति SEETA DEVI पत्नी श्री OM PRAKASH PARIHAR जाति BHAMBI निवासी BHAMBIYO KA MOHOLLA, CHACHIYAWAS, AJMER
ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का **आवासीय** प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	लोहागल , अजमेर (अजमेर)	GOVIND, KUSUM, PUSHPA, GEETA, RAMESH, SEETA	1170	2300	0.23
				कुल	0.23

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है।

उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 12-12-2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन उत्तर
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

आम-सूचना/खोया-पाया

सर्व आम को सूचित किया जाता है कि मेरी पत्नि श्रीमति हेमलता राठी पत्नि श्री कैलाशचन्द्र राठी निवासी गंगा विहार अजमेर रोड, मदनगंज की संयुक सम्पति फैण्डस कॉलोनी, मदनगंज-किशनगढ़ भूखण्ड संख्या 17 के स्वामित्व की कड़ी के पंजीयन विक्रय विलेख दिनांक 3 दिसम्बर 2012 द्वारा सुरेशचन्द काकाणी पुत्र श्री चन्दनमल काकाणी व श्री बालमुकुन्द शर्मा पुत्र श्री रामरतन शर्मा बहक हेमलता राठी पत्नि श्री कैलाशचन्द्र राठी, श्रीमति गीता देवी कालिया पत्नि पूसालाल कालिया व श्रीमति संन्तोष मणियार पत्नि श्री देवेन्द्र मणियार मदनगंज-किशनगढ़ पंजीयन दिनांक 3 दिसम्बर 2012 पुस्तक सं. 1 जिल्द सं. 622, पृष्ठ सं. 132, क्रम सं. 2012007784, तिलक कॉम्पलेक्स से निवास स्थल पर फोटो कापी करवाकर लाते समय दिनांक 7 दिसम्बर 2025 को मूल दस्तावेज का पेज नम्बर 3 कही गिर गया जो सफेद थेली में है। जिसकी तलाश करने पर नहीं मिला। अतः सर्वआम को सूचित किया जाता है कि जिस किसी भी सज्जन को मिले तो मेरे पास पहुंचाने का कष्ट करे, उनका दुरउपयोग नही करे। पहुंचाने वाले को उचित इनाम दिया जायेगा। पता-हेमलता राठी पत्नि श्री कैलाशचन्द्र राठी निवासी गंगा विहार, अजमेर रोड, मदनगंज-किशनगढ, M-7014145261

निःशुल्क 10 दिवसीय क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर का हुआ शुभारम्भ

- **शिविर प्रभारी डॉ. जगदीश सिंह राजावत ने बताया की इस चिकित्सा शिविर में अर्थ भगंदर आदि रोगों से पीड़ित मरीजों का निःशुल्क शल्य उपचार किया जाएगा**

अजमेर, (कास)। आयुर्वेद विभाग एवं राष्ट्रीय आयुष मिशन तथा भारत विकास परिषद की मुख्य शाखा किशनगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को दस दिवसीय अन्तरंग अर्थ एवं भगंदर क्षार सूत्र निःशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ खांडल विप्र छात्रावास कृषि उपज मण्डी के पास जयपुर रोड किशनगढ़ में हुआ। कार्यक्रम में नगर परिषद् सभापति दिनेश सिंह राठौड़, अध्यक्ष डॉ. रमेश चंद्र मीना, उप सभापति मनोहर ताराणी, युवा भाजपा नेता सुभाष चौधरी, अतिरिक्त निदेशक संभाग अजमेर डॉ. शिव सिंह, उप निदेशक डॉ. हनुमान मीना, भारत विकास परिषद् अध्यक्ष श्री प्रहलाद अग्रवाल एवं रामावतार उपस्थित रहे।

शिविर प्रभारी डॉ. जगदीश सिंह राजावत ने बताया की इस चिकित्सा शिविर में अर्थ भगंदर आदि रोगों से पीड़ित मरीजों का निःशुल्क शल्य उपचार किया जाएगा। इसमे मरीजों को 10 दिनों तक इस शिविर में रहने, खाने की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी। इस चिकित्सा शिविर में अर्थ, भगंदर के अतिरिक्त पंचकर्म आदि आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धितयों से रोगियों का उपचार किया जाएगा। अग्निकर्म चिकित्सा द्वारा विभिन्न वात रोगों, घुटनों का दर्द, कमर दर्द, सायटिका, फ्रोजन शोल्डर पैरों की कीले एवं त्वचा पर होने वाले मस्से आदि की चिकित्सा उपलब्ध रहेगी। जिला स्तर पर विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बहिरंग मरीजों का उपचार किया जाएगा। यह निःशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर 21 दिसंबर तक निरंतर रहेगा।

आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक डॉ. हनुमान मीना ने बताया की सभी व्यक्ति जो इन बीमारियों से ग्रसित हैं। वह इस चिकित्सा शिविर में आ कर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श एवं उपचार करवाए। अपने परिजनों एवं अन्य लोगों को भी इस बारे में अवगत करवाए। शिविर समाप्ति तक लगभग 150 मरीजों का शल्य पंजीयन किया गया एवं 48 रोगी भर्ती किए गए। लगभग 260 मरीजों ने इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर बहिरंग चिकित्सा से लाभान्वित हुए। शिविर में डॉ. आशीष सोनी, डॉ. लक्ष्मी सैनी, डॉ. हेमराज सेन, डॉ. दिनेश मीना, डॉ. कृष्ण गोपाल शर्मा, डॉ. रवि वर्मा, श्री गिरिराज शर्मा, श्री तनुज सैनी, श्री आदित्य शर्मा आदि ने अपनी सेवाए दी।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने निकाला भव्य जुलूस

- **ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की मजार पर चादर पेश कर अमन-चैन और तरक्की की दुआ मांगी गई**

अजमेर(निसं)। कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के नव नियुक्त शहर अध्यक्ष जुनेद पठान के नेतृत्व में शुक्रवार को एक भव्य जुलूस शहर के विभिन्न मार्गों से होकर दरगाह शरीफ़ पहुंचा, जहां ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की मजार पर चादर पेश कर अमन-चैन और तरक्की की दुआ मांगी गई।

जुलूस के दौरान खुली जीप में पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़, शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल, जुनेद पठान, पार्षद नोरत गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल, मुख्तार अहमद नवाब, काज़ी मुनव्वर अली सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। पूरी यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं सहित मुस्लिम समाज के लोगों ने जगह-जगह पुष्पमालाएँ, साफे और पारंपरिक अंदाज में गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि अल्पसंख्यक विभाग की नई टीम के गठन के बाद संगठन और अधिक मजबूत होगा और मोहल्लों व वार्डों में पार्टी की पकड़ मजबूत करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

दरगाह में चादर पेश करने के बाद सभी पदाधिकारियों ने आपसी एकता, भाईचारे और जिले की बेहतरी की कामना की। जुलूस में भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। मंडल अध्यक्ष भंवर सिंह राठौड़, दिलीप सामनानी, आरिफ़ खान, विकास चौहान तथा विभिन्न मंडलों एवं वार्डों के पदाधिकारियों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता निभाई। शहर में यह जुलूस कांग्रेस के संगठित शक्ति प्रदर्शन और सामाजिक सौहार्द का संदेश देता नजर आया।

कार्यालय ग्राम पंचायत अराई पंचायत समिति अराई (अजमेर)

क्रमांक- ग्रापअ/2025-26/295-2025 — **आपत्ति आमंत्रण सूचना** — दिनांक- 11.12.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत अराई में आबादी भूमि के आवासीय भूखंडों के पट्टे हेतु निम्नानुसार आवेदन कार्यालय ग्राम पंचायत अराई में प्राप्त हुए हैं, जिनके नियमों 157 अनुसार पट्टे ग्राम पंचायत द्वारा जारी किए जाने हैं। ग्राम पंचायत की पाक्षिक बैठक दिनांक 11.12.2025 के प्रस्ताव संख्या द्वारा 01 माह का आपत्ति नोटिस जारी किए जाने का निर्णय लिया गया है। यदि किसी व्यक्ति संस्था / फर्म को आपति है तो अपनी आपत्ति मय दस्तावेजों के कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करावे। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

क.स	आवेदक का नाम	पिता/पति का नाम	जाति	विशेष विवरण
1	महावीर	लक्ष्मण जाट	जाट	मिसलानुसार
2	मिश्रीलाल	लक्ष्मण जाट	जाट	मिसलानुसार
3	लक्ष्मण चौधरी	सोदान	जाट	मिसलानुसार
4	रामरतन	नोरत मल	खाती	मिसलानुसार
5	ललिता	भागचंद जाट	जाट	मिसलानुसार
6	हेमराज चौधरी	नंदा खोखर	जाट	मिसलानुसार
7	सदाम हुसैन	चाँद	मुसलमान	मिसलानुसार
8	सीताराम कलवार	रामकिशोर	कलवार	मिसलानुसार
9	दीपक मेवाडा	रामकिशोर	कलवार	मिसलानुसार
10	माया कलवार	सीतराम कलवार	कलवार	मिसलानुसार
11	रिंकू मेवाड़ा	दीपक मेवाडा	कलवार	मिसलानुसार
12	भेरू लाल गुर्जर	तेजू	गुर्जर	मिसलानुसार
13	सीता देवी	तेजू	गुर्जर	मिसलानुसार
14	हरदिन गुर्जर	भूरा	गुर्जर	मिसलानुसार
15	नाथी	हरदिन गुर्जर	गुर्जर	मिसलानुसार
16	भागचंद जाट	प्रताप जाट	जाट	मिसलानुसार
17	सीता देवी	प्रधान जाट	जाट	मिसलानुसार
18	प्रियंका	राजू आचार्य	आचार्य	मिसलानुसार
19	दुर्गा	सुखराम	जाट	मिसलानुसार
20	सुखराम	भीमा राम	जाट	मिसलानुसार
21	इक़बाल	रजाक खान	मुसलमान	मिसलानुसार
22	प्रेम	गजानन्द रेगर	रेगर	मिसलानुसार
23	नाथू	देवा	गुर्जर	मिसलानुसार
24	महावीर प्रसाद	हरिदास वैष्णव	वैष्णव	मिसलानुसार
25	सनी	राजेंद्र सोनी	सोनी	मिसलानुसार
26	ललित गुलानिया	सत्यनारायण	तेली	मिसलानुसार
27	कन्हैया लाल	जेठ मल	रेगर	मिसलानुसार
28	मोनिकां	ललित तेली	तेली	मिसलानुसार
29	रामवतार	रघुनाथ	जाट	मिसलानुसार
30	हरजीवन चौधरी	रामेश्वर लाल	जाट	मिसलानुसार
31	रामकिशोर	तेजू	जाट	मिसलानुसार
32	रामनिवास रामस्नेही	रामस्वरूप		मिसलानुसार
33	कपिल गौड	त्रिलोक गौड	ब्रह्मण	मिसलानुसार
34	अरुण गौड	त्रिलोक गौड	ब्रह्मण	मिसलानुसार
35	लक्ष्मी	छोटू लाल रेगर	रेगर	मिसलानुसार
36	मंगली देवी	रामदेव		मिसलानुसार
37	रामदेव	सुजा		मिसलानुसार
38	बबली देवी	अशोक कुमार कीर	कीर	मिसलानुसार

नोट:- उपरोक्त क्रम संख्या 1 से 38 तक यदि पूर्व में किसी स्तर में कोई भी पट्टा जारी हो. किसी प्रकार का आपसी भाई बँटवारा और विवाद या किसी भी न्यायालय में प्रकरण दर्ज हो या किसी पडोसी को कोई आपत्ति हो तो नोटिस जारी होने के 1 महीने की अवधि तक कार्यालय ग्राम पंचायत में प्रस्तुत करें। समय मियाद बाद किसी भी कार्रवाई के लिए ग्राम पंचायत जिम्मेदार नहीं होगी एवं पूर्व में जारी पट्टे पर पट्टा जारी होना पाया जाता है तो स्वयं पट्टा धारक कानूनी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होगा अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए कार्यालय समय में ग्राम पंचायत कार्यालय में संपर्क करे।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत अराई, जिला-अजमेर

प्रशासक
ग्राम पंचायत अराई, जिला-अजमेर

सरवाड़ बार एसोसिएशन चुनाव हुए संपन्न, महावीर जैन बने अध्यक्ष

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ बार एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी के लिए अध्यक्ष पद के लिए चुनाव शुक्रवार को किये गये वहीं महावीर प्रसाद जैन निर्विचन घोषित किए गए इस दौरान जैन ने अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार प्रधान लाल जाट को नो मतों से हराकर विजय प्राप्त की। अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए शुक्रवार को सुबह दस बजे से मतगणना शुरू होकर सायं चार बजे संपन्न हुई वहीं कल 51 अधिवक्ताओं ने मतदान किया गया वहीं मतदान के पश्चात मत गणना शुरू हुई जिसमें महावीर प्रसाद जैन को तीस मत एवं प्रधान लाल जाट को 21 मत मिले इस दौरान चुनाव परिणाम के बाद अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष जैन का माला व साफा बंधवाकर स्वागत किया गया।

रामसेतु ब्रिज की महावीर सर्किल एप्रोच भूज पर डामरीकरण शुरू, जल्द फिर से दौड़ेंगे वाहन

अजमेर(निसं)। एलिवेटेड रोड की महावीर सर्किल की ओर से आने वाली एप्रोच रोड (भुजा) का मरम्मत कार्य पूरा कर लिया गया है। डामरीकरण के बाद शनिवार से इस भुजा पर ट्रैफिक का संचालन दोबारा शुरू कर दिया जाएगा। करीब पांच माह बाद इस मार्ग के खुलने से शहरवासियों को जाम और लंबी दूरी के चक्कर से राहत मिलने की उम्मीद है। एप्रोच रोड की मरम्मत के दौरान तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा गया। विभिन्न परतों में मिट्टी की लेयर बिछाई गई, ताकि भविष्य में सड़क धंसने की आशंका न रहे। ब्रिज की रिटेनिंग वॉल के पास मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए रिवर्स एंड फिल्टर का वैज्ञानिक तरीके से डिजाइन किया गया। इसके साथ ही जियो टेक्सटाइल, फिल्टर मीडिया और मेंब्रेन का उपयोग किया गया है। बारिश के पानी की सुचारू निकासी के लिए वीप होल भी दोबारा बनाए गए हैं। पिछले दिनों वाटर वाउंड मेकाडम (वीएमडब्ल्यू) का कार्य पूरा किया गया था, लेकिन इसके पूरी तरह सूखने में समय लगने के कारण डामरीकरण नहीं हो सका। सड़क की साफ सफाई के बाद शुक्रवार को डामरीकरण के बाद मरम्मत कार्य को अंतिम रूप दिया गया।

छह माह से बंद थी ब्रिज की भुजा: गौरतलब है कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत करीब 275 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए एलिवेटेड रोड की यह भुजा 3 जुलाई को सड़क धंसने के बाद बंद कर दी गई थी। इसके बाद जिला प्रशासन ने तकनीकी जांच के लिए कमेटियां गठित की थीं। एमएनआईटी जयपुर की सिफारिश पर एप्रोच रोड को पूरी तरह खोदकर नए सिरे से निर्माण कराने का निर्णय लिया गया। इसी के तहत रैम्प को पूरी तरह पुनर्निर्मित किया गया है। भुजा बंद रहने के दौरान महावीर सर्किल और आगरा गेट चौराहे पर आए दिन जाम की स्थिति बन रही थी। स्थानीय लोगों के साथ-साथ रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही थी।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/69क/2025-26/128 — आपत्ति सूचना — दिनांक-10/12/2025

श्री इरफान खान पुत्र श्री इमामुदीन, निवासी छोटे लाल माली की चाल पाल बीचला अजमेर द्वारा प्रस्तावित नया पालबीचला अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 69.86 वर्गमीटर है का नगर निगम अजमेर में धारा 69-ए के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएँ निम्नानुसार हैं।

पूर्व- 30 फिट चौड़ी रोड — उत्तर - आम रास्ता
पश्चिम- आम चौक — दक्षिण- पार्वती देवी की मकान

अत: जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 69-ए के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के नगर निगम के पक्ष में भूमि के अधिकार अभ्यर्पण करने के अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप/आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप/आपती नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जावेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांकः नियमन /25-26/1848 — आम सूचना — दिनांक-12/12/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति नारायणी देवी सांखला पत्नि श्री धन्नालाल सांखला निवासी शीतला माता गली, सूरजपोल गेट के अन्दर, ब्यावर ने राजस्व ग्राम गढीथोरियान के खसरा नम्बर 1794/204 में स्थित शिव कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 07 का दक्षिणी भाग क्षेत्रफल 104.16 वर्गगज भूमि का आवासीय फी होल्ड पट्टा विलेख प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण में उक्त आवेदन पत्र के साथ सलंग्न कतई बेचान इकरारनामा अपंजीपकृत है। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत अपंजीकृत कतई बेचान इकरारनामा के आधार पर भूखण्ड संख्या 07 का दक्षिणी भाग क्षेत्रफल 104.16 वर्गगज भूमि के आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा विलेख बाबत् किसी व्यक्ति को कोई आपति हो तो 07 दिवस के भीतर-भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित में आपति प्रस्तुत कर सकते है। अन्यथा बाद मियाद आपति विचारणीय नही होगी।

सीमायें (साईट प्लान के अनुसार)
पूर्व-रोड 30 फीट — पश्चिम -प्लाट नं. 04 व 05
उत्तर- प्लाट नं. 07 का उतरी भाग — दक्षिण - प्लाट नं. 06

- आयुक्त, नगर परिषद, ब्यावर

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/भूमि/2025/9206 — आम सूचना — दिनांक: 12/12/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि 1. श्री भागीरथ चौधरी पुत्र श्री रामचंद्र चौधरी 2. सुरजमल जाट पुत्र श्री गिरधारी जाट निवासी: चोयल हाउस, शान्ति लगर, अजमेर बाई पास रोड़, मदनगंज किशनगढ़ ने आवासीय से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है जो की चोयल हाउस, शान्ति नगर, अजमेर बाई पास रोड़, मदनगंज किशनगढ किशनगढ़ में स्थित भूखण्ड/परिसर कुल क्षेत्रफल 505.66 वर्गगज वर्गगज है जिसकी सीमाऐं निम्न प्रकार से है -

पूर्व में - मकराना रोड — पश्चिम में -पांचु का मकान
उत्तर में -पांचु का मकान — दक्षिण में -एस.डी मार्केट, ओर Op मार्बल

उक्त सीमा मध्य स्थित भूखण्ड/परिसर का आवासीय से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो लिखित में सूचना प्रकाशन के 7 दिवस में प्रस्तुत करे बाद मान्य नही होगा। मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति/ ऐतराज मान्य नहीं होगा। अत: सूचित रहे। -आयुक्त नगर परिषद किशनगढ़

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/5389 — आम सूचना — दिनांक: 9-12-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम किशनगढ़-बी के खसरा 156 व 157 भूखण्ड संख्या 70 का कुल क्षेत्रफल 200.00 वर्गगज का आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपति होतो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवसमें इस कार्यालय को लखित में आपतियां /मय साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्री दीन दयाल पुत्र श्री गुलाबचंद निवासी तेजा जी चौक के पास मुखमी	किशनगढ़-बी खसरा 156 व 157 200.00 वर्गगज	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु

आयुक्त,नगर परिषद, किशनगढ़।

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक :1768 — जाहिर आम सूचना — दिनांक -11-12-25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3-ग-44, आनासागर सरक्यूलर रोड, अजमेर मूल आवंटी श्री विजय प्रकाश भार्गव पुत्र श्री के.सी. भार्गव को आवंटित कर दिनांक 06.09.1985 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री विजय प्रकाश भार्गव पुत्र श्री के.सी. भार्गव द्वारा जरिये मुख्त्यारनामा, इकरारनामा व वसीयतनामा के आवास का बैचान श्री विजय नारायण सक्सैना पुत्र श्री श्यामसुन्दर नारायण सक्सैना को कर दिया गया। मण्डल द्वारा दिनांक 21.03.1995 को श्री विजय नारायण सक्सैना पुत्र श्री श्यामसुन्दर नारायण सक्सैना के पक्ष में नियमितीकरण के आदेश जारी किये गये। श्री विजय नारायण सक्सैना पुत्र श्री श्यामसुन्दर नारायण सक्सैना द्वारा दिनांक 21. 03.1995 को उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया। श्री विजय नारायण सक्सैना की मृत्यु दिनांक 05.02.2004 को एवं उनकी पत्नि श्रीमती विमलेश कुमारी की मृत्यु दिनांक 31.05.2020 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री विकास सक्सैना पुत्र श्री विजय नारायण सक्सैना द्वारा रजिस्टर्ड वसीयतनामा प्रस्तुत कर मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अब श्री विकास सक्सैना पुत्र श्री विजय नारायण सक्सैना ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री विकास सक्सैना पुत्र श्री विजय नारायण सक्सैना का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अत: उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपति मय सबू त एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। -सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-अजमेर

पुष्कर बार एसोसिएशन के त्रिकोणीय चुनाव में अधिवक्ता मदन सांखला जीते

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर बार एसोसिएशन के 2025- 26 के लिए आयोजित चुनाव में रोमांचक त्रिकोणीय मुकाबला रहा। पुष्कर बार एसोसिएशन के चुनाव में अधिवक्ता मदन सांखला ने जीत हासिल की है। अधिवक्ता मदन सांखला ने अधिवक्ता जगदीश चौधरी को भारी अंतर से शिकस्त देते हुए अध्यक्ष पद पर कब्ज़ा जमाया। अधिवक्ता मदन सांखला को 83 मत मिले जबकि अधिवक्ता जगदीश चौधरी 34 मत मिले वहीं अधिवक्ता अर्जुन सिंह राठौड़ को मात्र 02 मत मिले। जीत के बाद अधिवक्ता मदन सांखला ने अपनी विजय का श्रेय अपने गुरु अधिवक्ता कुलदीप पाराशर को समर्पित किया चुनाव का परिणाम आते ही अधिवक्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ पड़ी और माला पहनाकर अधिवक्ता साथियों ने सांखला का भव्य जुलूस निकाला।

निःशुल्क शिविर 14 दिसंबर को पुष्कर के पुराना रंग जी मंदिर में

पुष्कर (निसं)। स्वर्गीय गोकुल चंद डीडवानिया की स्मृति में पारस वेलफेयर संस्था के तत्वाधान रविवार 14 दिसंबर को पुष्कर के वेणुगोपाल पुराना मंदिर में 13वां निःशुल्क की विशाल चिकित्सा शिविर आयोजित होगा। शिविर में बड़ी संख्या में हृदय रोग से पीड़ित रोगी एवं अन्य रोगों से पीड़ित रोगि निःशुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ लेंगे। आयोजित में अमेरिका के प्रसिद्ध चिकित्सक हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रकाश डीडवानिया, जे एल एन अस्पताल के चिकित्सा संजीव माहेश्वरी समेत कई चिकित्सक सेवाएं देगे।वही शिविर में निशुल्क लूपिन फर मच्यूटिकल संस्था निःशुल्क जांच की व्यवस्था ओर दवाई वितरण करेगी। चिकित्सा सेवाओं के प्रकाश डीडवानिया का मानव सेवा के लिए आभार प्रकट किया और चिकित्सा पद्धति को जाना। आयोजित शिविर में ईश्वर चंद्र डीडवानिया और समाजसेवी जगदीश कुर्डिया पुराने रंगनाथ मन्दिर के ट्रस्टी अनंत प्रसाद गनेरीवाला, सत्यनारायण पालड़ी वाला, सत्यनारायण मिश्रा मौसम शर्मा ,समेत कई समाजसेवी मोजुद रहे।

कार्यालय नगर परिषद, किशनगढ़ जिला - अजमेर (राज)

क्रमांक / नपकि / विकास / 2025 / 2396 — दिनांक - 01.12.2025

निविदा सूचना संख्या - 26/2025-2026

नगर परिषद किशनगढ द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना अनुसार निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत संवेदको /ठेकेदारो से मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 17.12.2025 को 12.00 बजे तक निविदा शुल्क मय धरोहर नकद राशि जमा करवाकर प्राप्त की जा सकती है एवं बन्द लिफाफे में निविदा दिनांक 17.12.2025 को मध्यान्ह पश्चात् 02.00 P.M. तक प्राप्त की जाकर उसी दिन उपस्थित संवेदकों के समक्ष 03.00 P.M. पर खोली जावेगी। निविदा स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार परिषद को होगा। निविदाएं बेचने/प्राप्त करने के दिवस को किसी भी कारणवश राजकीय अवकाश घोषित होने पर कार्यवाही आगामी कार्य दिवस को सम्पादित की जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

यूबीएन नं.-DLB2526A8953

राज.संवाद/सी/25/15689

आयुक्त
नगर परिषद्, किशनगढ़

MANAPPURAM FINANCE LTD.

CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.01.2026 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
अजमेर, मदनगंज कृष्णगढ़, 111760700026492,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 9911809139 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

परीक्षा 12 को

अजमेर, (कास)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा लेक्चरर (आयुष विभाग) परीक्षा-2025 का आयोजन 12 जनवरी 2026 को ऑनलाइन (सीबीआरटी-कंप्यूटर बेस्ड रिक्रूटमेंट टेस्ट) माध्यम से किया जाएगा। परीक्षा के पूर्व अभ्यास के लिए मॉक टेस्ट आयोग की वेबसाइट पर कैंडिडेट इनफॉर्मेशन टेब के अंतर्गत उपलब्ध हैं। अभ्यर्थी परीक्षा प्रक्रिया से परिचित होने के लिए मॉक टेस्ट का अभ्यास कर सकते हैं।

सड़क हादसे में युवक की मौत

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के बैहतूकला धोलागढ़ देवी थाना क्षेत्र के ग्राम बाडला में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें अज्ञात वाहन की टक्कर से 28 वर्षीय ओमवीर सिंह की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार देर शाम खेत से घर लौटते समय तेज रफ्तार वाहन ने ओमवीर को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क किनारे लहूलुहान अवस्था में गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने उसके परिजनों को मौके पर बुलाया। परिजन राजेंद्र सहित अन्य सदस्य तुरंत ओमवीर को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और गांव में शोक का माहौल छा गया।

डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी राजस्थान
13-14, झालना सांस्थानिक क्षेत्र, जयपुर
आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी राजस्थान की केंद्रीय कार्यसमिति के चुनाव करवाने हेतु दिनांक 15.11.2025 को विस्तृत अधिसूचना जारी की गई। जिसके अनुसार दिनांक 11.12.2025 को अंतिम मतदाता सूची जारी की जा चुकी है। उक्त अधिसूचना के अनुसार नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 18.12.2025, मतदान की तिथि 04.01.2026 है तथा दिनांक 06.01.2026 को मतगणना कर परिणाम जारी किए जाएंगे। चुनाव अधिसूचना व मतदाता सूची चुनाव समिति की वेबसाइट www.dramwselection.com पर उपलब्ध है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के अनुसार चुनाव समिति अपना कार्य कर रही है।
जे पी विमल IAS (Rtd.), चुनाव अधिकारी, डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी राजस्थान, 9414027400

कार्यालय अधीक्षण एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, सलुम्बर
E-mail: sewdsc.salumber@gmail.com
क्रमांक- एफ()/निविदा/PMKSY 2.0/MJSA 2.2/2025-26/865 दिनांक-9.12.2025
ई-निविदा सूचना 33-37/2025-26
एम.जे.एस.ए. 22 (एनआरएम) परियोजना क्षेत्र के अन्तर्गत ब्लॉक झल्लारा, सलुम्बर, सेमारी, सराडा एवं जयसमंद जिला सलुम्बर (कुल 5 पैकेज) में जलग्रहण विकास कार्यों के लिए बीड, अनुमानित मूल्य 281.43 लाख रूपये दिनांक 19.12.2025 को सायं 5.00 बजे तक इच्छुक बोलीदाताओं से आमंत्रित की जाती है। बोलियों से संबंधित विस्तृत विवरण राज्य सरकार के पोर्टल (https://eproc.rajasthan.gov.in, https:/sppp.rajasthan.gov.in) पर देखे जा सकते है।
UBN NO. WSC2526WSOB02016, WSC2526WSOB02013, WSC2526WSOB02014, WSC2526WSOB02015, WSC2526WSOB02017
अधीक्षण अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, सलुम्बर
DIPR/C/18353/2025

Office of the G.K. Gowani Govt. College Bhinmal, Dist. Jalore (Raj.)
Letter No.-2234 Date: 10/12/2025
E-mail: gkgc66bhinmal@gmail.com Phone-02969-220041
NOTICE INVITING BID
Bids for Supply of Iron Student Table and Chair invited from interested bidders upto 6 pm of 20.12.2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.rajasthan.gov.in. The approximate value of the procurement is 24.00 Lakh.
UBN-ECD2526GLOB00405
Principal
Govt. College Bhinmal
DIPR/C/18397/2025

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)
(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड़-306401)
टेलीफोन :- 02932-250033 ई-मेल :- cmcpali@yahoo.co.in
क्रमांक प. /एस.डब्ल्यू.एम/2025/221-222 दिनांक 02.12.2025
ई-निविदा सूचना/ 01/2025-26
नगर निगम पाली में घर घर कचरा संग्रहण कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित कि गयी है निविदा सम्बन्धी जानकारी व अन्य शर्ते निगम कार्यालय एवं एवं वेबपार्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल व http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN नं - DLB2526SLOB26284 के जरीये देखी जा सकती है।
आयुक्त
नगर निगम, पाली
राज.संवाद/सी/25/15423

कार्यालय नगर परिषद बून्दी
क्रमांकः- 7944 दिनांकः- 09.12.2025
-:: निविदा सूचना ::-
नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: न0प0बू0/निर्माण/2025-26/7943 दिनांक 09/12/2025 की निविदा दिनांक 10/12/2025 से दिनांक 23/12/2025 18.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 24/12/2025 को 15.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 24/12/2025 को 16.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB26744 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।
आयुक्त
नगर परिषद, बून्दी
राज.संवाद/सी/25/15686

कार्यालय नगर पालिका मारवाड़ जंक्शन(पाली)
पंचायत समिति के सामने मारवाड़ जंक्शन-306001
क्रमांक : न.पा.मा.जं./विकास/2025-26/555 दिनांकः-01/12/2025
: ई-निविदा सूचना :
एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिका, मारवाड़ जंक्शन जिला पाली के विकास शाखा की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सम्बंधित विस्तृत जानकारी पालिका के नोटिस बोर्ड अथवा वेब पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है, जिसके यू.बी.एन. नम्बंर निम्नानुसार है :-

DLB2526WSRC26268	DLB2526WSRC26271
DLB2526WSRC26273	DLB2526WSRC26276

राज.संवाद/सी/25/15620 अधिशाषी अधिकारी

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड
निविदा सूचना संख्या 32/2025-26
केन्द्र/राज्य सरकार के विभागों, उनके उपक्रमों में एवं रा.रा.वि.प्र.नि.लि. में 'अअ' श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से निविदा सूचना संख्या 32/2025-26 में वर्णित कार्य हेतु संबंधित अधिशाषी अभियन्ता (सिविल) कार्यालय के लिये निर्धारित प्रपत्र में निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in व www.rvpn.co.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है।
UBN :- VPN2526WSOB02381 to VPN2526WSOB02382 (2), VPN2526WSOB02384(1)
अधीक्षण अभियंता (सिविल), जयपुर
राज.संवाद/सी/25/15653 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7288/2025

Office of The District Education Officer (HQ) Secoundary Jalore (Raj.)
No. deo/ha/sec/jalore/Accounts/2025-26/286-287 Date: 01.12.2025
REVISED NOTICE INVITING TENDER NO.-1
Bid of procurement of supply of complete Ladies & Gents Bicycies procurement is inviting form interest bidders extended up to 15.12.2025 time 12.30PM. due to no any bid received. Other particulars of the bid may be visiting on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in of the site.

S. No.	Item/Description of work	Estimated cost (in Rupees)	UBN
1	Supply of Complete Ladies & Gents Bicycles 20" (Colour-Orange)	1,04,53,914/-	EDU2526 GLOB00078

(Bhanwar Lal Parmar)
Dist. Education Officer,
(HQ) Secondary, Jalore
DIPR/C/18544/2025

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग,
प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड, जालोर
क्रमांक-अ.अ./चि.एवं स्वा./2025-26/2832-42 दिनांक-08.12.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 27/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 137.00 लाख के 3 सिविल कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधी विवरण डीआईपीआर की वेबसाईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB NO. MHS2526A3713
UBN NO. 1. MHS2526WSOB05396 2.MHS2526WSOB05397, MHS2526WSOB05398
(राम कुमार कुर्डिया)
अधिशाषी अभियंता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर
DIPR/C/18374/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि., खण्ड-बूंदी
क्रमांक-1856 दिनांक-09.12.2025
अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 17/2025-26
NIB CODE- PWD2526A4671
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत वी.वी.आई.पी. विजिट एवं अन्य आवश्यक कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए,ए,बी,सी,डी, श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 12.12.2025 से 18.12.2025 को सायं 6.00 बजे तक।
UBN IS: 1. (PWD2526WSOB18629) 2.(PWD2526WSOB18630)
(शेखर चन्द मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि., खण्ड बूंदी
DIPR/C/18406/2025

घड़साना में एक करोड़ की हेरोइन पकड़ी, महिला सहित दो गिरफ्तार

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पंजाब की एक महिला ने उन्हें घड़साना में यह हेरोइन दी थी

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर की घड़साना पुलिस और रेंज की स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 207 ग्राम हेरोइन के साथ एक महिला और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। जब्त की गई हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपए बताई जा रही है।

पुलिस ने आरोपी महिला सुनीता उर्फ सीतो (31) पत्नी जगसीर सिंह रायसिख और उसके साथी पृथ्वीराज स्वामी (35) पुत्र रामेश्वर स्वामी को पकड़ा है। दोनों घड़साना के भगत सिंह नगर निवासी हैं। यह कार्रवाई अनूपगढ़ से भगत सिंह नगर की ओर जाने वाली सड़क पर की गई। घड़साना एसएचओ देवीलाल सहारण ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने उनसे गहन पूछताछ शुरू कर दी है, जिसमें एक बड़े नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना है।

एसएचओ सहारण ने बताया कि नशे की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस टीम ने बाइक पर आ रहे पृथ्वीराज और सुनीता को रोककर तलाशी ली। पुलिस टीम को देखकर दोनों घबरा गए थे, जिसके बाद उनके पास से हेरोइन बरामद हुई।

- **पुलिस अब पंजाब की उस महिला तस्कर की तलाश कर रही है और पूरे तस्करी नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही है**

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पंजाब की एक महिला ने उन्हें घड़साना में यह हेरोइन दी थी। पुलिस अब पंजाब की उस महिला तस्कर की तलाश कर रही है और पूरे तस्करी नेटवर्क की कडियों को जोड़ने का प्रयास कर रही है। इस कार्रवाई में रेंज स्पेशल टीम के कॉन्स्टेबल सुखजोत सिंह की अहम भूमिका रही।

46 किलो गांजा सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुरानी आबादी पुलिस ने मादक पदार्थ गांजा की 46 किलो 820 ग्राम मात्रा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी नाबालिग है। यह कार्रवाई कार्यवाहक एसएचओ सीरकौर की ओर से पदमपुर रोड पर गोस्वामी धर्मशाला के निकट की गई। उनकी ओर से दर्ज करवाए गए एडीपीएस एक्ट के मामले की जांच एसपी डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर कोतवाल पृथ्वीपालसिंह भाटी को सौंपी गई है।

जांच अधिकारी कोतवाल भाटी ने बताया कि तस्करी के आरोप में बिहार के ताजपुर जिले के गांव चक हैदर निवासी 28 वर्षीय रवि राय पुत्र अरुण यादव, पुरानी आबादी दशमेश कॉलोनी निवासी सोनिया पत्नी प्रवीण अरोड़ा तथा एक 16 वर्षीय विधि से संघर्षरत किशोर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी रवि को अदालत के आदेश से 10 दिन, आरोपिया सोनिया का तीन दिन का रिमांड लिया गया है। विधि से संघर्षरत किशोर को किशोर न्याय बोर्ड में पेशकर बाल संप्रेषण गृह में भिजवाया गया है। कार्रवाई में पुरानी आबादी थाने के कांस्टेबल दीपक, डीएसटी सेकंड टीम प्रभारी एसआई राजेंद्र स्वामी, हेड कांस्टेबल राजेंद्रकुमार की विशेष भूमिका रही। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी रवि यादव ने बताया कि उसे विधि से संघर्षरत किशोर ने बताया कि उसके गांव हाजीपुर के निकट गांव का प्रिंस श्रीगंगानगर में प्रवीण अरोड़ा के साथ गांजे की तस्करी करता है। उसने श्रीगंगानगर में गांजा पहुंचाने के बदले चार हजार रुपए तथा आने-जाने का खर्चा देने को कहा है। इस पर आरोपी विधि से संघर्षरत किशोर के साथ उक्त गांजे की खेप श्रीगंगानगर लेकर आने को तैयार हो गया। हम लोग ट्रेन से हिसार तक आए। इसके बाद ट्रेन से उतरकर बस में सवार हो गए और श्रीगंगानगर बस स्टैंड पर बुधवार देर शाम को पहुंच गए। आगे प्रवीण की पत्नी सोनिया अरोड़ा स्कूटी लेकर उनको लेने आई। स्कूटी पर सोनिया के घर जाते पुलिस ने पकड़ लिया।

15 साल की नाबालिग के साथ पड़ोसी ने किया दुष्कर्म

बीकानेर, (निसं)। यहां 15 साल की नाबालिग के साथ पड़ोसी ने ही रेप कर दिया। बीकानेर के रणजीतपुरा थाना क्षेत्र में पिता ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। घटना करीब एक महीना पुरानी है, जिसका मामला दर्ज हुआ है। पीडित लड़की के पिता ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है।

थानाधिकारी चंद्रजीत सिंह भाटी ने बताया कि थाना क्षेत्र में निवासी एक व्यक्ति ने लिखित शिकायत देकर आरोप लगाए कि करीब एक माह पूर्व की घटना हैं। उसकी 15 वर्षीय बेटी बाहर गई थी। पड़ोस में रहने वाले 25 साल के युवक ने उसके साथ गलत काम किया। बेटी को उसने डरा-धमकाकर चुप करवा दिया। डर के मारे उसने इस घटना के बारे में घर पर किसी को कुछ नहीं बताया, अब बच्ची ने धीरे-धीरे घर पर आपबीती सुनाई तब शिकायत दी है। एसएचओ भाटी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 65 और 3/4 पॉक्सो के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल की जांच करके पीड़िता का मेडिकल बोर्ड से मेडिकल करवा गया है। अनुसंधान पुलिस निरीक्षक चन्द्रजीत सिंह भाटी स्वयं कर रहे हैं।

- **आरोपी ने चुप रहने के लिए डराया, एक महीने बाद पिता ने मामला दर्ज कराया**

जर्जर कियोस्कों पर बुलडोजर चलाया

भीलवाड़ा, (निसं)। शुक्रवार सुबह अजमेर चौराहे पर यूआईटी ने जर्जर और असुरक्षित कियोस्कों के खिलाफ कार्रवाई की। तहसीलदार दिनेश साहू के नेतृत्व में पहुंचे दल ने 28 कियोस्कों पर पीला पंजा चला दिया। इन कियोस्कों में दुकानें चल रही थी, जिससे कई लोग बेरोजगार हो गए। इस कार्रवाई का विरोध करते हुए कांग्रेस नेता मनोज पालीवाल मौके पर पहुंचे और रोष जताया। यूआईटी अधिकारियों के अनुसार, ये असुरक्षित थे और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रहे थे। कार्रवाई में बुलडोजर ने इन कियोस्कों को ध्वस्त कर दिया।

65 लाख की सायबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। सायबर अपराध की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व टीम ने 65 लाख रुपए की सायबर ठगी करने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। टीम ने जाचं के दौरान आरोपी की कार से मोबाइल, बैंक पासबुक समेत डेबिट और क्रेडिट कार्ड जब्त किये हैं। वहीं पुलिस मामले में आरोपी से पूछताछ कर रही है।

टीम प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि गत गुरुवार रात्रि को आरोपी विजय यादव निवासी बिचपुडी थाना टोक सदर को जयपुर-कोटा नेशनल हाईवे-52 से पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विजय लोगों को फर्जी ट्रेड लिंक बनाकर सोशल मीडिया पर भेजकर ज्यादा मुनाफे का लालच देकर ठगी करता था। मामले में आरोपी से पूछताछ के बाद थाने में सायबर ठगी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया कि अब तक वह सैकड़ों लोगों से 65 लाख रुपए की ठगी कर चुका है, जिसके खिलाफ 8 शिकायतें दर्ज हो चुकी है। पूछताछ में सामने आया कि वह लग्जरी लाइफ जीने के लिए सायबर ठगी करता है। जिसके कब्जे से प्रयुक्त की गई कार तथा बैंक पासबुक, मोबाइल और डेबिट-क्रेडिट कार्ड भी जब्त किया गया है। मामले में विजय के नेटवर्क और गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों की पूछताछ की जा रही है।

- **आरोपी की कार से मोबाइल, बैंक पासबुक समेत डेबिट और क्रेडिट कार्ड जब्त किये**
- **पूछताछ में सामने आया कि लग्जरी लाइफ जीने के लिए सायबर ठगी करता था आरोपी**

चलती ट्रेन में टीटीई ने यात्री को थप्पड़ जड़ा

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को पटना-अहमदाबाद-अजीमाबाद एक्सप्रेस में एक टीटीई द्वारा यात्री को थप्पड़ मारने की घटना सामने आई है।

मिली जानकारी के अनुसार टिकट जांच के दौरान हुई कहासुनी के बीच टीटीई ने अचानक यात्री को थप्पड़ जड़ दिया, जिससे उसके चेहरे पर चोट आ गई। घटना के तुरंत बाद कोच में मौजूद यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया और टीटीई से यात्री के इलाज के पैसे की मांग पर अड़ गए। घटना बढ़ने पर टीटीई और यात्रियों के बीच जमकर बहस हुई। आरोप-प्रत्यारोप के बीच यात्रियों ने टीटीई का घेराव कर लिया। किसी तरह बच निकलने की कोशिश में टीटीई ने खुद ही चेन पुलिंग कर ट्रेन को महावीरजी स्टेशन पर रोक दिया और स्लीपर कोच से भागकर एसी कोच में पहुंच गया। हालांकि यात्री भी उसके पीछे पहुंचे, लेकिन एसी कोच में प्रवेश नहीं कर पाए।

इसी दौरान स्टेशन मास्टर मौके पर पहुंचे और यात्रियों पर चेन पुलिंग का आरोप लगाया, जिस पर यात्रियों ने स्पष्ट किया कि चेन टीटीई ने खींची थी। करीब 10 मिनट तक हंगामे के बाद ट्रेन दोबारा रवाना हुई और सभी यात्री दौड़कर उसमें सवार हुए। मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन में ड्यूटी पर दो टीटीई तैनात थे, जबकि थप्पड़ खाने वाले यात्री के पास मान्य टिकट नहीं था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें टीटीई और यात्री के बीच तीखी बहस दिखाई दे रही है। यात्रियों ने मामले की ऑनलाइन शिकायत कोटा मंडल अधिकारियों को भेज दी है। मंडल प्रशासन ने प्रकरण की जांच कराने की बात कही है।

- **कोच में यात्रियों ने हंगामा किया और टीटीई से इलाज के पैसे की मांग पर अड़ गए**

जंगल में जुआ खेलते छह आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलावड़ा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए चल रहे अभियान के तहत रामगढ़ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए घने जंगल में चल रहे जुए के अड्डे का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से छह जनों को गिरफ्तार किया और नगदी व बाइक जब्त की है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के निर्देशन व थानाधिकारी विजेंद्र सिंह को मिली सूचना के आधार पर बनाई गई विशेष टीम ने जंगल में घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस को देखते ही जुआरियों में भगदड़ मच गई, लेकिन टीम की सतर्कता के चलते छह लोगों को मौके से ही दबोच लिया गया। पुलिस ने उनके पास से 2,06,500 नगद, ताश की गड्डियां और तीन मोटरसाइकिल जब्त की हैं। गिरफ्तार आरोपियों में सर्वेश पुत्र मनोहार महाजन निवासी गोविंदगढ़ पुष्कर, संजय पुत्र सुखाराम मीणा निवासी मंगलेशपुर, आबिद खान पुत्र मुबीन खान निवासी सीकरी, उन्नस पुत्र जबर खान निवासी कैथवाड़ा डीग और शाहिर खान शामिल हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार जंगल में लंबे समय से बड़े दांव पर जुआ खेला जा रहा था। पुलिस की इस कार्रवाई से जुआरियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध जुआ, सट्टा और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

- **पुलिस ने आरोपियों के पास से 2,06,500 की नगदी, ताश की गड्डियां और तीन बाइक जब्त की**

भीलवाड़ा : अज्ञात कुमाता ने नवजात को झाड़ियों में फेंका

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर में मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला शुक्रवार को सामने आया, जब एक अज्ञात कुमाता ने नवजात मासूम को झाड़ियों में फेंक दिया। झाड़ियों में फेंके गए इस नवजात शिशु को आवारा कुत्तों ने मौत के घाट उतार दिया। यह हृदय विदारक घटना ईएसआई हॉस्पिटल के निकट नहर के पास की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, सुबह के समय स्थानीय लोग नहर के पास से गुजर रहे थे, तभी उन्होंने एक कुत्ते को मुंह में नवजात का शव दबाए हुए देखा। यह दृश्य देखकर लोगों के होश उड़ गए। आसपास के लोगों ने कुत्ते को भगाने का प्रयास किया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर प्रतापनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने नवजात के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि किसी अज्ञात महिला ने जन्म के तुरंत बाद ही नवजात को झाड़ियों में फेंक दिया, जिसके बाद कुत्तों ने उसे नोच डाला। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ कर रही है, ताकि नवजात को फेंकने वाली महिला तक पहुंचा जा सके। इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है और लोगों ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त क़ानूनी कार्रवाई की मांग की है।

अलवर : डंपिंग यार्ड में छह माह का भ्रूण मिला

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के अरावली विहार थाना क्षेत्र में विचलित करने वाली घटना सामने आई, जब अंबेडकर नगर डंपिंग यार्ड में कचरे के बीच छह माह का भ्रूण बरामद हुआ। सफाईकर्मियों को कचरा उठाते समय साड़ी में लिपटा संदिग्ध सामान दिखाई दिया। पास जाकर देखने पर पता चला कि उसमें एक भ्रूण था। यह देखकर सफाईकर्मी घबरा गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही सब इंस्पेक्टर सोनिया दहिया के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एएसआई शंकरलाल ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और भ्रूण को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी भेजा। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि भ्रूण डंपिंग यार्ड तक कैसे पहुंचा। अरावली विहार थाना पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA
(Rawathbhata Road, Kota -324021) (Estate Cell)
NOTICE INVITING E-BID (NIB 20/2025-26)
E-Bid is invited for "Annual Rate Contract for Civil maintenance work in University campus" (Estimated cost Rs. 50.00 lacs). Further details may be obtained from http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.vmou.ac.in w.e.f. 18/12/2025. (UBN: VMU2526WSRC00023).
Raj.Samwad/C/25/15662 OIC (Estate)

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/16941 दिनांक :- 08/12/2025
ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 27/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में एए श्रेणी/ए और (योग्यतानुसार) में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई.प्रोक्योरमेन्ट प्रकिया से कुल 01 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।
उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राषि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।
निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.inportal का अवलोकन करें।
UBN विवरण :- 01. WAQ2526WLOB00285
राज.संवाद/सी/25/15658 अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम

कार्यालय नगरपरिषद झालावाड़ (राज0)
क्रमांक : न.परि.झा./SBM/2025/5040 दिनांकः 09.12.2025
-: ई-निविदा :-
(Nit No. 05/2025-26)
UBN No :-DLB2526WSOB26548
NIB Code :- DLB2526A8878
नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तिय वर्ष 2025-26 में राजस्थान के विभिन्न विभागो/निगमो/स्वायत्त शासन संस्थान/बोर्डो/राजकीय उपक्रमो के "A", "AA", श्रेणी में पंजीकृत संवेदको तथा स्वायत्त शासन विभाग राज0 के अधीन विभागो/संस्थानो/नगरपालिका/नगरपरिषद/नगर निगम में निर्धारित श्रेणी में निविदा जारी होने की दिनांक को उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से कुल 1 कार्यो हेतु निम्नानुसार निविदायें दिनांक 19/12/2025 को दोपहर 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। संवेदक द्वारा निविदा प्रपत्र एवं शर्तों का विवरण वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त किये जा सकेंगे।
आयुक्त
नगरपरिषद् झालावाड
राज.संवाद/सी/25/15693

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)
फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website - www.npkarauli.in
क्रमांक : न0परि0क0/निविदा/2025/4014 दिनांक : 08.12.2025
संशोधित ई-निविदा सूचना
नगरपरिषद करौली द्वारा आमंत्रित ई-निविदा सूचना संख्या 3937 दिनांक 03.12.2025 में वर्णित शर्त संख्या 05 एवं 16 को विलोपित करते हुए निम्न शर्ते प्रतिस्थापित की जाती है।
1. निविदा प्रपत्र शुल्क, धरोहर राशि व निविदा प्रोसेसिंग शुल्क जरिये डीडी जमा की जावेगी।
2. निविदा प्रपत्र शुल्क व धरोहर राशि का डीडी आयुक्त नगरपरिषद करौली के पक्ष में एवं निविदा प्रोसेसिंग शुल्क का डीडी मैनेजिंग डायरेक्टर, आर.आई.एस.एल. जयपुर के पक्ष मे भुगतान योग्य होना चाहिये।
3. निविदादाता को निविदा प्रपत्र शुल्क, धरोहर राशि व निविदा प्रोसेसिंग शुल्क की डीडी व निविदा से संबंधित दस्तावेजों को भौतिक रूप से दिनांक 24.12.2025 को समय 1:00 पीएम तक जमा कराया जाना अनिवार्य होगा।
4. उक्त निविदा में वर्णित दोनों कार्यो की कार्य निवारण दोष अवधि को 05 वर्ष के स्थान पर 03 वर्ष पढा जावें।

नोट :- निविदा में वर्णित शेष शर्ते यथावत रहेंगी।
आयुक्त
नगरपरिषद, करौली
राज.संवाद/सी/25/15698

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ML 12)/2025/ई-13568
ई-नीलामी विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली 2017 के अध्याय-III के तहत निम्नांकित प्लॉटो के आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
भीलवाडा	भीलवाडा	टीलो का खेडा	मेसेनरी स्टोन	5
भीलवाडा	भीलवाडा	टीलो का खेडा	मार्बल,मेसेनरी स्टोन	12
चित्तौडगढ	निम्बाहेडा	गढवाडा	मेसेनरी स्टोन (एम. सेण्ड हेतु)	3
डूंगरपुर	दोवडा	कहारी डोलवर	मेसेनरी स्टोन (एम. सेण्ड हेतु)	2
डूंगरपुर	दोवडा	कहारी डोलवर	मेसेनरी स्टोन	1
		कुल प्लॉट		23

विशेष नोट-1. प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।
DIPR/C/18343/2025 (महावीर प्रसाद मीणा) निदेशक

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)
फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com
क्रमांक : 4046 दिनांक : 09.12.2025
ई-निविदा सूचना
सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली मय डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरियड (कार्य दोष निवारण अवधि)के शहर करौली निम्न विकाय कार्य कराना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई टैण्डरिंग के माध्यमसे ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कुल निविदा कार्य 02	गुलाब बाग तिराहा से करौली इन मैरिज गार्डन तक सी0सी0 सड़क निर्माण कार्य	लक्ष्मी पैलेस से टैक्सी स्टैण्ड वाली सड़क (एनएच हाईवे) तक सीसी रोड निर्माण कार्य
निविदा की लागत	49.82 लाख	35.22 लाख
धरोहर राशि	प्रत्येक कार्य हेतु लागत का 2 प्रतिशत	
निविदा शुल्क	1000/- रूपये	1000/- रूपये
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500/-रूपये	500/-रूपये
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने/डाउनलोड की तारीख	दिनांक 10.12.2025 5:00 पीएम से 29.12.2025 समय 6:00पीएम0 तक	
ऑनलाईन निविदा फॉर्म व निविदा शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि	29.12.2025 समय 6:00 पीएम0 तक	
भौतिक रूप से निविदा शुल्क व दस्तावेज जमा कराने की अन्तिम तिथि	30.12.2025 समय 02:00 पीएम0 तक	
ऑनलाईन बिड खोलने की तारीख	30.12.2025 समय 03.00 पीएम0 पर	
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in	
कार्य दोष निवारण (डिफेक्ट लाईबिलीटी पीरियड)	05 वर्ष	
कार्य की समयावधि	03 माह	
UBN. -	DLB2526WSOB26751	DLB2526WSOB26752

राज.संवाद/सी/25/15697 सभापति नगरपरिषद, करौली आयुक्त नगरपरिषद, करौली

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
वेबसाइट : www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl
अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
वेबसाइट : www.energy.rajasthan.gov.in/avvnl
जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
वेबसाइट : www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl
सार्वजनिक सूचना
माननीय राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग के कार्यवाही अभिलेख (Record of Proceedings) दिनांक 02.12.2025 के निर्देशों के अनुपालन में यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि याचिकाकर्त्ताओं जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जयपुरः अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, अजमेरः एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जोधपुर द्वारा राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड एवं समस्त सोलर पावर डवलपर्स के खिलाफ माननीय राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग के समक्ष याचिका संख्या RERC/2367/2025 दायर की गई है। यह याचिका विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 62 (a), धारा 86 तथा धारा 94(1)(f) तथा RERC (कार्य का सम्पादन) विनियम, 2021 के विनियम 19 एवं 21 के अंतर्गत दायर की गई है, जिसमें PM-KUSUM योजना के अंतर्गत सोलर पीवी पावर प्लांट के लिए अनुमोदित स्तरित (Levelized) टैरिफ की पुनः समीक्षा तथा अनुच्छेद 12 (कानून में परिवर्तन - Change in Law) एवं अनुच्छेद 12.2 (कानून में परिवर्तन पर राहत) के अनुसार पावर परचेज एग्रीमेंट के प्रावधानों के तहत Change in Law घटनाओं के कारण क्षतिपूर्ति/समायोजन हेतु स्तरित टैरिफ के निर्धारण का अनुरोध किया गया है।
याचिका की प्रतियाँ निरीक्षण/अवलोकन हेतु तथा 100 रू के भुगतान पर विक्रय के लिए आयोग कार्यालय में तथा निम्न स्थानों पर उपलब्ध हैं:
1. जयपुर डिस्कॉम का मुख्य कार्यालय- विद्युत भवन, जन पथ, ज्योति नगर, जयपुर।
2. अजमेर डिस्कॉमत का मुख्य कार्यालय- अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, विद्युत भवन, पंचशील नगर, माकरवाली रोड, अजमेर।
3. जोधपुर डिस्कॉम का मुख्य कार्यालय- जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, न्यू पावर हाउस, बसनी, जोधपुर।

याचिका एवं दिनांक 02.12.2025 के कार्यवाही अभिलेख (Record of Proceedings) निगमों की वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, www.energy.rajasthan.gov.in/avvnl, www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl पर तथा राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग की वेबसाइट www.rerc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।
प्रतिवादी यदि उत्तर दाखिल करना चाहे, तो वे अपने उत्तर सहायक विवरणों तथा आरईआरसी (कार्य का सम्पादन) विनियम, 2021 के प्रपत्र-3 में शपथ-पत्र सहित प्राप्ति अधिकारी आरईआरसी, विनियामक भवन, सहकार मार्ग, जयपुर-302001 के समक्ष दाखिल कर सकते हैं, ताकि उक्त उत्तर की प्रति प्राप्ति अधिकारी तथा याचिकाकर्ताओं को 12.01.2026 तक प्राप्त हो जाएँ, जैसा कि माननीय राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग की दिनांक 02.12.2025 की कार्यवाही अभिलेख में निर्देशित किया गया है।
राज.संवाद/सी/25/15627 जेपीआर 3098 (2025) अधीक्षण अभियंता (रेगुलेशन)

नवाचार ही अर्थव्यवस्था व सामाजिक विकास के इंजन : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 333 स्टार्टअप्स को10.79 करोड़ रुपये की फंडिंग बांटी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 'नवाचार दिवस-स्टार्टअप कॉन्क्लेव' समारोह में प्रतिभगियों का उत्साहवर्धन किया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नवाचार की शुरूआत जिज्ञासा से ही होती है और तेज गति से बदलती दुनिया में नवाचार ही हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे समाज के विकास का सच्चा इंजन है। उन्होंने कहा कि युवाओं के आगे बढ़ने से ही देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। यह सुखद है कि आज राजस्थान के युवा तकनीक में नाम कमा रहे हैं। शर्मा शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 'नवाचार दिवस-स्टार्टअप कॉन्क्लेव' समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आईटी क्षेत्र में की गई पहलों, डिजिटल गवर्नेंस से संबंधित सुधारों और हर जिले में नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता से आज राजस्थान तकनीकी प्रगति का नया अध्याय लिख रहा है। उन्होंने कहा कि आईस्टार्ट राजस्थान के माध्यम से अब तक 7 हजार 200 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हो चुके हैं, जिनमें एक हजार करोड़ से अधिक का निवेश आया है। इनमें 42 हजार 500 से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। ये स्टार्टअप न केवल उभरते उद्योगों को प्रोत्साहित करेंगे, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेंगे।

शर्मा ने कहा कि स्टार्टअप शुरू करने में महिलाएं बढ़ चढ़कर आगे आ रही हैं। आईस्टार्ट पर पंजीकृत होने वाले स्टार्टअप में से 2 हजार 600 से अधिक स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाएं तथा 288 स्टार्टअप का नेतृत्व हमारे युवा विद्यार्थी कर रहे हैं। आईस्टार्ट पर पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या बढ़कर 1 लाख 16 हजार से ऊपर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि सफल स्टार्टअप नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ ही राजस्थान के युवाओं को बड़ी संभावनाओं वाले क्षेत्रों में ग्लोबल लीडर बनने में मददगार साबित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने 2025-26 के बजट में राजस्थान डिजिफेस्ट के लिए 15 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है तथा टाई ग्लोबल समिट के सहयोग से जनवरी 2026 में जयपुर में इस डिजिफेस्ट का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस इनोवेशन डे से आगामी राजस्थान डिजिफेस्ट 2026 के लिए एक सशक्त मंच तैयार हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राजस्थान डिजिफेस्ट भारत के सबसे बड़े नवाचार सम्मेलनों में से एक होगा। इसमें 10 हजार से अधिक प्रतिभागी, 500 से अधिक निवेशक, 300 प्रदर्शक, 200 वक्ता, 100 सत्र और 100 स्टार्टअप पिच शामिल होंगी।

शर्मा ने कहा कि हमने स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने, इनक्यूबेशन सेंटर्स स्थापित करने और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कई नीतियां और कार्यक्रम शुरू किए हैं। नई तकनीक में अवसर सृजित करने के लिए अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सेलरेटर स्थापित कर रहे हैं। एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी के तहत हमनें एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं।

स्टार्टअप फाउंडर्स और युवाओं के कौशल संवर्धन के लिए लर्न, अर्न एंड प्रोग्रेस (लीप) प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में तीन सेंटर फॉर एडवांस्ड स्किलिंग स्थापित किए जा रहे हैं। स्टेट स्किल पॉलिसी के तहत 2 साल में डेढ़ लाख युवाओं को प्रशिक्षण देने पर काम कर रहे हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट जैसी हमारी पहलों से निवेशकों का भरोसा काफी मजबूत हुआ है। गत वर्ष आयोजित इस समिट में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू हुए और उनमें से 8 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट धरातल पर आने लगे हैं। इस समिट से एक तेजी से उभरते निवेश गंतव्य के रूप में राजस्थान की स्थिति और मजबूत हुई है। हमने पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियों का लक्ष्य रखा है और इसी दिशा में हमने अब तक 92 हजार युवाओं को नियुक्तियां प्रदान की हैं तथा इसी माह में ही लगभग 20 हजार युवाओं को नियुक्तियां प्रदान की जाएंगी। साथ ही, निजी क्षेत्र में भी हमारी सरकार ने ढाई लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं। युवाओं के विकास के लिए नवीन युवा पॉलिसी भी लाने जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान नवाचारों की खान है। वर्ष 2030 तक हम प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की इकॉनोमी बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। प्रदेश में अक्षय ऊर्जा के साथ ही ऊर्जा भंडारण, वेस्ट टू एनर्जी, पर्यटन, खनन ऑटोमोबाइल और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। हमने दो दर्जन से अधिक नई नीतियां बनाई हैं जिससे विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करना आसान हुआ है।इस दौरान सूचना, प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश की सोच भी बदली है। इनोवेशन ही विकसित भारत का सबसे बड़ा इंजन है और इस इंजन का टर्बोचार्जर राजस्थान में होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में राज संपर्क 2.0 और ई-मित्र हर गांव को सरकार से जोड़ रहे है। हमारी सरकार पहली बार डेटा सेंटर की पॉलिसी लेकर आई है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने 333 चयनित स्टार्टअप्स को 10.79 करोड़ रुपये की फंडिंग का चैक सौंपा। कार्यक्रम में राजस्थान डिजिफेस्ट के टीजर एवं डिजिफेस्ट हैकाथॉन का रिमोट का बटन दबाकर लोकार्पण भी किया गया। इस दौरान थ्रिलोफिलिया की कॉ-फाउंडर एवं सीईओ श्रीमती चित्रा गुरनानी डागा तथा रीठिप के फाउंडर एवं सीईओ श्री तुषार सुहालका ने अपने अनुभव साझा करते हुए राज्य सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार जताया।

समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, सूचना, प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर, सूचना, प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता, डाटा इंजीनियर्स ग्लोबल के संस्थापक अजय डाटा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में युवा उद्यमी उपस्थित रहे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को लोकभवन जयपुर में एयर मार्शल, कमांडिंग इन चीफ साउथ वेस्टर्न एयर कमांड नागेश कपूर ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने सीमा क्षेत्रों के विकास और सैनिक कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर राज्यपाल से संवाद किया।

जे.डी.ए. ने नवीन अवैध कॉलोनी पूर्णत: ध्वस्त की

उप महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी ने निरीक्षण किया

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-12 में कालवाड रोड, जोबनेर रोड, मण्डा भोपावास, टोंक रोड, गोपालपुरा बाईपास, जिला जयपुर शहर में ओचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण पर 3 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णत: ध्वस्त किया गया।

उप महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी द्वारा कालवाड रोड़, जोबनेर रोड़, मण्डा भोपावास, टोंक रोड, गोपालपुरा बाईपास, जिला जयपुर शहर में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण पर 3 नवीन अवैध कॉलोनियों के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। निरीक्षण के दौरान मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन, उपनियंत्रक प्रवर्तन प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा प्रवर्तन अधिकारी जोन-12, 02, 09, 13 भी उपस्थित रहे। निरीक्षण करने पर ठाम सरना डूंगर, जिला जयपुर में मंदिर माफी की करीब 16 बीघा भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाई जाने पर उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में आज प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया गया।

ग्राम कालवाड़ रोड़ जिला जयपुर में जोबनेर रोड़ कालवाड़ बस स्टेण्ड पर करीब 11 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बसाई जा रही नवीन अवैध कॉलोनी को पूर्व में दो बार ध्वस्त किया गया था। उक्त कृषि भूमि पर पुन: बनाई गई मिट्टी-ठोवल सड़कें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाई जाने पर उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते जेसीबी मशीन की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही पुन: ध्वस्त किया गया।

ग्राम मण्डा, भोपावास, कालवाड़ रोड जिला जयपुर में करीब 40 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवाए भूमि को समतल कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयोजनार्थ मिट्टी डाली जा रही थी, जिसे मौके पर ही उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा प्रारिम्भक स्तर पर ही रूकवाया गया। नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-12, 02, 11, 09, 13 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2025 में 370 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनियों बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

जयपुर पुलिस का ऑपरेशन वज्र : 26.50 लाख रुपये के 123 मोबाइल ट्रेस किए

■ साइबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान

जयपुर। पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित ऑपरेशन वज्र प्रहार 2.0 के तहत जयपुर पश्चिम पुलिस की कार्रवाई लगातार तेज बनी हुई है। जहां साइबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में नवंबर माह में उल्लेखनीय सफलता मिली। जिले में विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन ठगी के मामलों में 123 मोबाइल फोन ट्रेस कर रिकवर किए गए। जिनकी कीमत करीब 26.50 लाख रुपये आंकी गई है।

इसी अवधि में साइबर फ्रॉड के मामलों में पीड़ितों के खातों में 27.15 लाख रुपये वापस जमा कराए गए, जबकि साइबर अपराधियों के खातों में फंसे 1.49 करोड़ रुपये होल्ड करवाए गए हैं। इसके अलावा पुलिस थाना विश्वकर्मा व बनीपार्क थाने मे दो मुकदमे दर्ज कर पांच आरोपियों सहित छह को 170 बीएनएस मे गिरफतार किया गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया एसीपी साइबर सेल व तकनीकी टीम लगातार मॉनिटरिंग और ट्रेसिंग पर काम कर रही है। इसके चलते विश्वकर्मा थाना इलाके में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित रवि शंकर और विनोद मीणा द्वारा ढाई हजार रुपये की दुकान किराए पर लेकर इन आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। जहां पर पुलिस को तलाशी के दौरान दौलतमंद बनने की किताब मिली। जब आरोपित रवि से इस बारे में पूछताछ की गई तो सामने आया कि उसे जल्दी से पैसे वाला बनना था। जिसके लिए उसने उसके खाते और अन्य लोगों के खातों में साइबर अपराध का पैसा मंगवाता था और उन पैसों को सट्टेबाजी एप में लगा देता था। दोनों के खिलाफ साइबर फ्रॉड से जुड़े साक्ष्य मिले हैं।

हाईकोर्ट बार के सोगरवाल अध्यक्ष, दीपेश महासचिव निर्वाचित

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में राजीव सोगरवाल अध्यक्ष पद पर विजयी हुए। उन्होंने निवर्तमान अध्यक्ष महेन्द्र शांडिल्य को 532 मतों से हराया। सोगरवाल ने 1741 मत हासिल किए, जबकि शांडिल्य को 1209 मतों से संतोष कराना पड़ा। वहीं महासचिव पद पर दीपेश शर्मा ने रिकॉर्ड 2748 मतों से जीत दर्ज की।

इसी तरह उपाध्यक्ष के दो पदों पर अनुराग कलावटिया और सुनील शर्मा ने जीत दर्ज की। इसके अलावा कोषाध्यक्ष पद पर प्रीति शर्मा, पुस्तकालय सचिव के पद पर बॉबी दत्ता, संयुक्त सचिव पद पर हिमांशी मीणा, संयुक्त पुस्तकालय सचिव के पद पर प्रज्ञा पांडे और सांस्कृतिक सचिव पद पर उपासना आर्य विजयी हुई। इसके अलावा कार्यकारिणी के आठ पदों पर कुलदीप शर्मा, शुभम जैन, अनुश्री अठावाल, सौरभ तिवाडी, अजय सिंह राजावत, नरेन्द्र पारीक, दुष्यंत सिंह नरूका और देवेन्द्र शर्मा निर्वाचित हुए।

दूसरी तरफ दी बार एसोसिएशन, जयपुर के वार्षिक चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ। कुल 4566 मतदाताओं में से 4119 वकीलों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव में अध्यक्ष पद पर 7, उपाध्यक्ष के दो पदों पर 5, महासचिव पद पर 8 और संयुक्त सचिव पद पर 6 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। चुनाव संपन्न कराने के लिए करीब 250 वकीलों की टीम बनाई गई थी और सीसीटीवी की निगरानी में चुनाव प्रक्रिया पूरी हुई। मतों की गणना शनिवार को की जाएगी।

राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव परिणाम में राजीव सोगरवाल अध्यक्ष तथा दीपेश शर्मा महासचिव बने।

भारत मंडपम में दो दिवसीय इंटरनेशनल जनमंगल सम्मेलन

नई दिल्ली के भारत मंडपम में दो दिवसीय इंटरनेशनल जनमंगल सम्मेलन'में योग और उपवास के दो प्रसिद्ध संतों योग ऋषि स्वामी रामदेव और जैन संत अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज का केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने आशीर्वाद प्राप्त किया।

नई दिल्ली। भारत मंडपम में दो दिवसीय ''इंटरनेशनल जनमंगल सम्मेलन'' आयोजित किया गया जिसमें योग और उपवास के दो प्रसिद्ध संतों - योग ऋषि स्वामी रामदेव महाराज और जैन संत अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के दिव्य मार्गदर्शन में, एक जन आंदोलन ''हर मास - एक उपवास'' (हर महीने 7 तारीख को एक बार उपवास) शुरू किया गया। यह द्वि-दिवसीय सम्मेलन 4 सत्रों में ''जनमंगल की सम्यग्दृष्टि -उपवास, ध्यान, योग व स्वदेशी चिंतन'' पर केन्द्रित है। दोनों युग-पुरूषों ने जनमंगल के लिए ''हर मास एक उपवास'' महाभियान से मानवता को समस्त सिद्धिदायक महामंत्र देने का संकल्प किया है। इस आंदोलन से देश के प्रमुख संतगण, राजनेता तथा विख्यात हस्तियों के साथ-साथ दुनिया भर में लाखों लोग जुड़ चुके हैं।

सम्मेलन का अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला ने कहा भारत मण्डपम की यह भूमि आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विज्ञान का अद्भुत साक्षी बन रहा है। पूज्य अंतर्मना ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में धर्म, अध्यात्म, संस्कृति, विज्ञान, वैयक्तिक विकास व आत्म विकास के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इनका तप-तपस्या अद्भुत है। यह आयोजन अध्यात्म और कर्मयोग का दिव्य संगम है जो निश्चित ही देश व दुनिया को नया संदेश देगा। देश की राजधानी दिल्ली से देश को संदेश जाएगा और देश से दुनिया तक यह बात पहुँचेगी। जहां एक ओर आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज आध्यात्मिक ज्ञान का दर्शन देकर आत्म विकास का मार्ग बता रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर स्वामी रामदेव जी महाराज कर्मयोग, भारतीय शिक्षा, स्वदेशी जीवन और योग विज्ञान के माध्यम से देश व दुनिया को स्वास्थ्य प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने एक माह-एक उपवास का संकल्प लेते हुए कहा कि मैं भी माह में एक बार उपवास करूंगा।

कार्यक्रम में अंतर्मना प्रसन्न सागर महाराज ने कहा कि उपवास आत्मिक ऊर्जा को जगाने वाला दिव्य साधन है। उपवास का उद्देश्य तन, मन व आत्मा को शुद्ध करना है। उपवास तन की स्वच्छता, मन के परिशोधन, जीवन के पुनर्गठन व जीवन के उत्थान का सर्वोत्तम साधन है। उपवास के दौरान भावनाएँ नियंत्रित होती हैं, क्रोध घटता है, मन शांत होता है और ध्यान गहरा होता है। व्यक्ति नकारात्मक विचारों से मुक्त होकर सकारात्मकता और मानसिक स्थिरता का अनुभव करता है। अंतर्मना ने कहा कि उपवास आत्मा का भोजन है जो साधक को आसक्ति से मुक्त करता है। उन्होंने कहा कि उपवास का प्रभाव केवल शरीर तक सीमित नहीं रहता, यह मन पर भी गहरा प्रभाव डालता है।

सम्मेलन में स्वामी रामदेव ने कहा कि हर मत, पंथ, परम्परा, धर्म, अनुष्ठान और शुभ प्रसंग में उपवास का समान रूप से प्रावधान और महत्व है। उपवास से शरीर, मन और अंत:करण की शुद्धि होती है जिससे मनुष्य जीते जी जीवन से मुक्त हो जाता है। उपवास से मनुष्य सहज योग व सहज समाधि को उपलब्ध हो जाता है। उन्होंने बताया कि आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज ने 557 दिवस तक निरंतर तथा अपने जीवनकाल में अभी तक 18 वर्ष उपवास करके (और अब तक 3500 से ज़्यादा उपवास सिद्ध कर के) ''उपवास शिरोमणी'' की प्रतिष्ठा प्राप्त की है।

जैन मुनि पीयूष सागर जी महाराज ने उपवास स्वस्थ जीवन का आधार है। उपवास करने से प्रतिरोधक क्षमता अवश्य बढ़ जाती है।

आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य है कि आज दिव्य संतगणों के मध्य उपस्थित रहने का अवसर मिला। उन्होंने स्वयं उपवास करते हुए 10-10 लोगों को उपवास के लिए प्रेरित करने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि स्वामी रामदेव जी महाराज से हमने ही नहीं पूरे विश्व ने योग, प्राणायाम, आयुर्वेद के ज्ञान सीखा है। सुप्रसिद्ध लिवर विशेषज्ञ डॉ. एस. के. सरीन ने उपवास के वैज्ञानिक पक्ष को सामने रखा।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने 2024 बैच के प्रोबेशनर आईएएस से प्रेरक संवाद किया

सुशासन, संवेदना और तकनीक आधारित प्रशासन पर दिया जोर

पुलिस मुख्यालय जयपुर में डी.जी.पी. राजीव कुमार शर्मा ने 2024 बैच के प्रोबेशनर भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों से संवाद करते हुए उन्हें आधुनिक, उत्तरदायी और जन केंद्रित प्रशासन का मूल मंत्र दिया।

जयपुर। पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने 2024 बैच के प्रोबेशनर भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों से संवाद करते हुए उन्हें आधुनिक, उत्तरदायी और जन केंद्रित प्रशासन का मूल मंत्र दिया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर तेजी से बदल रहा है-चुनौतियाँ भी नई हैं और समाधान भी। सुशासन, पारदर्शिता और तकनीक-इन्हीं तीन स्तंभों पर भविष्य का प्रशासन खडा है।

डीजीपी शर्मा ने अधिकारियों को कानून-व्यवस्था से जुडे प्रशासनिक समन्वय, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, सामाजिक संवेदनशीलता तथा जनता से संवाद की रणनीतियाँ साझा कीं। उन्होंने सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग, नेतृत्व क्षमता और नैतिक आचरण को प्रभावी प्रशासन की अनिवार्य शर्त बताया। डीजीपी शर्मा ने कहा कि आप शासन व्यवस्था की वह नई पीढ़ी हैं, जो विकास, सुशासन और संवेदनशील प्रशासन को नई दिशा देगी। हर निर्णय में ईमानदारी, संवेदना और जनहित को सर्वोपरि रखें।

वरिष्ठ अधिकारियों का भी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन

इस मौके पर डीआईजी सीबी दीपक भार्गव ने राजस्थान पुलिस ऑर्गेनाइजेशन की संरचना, कार्यप्रणाली और प्रशासनिक सहयोग की प्रक्रियाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी।आईजी एसएसबी अंशुमान भोमिया ने डीएम-एसपी समन्वय की महत्ता, कानून-व्यवस्था प्रबंधन में परस्पर सहयोग की भूमिका और जिला प्रशासन-पुलिस प्रशासन के बीच निर्बाध प्रणाली के उदाहरण साझा किए।

वहीं आईजी कानून-व्यवस्था अनिल टांक ने राजस्थान की विशिष्ट परिस्थितियों, भौगोलिक चुनौतियों, जनजातीय क्षेत्रों, सीमावर्ती जिलों और सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता के संदर्भ में प्रशासनिक दृष्टिकोण पर विचार रखे।

संवाद के दौरान प्रोबेशनर आईएएस अधिकारियों ने भी अपने प्रश्न रखे, जिनका वरिष्ठ अधिकारियों ने समाधानात्मक उत्तर दिया। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अकादमी में प्रशिक्षण लिया

इससे पहले आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अंतर्गत आरपीए जयपुर में भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की, जहां उन्हें प्रिवेंटिव एक्शन, निरोधात्मक कार्यवाही, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, हथियार एवं विस्फोटक संबंधी कानून, कारागार एवं बंदी प्रबंधन, एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम तथा पुलिस अभियोजन एवं न्यायिक प्रक्रियाओं की समठा जानकारी दी गई।

इस सत्र ने न केवल उनके प्रशासनिक दृष्टिकोण को मजबूत किया, बल्कि राज्य की कानून-व्यवस्था की जटिलताओं और पुलिसिंग संरचना की बारीकियों को समझने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एथेनॉल फैक्टरी का विरोध जारी, चौथे दिन भी टिब्बी में इंटरनेट बंद

फैक्टरी के विरोध में बवाल के बाद 17 को होगी महापंचायत, किसान नेता राकेश टिकैत आएंगे

हनुमानगढ़, (निसं)। यहां टिब्बी में ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड की फैक्टरी का विरोध जारी है। चौथे दिन शुक्रवार को भी टिब्बी में इंटरनेट बंद है।

किसान नेता जगजीत सिंह जग्गी ने बताया कि अखिल भारतीय किसान सभा व संयुक्त मोर्चे के बैनर तले एथेनॉल फैक्टरी के विरोध में 17 दिसंबर को महापंचायत होगी। इसमें किसान नेता राकेश टिकैत सहित पंजाब, हरियाणा, यूपी से तमाम बड़े नेता आएंगे। शुक्रवार को टिब्बी स्थित गुरुद्वारे में कोर कमेटी के सदस्यों की मीटिंग बुलाई गई। किसानों ने कहा कि जब तक हनुमानगढ़ के कलैक्टर-एसपी का तबादला नहीं हो जाता, तब तक प्रशासन से वार्ता नहीं करेंगे।

उपद्रव मामले में 107 लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। 40 लोग हिरासत में लिए जा चुके हैं। बुधवार को किसानों ने जिले के राठीखेड़ा गांव में निर्माणाधीन ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड फैक्टरी की दीवार तोड़ दी थी। अंदर घुसे प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस में भी आग लगा दी थी। इस बीच पुलिस-किसानों में जमकर पत्थरबाजी हुई। बवाल में कांग्रेस विधायक सहित 70 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। कुछ घायल टिब्बी के गुरुद्वारे में ही रुके हैं। फैक्टरी के आसपास रहने वाले करीब 30 परिवार घर छोड़कर भाग गए हैं।

- **किसानों ने कहा कि जब तक हनुमानगढ़ के कलैक्टर-एसपी का तबादला नहीं हो जाता, तब तक प्रशासन से वार्ता नहीं करेंगे**

किसान नेता जगजीत सिंह जग्गी ने कहा कि एडीजी लगातार बयान दे रहे हैं कि किसानों ने उपद्रव फैलाने का प्रयास किया और कानून व्यवस्था संभालना हमारा जिम्मा है। मैं एडीजी साहब से पूछना चाहता हूं कि कानून व्यवस्था संभालना आपका जिम्मा है, लेकिन गोली मारना आपका अधिकार है क्या, हमारे पास ऐसे कई बुलेट हैं, जो हमें मिले हैं। हमारे पास रिकॉर्डिंग भी है, जिसमें एक एसआई कह रहा है कि इन्हें गोली मार दो। मैं एडीजी साहब से कहना चाहता हूं कि वे फैक्टरी के डायरेक्टर नहीं बनें।

किसान नेता रमेश भादू ने कहा कि यह आंदोलन गुरुद्वारे से चलता है और हमारा ऑफिस गुरुद्वारा है। आंदोलन को चलाने वाले लोग अलग हैं और बात करने वाले अलग हैं। यह आंदोलन तब तक नहीं रुकेगा, जब तक यह फैक्टरी यहां से हट नहीं जाती। किसान नेता रवजोत सिंह ने कहा कि 10 दिसंबर को हुई घटना में महिलाओं को बाल पकड़कर घसीटा गया। छोटे-छोटे बच्चों को बेरहमी से पीटा गया। ये बच्चे 5 से 15 साल के थे। पुलिसवालों को दया नहीं आई।

रवजोत सिंह ने कहा कि आंदोलन में आए लोगों के साथ पुलिस ने इतनी बर्बरता की कि आज वे अपने घरों को ताला लगाकर अपने रिश्तेदारों के पास चले गए हैं। यहां से पलायन हो चुका है और घरों पर ताले लग गए हैं। एडीजी साहब बताएं कि ऐसा माहौल बनाने का क्या कारण रहा?

सादुलशहर विधायक गुरवीर सिंह बराड़ ने बताया कि किसानों की सभी बात सुनी है। शुक्रवार को भी प्रशासन के साथ बैठकर किसानों की मांगों का कैसे समाधान हो सकता है, इसे लेकर चर्चा की गई। किसानों की कमेटी के 15 मेंबर होंगे। इसके साथ ही प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहेंगे और जनहित में फैसला लेंगे। अधिकारियों की लापरवाही पर वे बोले कि सीएम ने इस बात को संज्ञान में लिया है। जो भी फैसला होगा, वो जनता के हित में होगा।

घायल 40 पुलिसकर्मियों में 12 हनुमानगढ़ रेफर किए गए :- हनुमानगढ़ सीएमएचओ मांगीलाल छिम्पा के अनुसार अब तक मामले टिब्बी के सरकारी हॉस्पिटल में 11 दिसंबर को 40 घायल पुलिसकर्मी भर्ती हुए थे। इनमें से 12 को हनुमानगढ़ रेफर कर दिया गया था। इसके अलावा 12 सिविलियन भर्ती हुए थे, जिनमें से 5 हनुमानगढ़ रेफर किए गए और 5 को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

टिब्बी पहुंचे एडीजी वीके सिंह ने कहा कि 10 दिसंबर को सबकुछ शांति से चल रहा था। बाहरी लोगों ने इस उपद्रव को भड़काया। इधर, अखिल भारतीय किसान सभा के जिला महासचिव मंगेज चौधरी ने कहा कि पुलिस के हथियार जंग लगे थे, नहीं तो ये सैकड़ों लोगों की जान ले लेते। उन्होंने कहा कि 17 दिसंबर को किसान कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे।

मामले को लेकर जोगाराम पटेल ने कहा कि यह पूरी घटना प्रायोजित थी। यह किसानों का आंदोलन नहीं था, आंदोलन करवाया गया। राजस्थान के बाहर से आए करीब एक हजार लोगों ने फैक्टरी में हिंसा की थी। उन्होंने कहा कि सरकार वार्ता के लिए तैयार है। कानून सम्मत जो भी बातें होगी, वो मानी जाएंगी। कानून को हाथ में लेने का प्रयास नहीं करें। ऐसा होने पर सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जो भी जरूरी कदम होंगे उठाएगी।

एथेनॉल फैक्टरी हटाओ संघर्ष समिति के सदस्य रवजोत सिंह ने कहा कि प्रशासन ने बसों को खुद सुरक्षित नहीं रखा और आग प्रशासन की लापरवाही या प्रायोजित कारणों से लगी, क्योंकि जब प्रदर्शनकारी पहुंचे ही नहीं थे, उससे पहले आग लग गई। उन्होंने कहा है कि 20 हजार लोग 3 घंटे कलैक्टर का इंतजार करते रहे। डीएसपी लगातार '5 मिनट में आ रहे हैं' कहकर टालते रहे। कलैक्टर आए ही नहीं। यह आंदोलन को बदनाम करने की सोची-समझी कोशिश थी। रवजोत सिंह ने कहा कि प्रशासन ने शांतिपूर्ण आंदोलन को गलत तरह से दिखाया। आंदोलन 3 किलोमीटर दूर शांतिपूर्ण था। इसके बावजूद प्रशासन ने इसे उग्र दिखाने की कोशिश की भीड़ को भड़काने वाली कार्रवाई खुद प्रशासन ने की। जनता ने नहीं। पुलिस और प्रशासन ने अत्याचार किए। 70 से ज्यादा लोग घायल हैं। महिलाओं के साथ पुलिस ने दुर्व्यवहार किया। ज्यादातर लेडी पुलिस भी नहीं थी।

अखिल भारतीय किसान सभा के जिला महासचिव मंगेज चौधरी ने कहा कि जो घटनाक्रम हुआ यह सिर्फ कलैक्टर की अनदेखी के कारण हुआ है। यह कलैक्टर की कंपनी मालिक के साथ आर्थिक सेटिंग को दर्शाता है। हम वार्ता का इंतजार ही करते रहे। जब किसान फैक्टरी की ओर बढ़ रहे थे तो पुलिस ने लाठियां बरसाईं। पुलिस के हथियार जंग लगे थे, नहीं तो सैकड़ों किसान को मौत के घाट उतार देते। उन्होंने बताया 17 दिसंबर को कलैक्ट्रेट का घेराव करेंगे।

कपड़े की दुकान में चोरी करते महिलाओं को पकड़ा

सास-बहू, ननद-भाभी मिलकर करती थी चोरियां

पुलिस ने दुकानों में कपड़े चोरी करने के मामले में महिलाओं को पकड़ा।

चिड़ावा, (निसं)। कस्बे में रंगे हाथ कपड़े की दुकान में चोरियां करते पकड़ी गई महिलाएं काफी शातिर निकली। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार पांचों महिलाएं आपस में ही रिश्तेदार हैं। इनमें दो महिलाएं आपस में सास-बहू हैं तो दो महिलाएं आपस में ननद-भाभी है। सारी महिलाएं एक साथ आई और प्लान के साथ कपड़े की दुकान से माल पार किया। इस प्लान में शामिल एक नाबालिग को माल देकर पार तक कर दिया। पुलिस महिलाओं से पूछताछ कर रही है, जिनसे और भी चोरियों के खुलासे हो सकते हैं।

- **पकड़ी गई महिलाएं मकराना सहित अन्य इलाकों में वांटेड बताई जा रही है**

जानकारी के अनुसार चिड़ावा कस्बे की खेतड़ी रोड पर एक दुकान पर ये महिला दो बार में घुसी। दुकान की महिला सेल्समैन से नजरे बचाकर उन्होंने कपड़े चुराए और दूसरे शिकार की तलाश में चिड़ावा की पुरानी तहसील रोड पर आ गई, लेकिन पहले जिस दुकान से चोरी की, उसके दुकानदार को शक हुआ। उसने सीसीटीवी देखे तो एक महिला कपड़े चुराते हुए दिखी, जिसने पीछा कर इन महिलाओं को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस ने इस मामले में कोटपुतली बहरोड़ के सदर बहरोड़ थाना इलाके के जखराना निवासी 40 वर्षीय अंगुरी उर्फ लगुड़ी पत्नी सुभाष चौहान बावरिया, इसी गांव की 61 वर्षीय सुनेहरी देवी उर्फ सुनेरी पत्नी राजाराम उर्फ प्रमो चौहान बावरिया, 46 वर्षीय ग्यारसी उर्फ ग्यारसो पत्नी नरेन्द्र कुमार बावरिया, हरियाणा के पलवल जिले के हसनपुर थाना क्षेत्र के भैण्डोली गांव निवासी 32 वर्षीय बबिता पत्नी रवि बावरिया तथा महेंद्रगढ़ जिले के थाना सदर महेंद्रगढ़ के पाली निवासी 61 वर्षीय कृष्णा देवी पत्नी रतिराम बावरिया को गिरफ्तार किया। पूछताछ में चुराए गए सामान के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि उनके साथ शामिल आरोपी महिला के भतीजे को चुराने के बाद सामान दे दिया था, जिसकी भी पुलिस तलाश कर रही है। यह भतीजा नाबालिग बताया जा रहा है। इनमें एक आरोपी पर पहले से चोरी के चार मामले दर्ज हैं। ये महिलाएं मकराना सहित अन्य इलाकों में वांटेड बताई जा रही है।

चार करोड़ की सायबर ठगी का इनामी आरोपी गिरफ्तार

बूंदी की सायबर पुलिस ने 10 हजार रुपए के इनामी अंतरराज्यीय सायबर ठग विशाल मोमतिया को गिरफ्तार किया

बूंदी, (निसं)। बूंदी की सायबर पुलिस ने 10 हजार रुपए के इनामी अंतरराज्यीय सायबर ठग विशाल मोमतिया को गिरफ्तार किया है। आरोपी विशाल मोमतिया उर्फ विशाल नामा उर्फ विष्णु लगभग चार करोड़ रुपए की सायबर धोखाधड़ी के एक मामले में पिछले 10 महीने से फरार चल रहा था। ऑपरेशन सायबर वज्र प्रहार 2.0 के तहत यह कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपी विशाल मोमतिया कोटा के छावनी क्षेत्र का निवासी है। उस पर राजस्थान सहित नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, बृहन मुंबई, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, गुजरात, ओडिशा, तमिलनाडु और झारखंड जैसे विभिन्न राज्यों के लोगों से

आरोपी विशाल मोमतिया

करीब 4 करोड़ रुपए की सायबर ठगी करने का आरोप है। इस मामले में पुलिस ने पहले ही उसके दो सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया था। कार्यवाही करने वाली टीम में सायबर थाना प्रभारी ओम प्रकाश, सहायक उप-निरीक्षक श्याम सुन्दर, मुकेन्द्रपाल सिंह, हैड कानि भोजेन्द्र सिंह, कानि शैलेन्द्र सिंह, राहुल, सुभाष, गोकुल, वाहन चालक लालसिंह, गुमानपुरा थाना कानि जुगल किशोर शामिल है।

- **आरोपी पर राजस्थान सहित दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों के लोगों से करीब 4 करोड़ की ठगी करने का आरोप है**

जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने आमजन से अपील कि है की सायबर ठगों द्वारा वर्तमान समय में नये-नये तरीके अपनाकर सायबर ठगी की जा रही है। किसी भी परिचित, अज्ञात व्यक्ति द्वारा दिये गये किसी भी प्रकार के प्रलोभन में न आकर अपना बैंक खाता, मोबाईल अथवा सोशल मीडिया हैंडलिंग, ऑपरेटिंग उपकरण तथा अपने निजी दस्तावेज शेयर नही करें। सायबर ठगी के शिकार हो जाने पर तुरंत सायबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर अपनी शिकायत दर्ज कराये एवं नजदीकी पुलिस थाना, सायबर थाना पर संपर्क करें।

कूनो से भटके चीते केपी-2 को अर्जुनपुरा में पकड़ा

जयपुर। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से भटककर राजस्थान पहुंचे चीता केपी-2 को 15 दिन की लगातार निगरानी के बाद शुक्रवार को सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया। कूनो की विशेष टीम ने किशनगंज क्षेत्र के अर्जुनपुरा गांव के पास घूम रहे चीते को ट्रेंकुलाइज कर पिंजरे में सुरक्षित किया और वापस कूनो नेशनल पार्क के लिए रवाना हो गई।

- **कूनो की विशेष टीम ने किशनगंज क्षेत्र के अर्जुनपुरा गांव के पास घूम रहे चीते को ट्रेंकुलाइज कर पिंजरे में सुरक्षित किया और वापस कूनो नेशनल पार्क के लिए रवाना हो गई।**
- **विशेषज्ञों का कहना है कि इतने दिनों तक इस क्षेत्र में चीते केपी-2 का सुरक्षित रहना यहां के वन्यजीव अनुकूल वातावरण का संकेत है**

करीब 16 दिनों से 2 रामगढ़ कंजर्वेशन रिजर्व और आसपास के पहाड़ी इलाकों में घूम रहा था। पिछले कुछ दिनों से वह अर्जुनपुरा गांव के बेहद करीब आ गया था, जिससे ग्रामीणों और किसानों में भय का माहौल था और लोगों ने खेतों में जाना भी बंद कर दिया था। रेस्क्यू की सूचना मिलते ही गांव में राहत का माहौल बन गया।

राजस्थान और मध्य प्रदेश वन विभाग की संयुक्त टीम लगातार चीता केपी-2 की लोकेशन ट्रैक कर रही थी। विशेषज्ञों का कहना है कि इतने दिनों तक इस क्षेत्र में उसका सुरक्षित रहना यहां के वन्यजीव अनुकूल वातावरण का संकेत है।

चिड़ावा में सिलेंडरों से भरी गाड़ी ने युवक को कुचला, मौत

चिड़ावा, (निसं)। कस्बे के रीको एरिया में एक दर्दनाक हादसे में तीन बेटियों के पिता की मौत हो गई। हादसा सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गया। जिसके अनुसार गैस सिलेंडर से भरी पिकअप के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए सड़क किनारे चल रहे युवक को ना केवल पीछे से टक्कर मार दी, बल्कि गाड़ी के टायर से रौंद दिया, जिससे मौके पर ही युवक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार यूपी के एटा जिला के रसीदपुर खेड़िया खाती निवासी 34 वर्षीय नरेश कुमार पुत्र शंकरलाल प्रजापत कुछ समय से झुंझुनूं जिले के चिड़ावा में रहकर दहीबड़े बेचने का काम करता था। कल दोपहर को वह सड़क किनारे किनारे कहीं जा रहा था कि गैस एजेंसी की सिलेंडरों से भरी पिकअप गाड़ी के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद जब नरेश गाड़ी के पिछले टायर के नीचे आया तब चालक को इसका अहसास हुआ और उसने गाड़ी रोककर देखा तो वह गंभीर घायल हो गया था, जिसे चिड़ावा के अस्पताल में भर्ती करवाया, लेकिन हालत गंभीर होने पर युवक को झुंझुनूं रैफर किया गया। झुंझुनूं पहुंचने पर चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। मृतक नरेश तीन बेटियों का पिता था, जिनकी उम्र तीन, चार और पांच साल बताई जा रही है। नरेश घर में कमाने वाला इकलौता था। फिलहाल मृतक का शव राजकीय जिला बीडीके अस्पताल की मोर्चरी में रखा हुआ है।

एक साल से फरार आरोपी राजीव गिरफ्तार

बूंदी, (निसं)। गेंडोली थाना पुलिस ने एक साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया की पुलिस टीम द्वारा थाना गेण्डोली में वांछित आरोपी राजीव कुमार उर्फ राजू को डिटेन कर अनुसंधान के बाद गिरफ्तार किया गया। प्रकरण मे एक अन्य आरोपी बाबूलाल को पूर्व में गिरफ्तार किया चुका है।

फरियादिया ने थाने में रिपोर्ट इस आशय की पेश की कि मैंने झालीजी का बराना निवासी शिवचरण पुत्र बंशीलाल की जमीन ज्वारे पर जोत रखी है जिसमें मैने अभी सोयाबीन की फसल बो रखी हैं। 14 अक्टूबर 2024 को शाम करीब तीन बजे मैं और मेरे बेटे की बहू दोनों फसल कटाने के लिए खेत पर गई थी। उसी दौरान खेत पर राजीव शर्मा, बाबूलाल दोनों खेत पर गए और हम दोनों पर गालियां निकालने लगे और कहने लगे कि हम तुम्हारी फसल नहीं कटने देंगे। राजीव शर्मा ने कहा कि तुम्हें फसल नहीं काटने दुंगा। फिर दोनों गालियां निकालकर चले गए। मौके पर पड़ोस में मंजू बाई भी मौजूद थी। फिर हम घर पर आए तो करीब 5 बजे घर पर राजीव शर्मा और बाबूलाल आए और दरवाजे से अन्दर घुस कर मारने की धमकी देने लगे। राजीव शर्मा ने मेरे थप्पड़ मारकर नीचे गिरा दिया उन दोनों के हाथ में पाइप थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां देर रात को एसएसबी रोड पर पानी वाली टंकी के पास कार सवार दो युवकों ने एक बाइक को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक के साथ उसकी 6 साल की मासूम लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना जवाहरनगर थाना क्षेत्र में रात के करीब 12 बजे हुई।

हादसे के बाद कार सवार युवकों ने हंगामा किया। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने पिटाई भी की। कार सवार बाद में फरार हो गए। वहीं आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर शुक्रवार को परिजनों ने जवाहर थाने के बाहर धरना दिया। मृतक युवक की पहचान नवीन यादव (35) निवासी श्रीगंगानगर के रूप में हुई। वहीं, उसकी 6 साल की लड़की प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती है, जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद कार सवार दोनों युवक कार छोड़कर मौके से भाग गए। मृतक एसएसबी रोड गली नम्बर 8 का निवासी है और घर में किराना की दुकान है। वह बाजार में अपनी बच्ची के साथ जा रहा था। घटना के बाद घायल को एक सरकारी हॉस्पिटल लेकर गए, जहां उसने दम तोड़ दिया। वहीं आक्रोशित लोगों ने रात को हंगामा किया। शुक्रवार सुबह भी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मोहल्ले के लोगों ने जवाहर नगर थाना के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

सड़क हादसे में कार में सवार की मौत, तीन जने घायल

हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

कोटा, (निसं)। मंडाना थाना इलाके में दिल्ली-मुम्बई बड़ोदरा 8 लेन पर हुए सड़क हादसे में कार में सवार एक जने की मौत हो गई एवं तीन जने घायल हो गये। सभी कार से गुड़गांव से उज्जैन की ओर जा रहे थे, कार से उज्जैन की ओर जाते समय मंडाना इलाके के गोपालपुरा इंटरचेंज पर कार मिट्टी के ढेर पर चढ़ कर असंतुलित होकर पलटा खा गई।

मंडाना थाने के आईओ मुकेश स्वामी ने बताया कि गुड़गांव से चार जने चतर खटाणा, ध्रुव, रोहन व उपेन्द्र यादव फॉरच्यूनर कार से उज्जैन जाने के लिये निकले थे, कोटा से आगे गोपालपुरा इंटरचेंज टोल प्लाजा की तरफ कार को उतरना था, लेकिन रास्ता पता नहीं होने से चालक ने कार को टनल की ओर जाने वाले रास्ते पर उतार दिया, जहां आगे रास्ता बंद था और मिट्टी का मलबा पड़ा हुआ था, कार मिट्टी के मलबे पर चढ़ गई और अनियंत्रित होकर पलट गई। आईओ मुकेश स्वामी नें बताया कि कार हादसे में कार में सवार चतर खटाणा की मौत हो गई एवं अन्य ध्रुव, रोहन व उपेन्द्र यादव घायल हो गये, सभी को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मंगरोप स्थित फैक्टरी की जहरीली गैस और केमिकल से फेल रहे प्रदूषण से लोगों में रोष

दो युवक फैक्टरी की चिमनी पर चढ़ गए, जबकि ग्रामीणों ने फैक्टरी के बाहर प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निस)। जिले के मंगरोप थाना क्षेत्र स्थित क्वालिटी शूटिंग फैक्टरी से निकलने वाली जहरीली गैस और केमिकल से फेल रहे प्रदूषण के खिलाफ दो युवक फैक्टरी की चिमनी पर चढ़ गए, जबकि ग्रामीणों ने फैक्टरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार मंगरोप थाना क्षेत्र स्थित क्वालिटी शूटिंग फैक्टरी के खिलाफ ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि फैक्टरी में टायर जलाकर ऑयल बनाया जाता है, जिसके कारण फैक्टरी से उठने वाले धुआं और छोड़े जाने वाला केमिकल ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। फैक्टरी के खिलाफ लंबे समय से ग्रामीणों द्वारा आंदोलन किया जा रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं होने के कारण शुक्रवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने फैक्टरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जबकि दो ग्रामीण युवक

मंगरोप थाना क्षेत्र स्थित क्वालिटी शूटिंग फैक्टरी से निकलने वाली जहरीली गैस और केमिकल से फेल रहे प्रदूषण के खिलाफ महिलाओं ने प्रदर्शन किया।

फैक्टरी की चिमनी पर चढ़ गए। ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्टरी से फैले जहरीले धुएं और केमिकल के प्रभाव के चलते ही गांव में कैंसर और अस्थमा के पीड़ित बढ़े हैं और दर्जनों लोगों ने अपनी जान भी गंवाई है। फैक्टरी का संचालन भी आबादी क्षेत्र में हो रहा है, जो पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 और पर्यावरण नियंत्रण बोर्ड के नियमों का उल्लंघन है। रेड केटेगरी में होने के बावजूद फैक्टरी को दी गई एनओसी की निरस्त करने की मांग करते हुए ग्रामीणों ने फैक्टरी के बाहर प्रदर्शन कर फैक्टरी प्रबंधक सुमित जागेटिया का पुतला फूंका। हंगामे की सूचना पर हमीरगढ़ तहसीलदार सहित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक टीम मौके पर पहुंची समझाइश के प्रयास शुरू किए।

- **ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्टरी से फैले जहरीले धुएं और केमिकल से गांव में कैंसर और अस्थमा के पीड़ित बढ़े हैं और दर्जनों लोगों की मौत भी हो चुकी है**

न्यू चंडीगढ़ स्टेडियम में मेरे नाम पर एक स्टैंड होना, खासकर उसी राज्य में जहां से मेरी क्रिकेट यात्रा शुरू हुई, मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।
- युवराज सिंह

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट डालकर अपनी बात रखते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — विनेश फोगाट

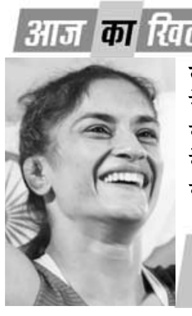

तीन बार की ओलंपियन महिला पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को कुश्ती से संन्यास लेने के अपने फैसले को वापस ले लिया है। फोगाट ने भावुक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने संन्यास से वापसी की घोषणा करते हुए कहा कि अब उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करना है। पिछले साल विनेश फोगाट ने पेरिस 2024 ओलंपिक के तुरंत बाद संन्यास ले लिया था। ठीक एक दिन बाद जब उन्हें स्वर्ण पदक मुकाबले से ज्यादा वजन होने की वजह से अयोग्य घोषित किया गया था।

क्या आप जानते हैं ?... भारत बनाम पाकिस्तान वनडे हेड-टू-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो पाकिस्तान ने अब तक 73 मैच जीते हैं, जबकि भारत ने 58 मैचों में जीत दर्ज की है। इसके अलावा, 5 मैचों में कोई परिणाम नहीं निकला है।

वैभव का रिकॉर्ड शतक, भारत ने यूएई को 234 रनों से हराया

दुबई, 12 दिसंबर। वैभव सूर्यवंशी (171) की विस्फोटक शतकीय, ऐरन जॉर्ज (69) और विहान मल्होत्रा (69 रन और एक विकेट) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत शुक्रवार को भारत ने अंडर-19 एशिया कप के ग्रुप ए के पहले मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 234 रनों से हरा दिया।

434 रनों का विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम पृथ्वी मधु 87 गेंदों में (50) और उद्दीश सुरी 106 गेंदों में (नाबाद 78) की जुझारू पारियों के बावजूद निर्धारित 50 ओवरो में सात विकेट पर 199 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। यूएई की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 53 के स्कोर तक अपने छह विकेट गंवा दिये। शलोम डिसूजा (चार), अयान मिस्बाह (तीन), मोहम्मद रयान (19), नूरुल्लाह आयोबी (तीन) और कप्तान यायिन किरण राय (17) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय पृथ्वी मधु और उद्दीश सुरी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच सातवें विकेट के लिए 85 रन जोड़े और अपने-अपने अर्धशतक पूरे किये। सालेह अमीन 20 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से दीपेश देवेंद्रन दो विकेट लिये। किशन सिंह, हेनिल पटेल, खिलन पटेल और विहान मल्होत्रा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर संयुक्त अरब अमीरात ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में कप्तान आयुष म्हात्रे (चार) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये ऐरन जॉर्ज ने वैभव सूर्यवंशी के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 212 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपना शतक 56 गेंदों में पूरा किया। ऐरन जॉर्ज ने भी अपना अर्धशतक बनाया। 28वें ओवर में यायिन राय ने ऐरन जॉर्ज को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। ऐरन जॉर्ज ने 73 गेंदों में सात चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 69 रनों की पारी खेली।

भारत का तीसरा विकेट वैभव सूर्यवंशी के रूप में 33वें ओवर में गिरा। वैभव ने 95 गेंदों में नौ चौके और 14 छक्के उड़ाते हुए 171 रनों की पारी खेली। इसके बाद वेदांत त्रिवेदी (38) और विहान मल्होत्रा 55 गेंदों में (69) रन बनाकर आउट हुये। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का भी लगाया। कनिष्क चौहान (28) छठें विकेट के रूप में आउट हुये। भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 433 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। अभिज्ञान कुंडु 17 गेंद (32) और खिलन पटेल (पांच) रन बनाकर नाबाद रहे। यूएई की ओर से युग शर्मा और उद्दीश सुरी ने दो-दो विकेट लिये। यायिन किरण राय और शलोम डिसूजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

हरियाणा ने राजस्थान को सात विकेट से हराया

पुणे, 12 दिसंबर। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद कप्तान अंकित कुमार (60) की अर्धशतकीय पारी के दम पर हरियाणा ने शुक्रवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के सुपर लीग ग्रुप बी मुकाबले में राजस्थान को 22 गेंदों शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही हरियाणा को चार अंक मिल गये है। राजस्थान आज यहां पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 132 रनों का स्कोर खड़ा किया। राजस्थान के लिए महिपाल लोमरोर ने सर्वाधिक नाबाद 37 रनों की पारी खेली। शुभम गढ़वाल ने (33), राहुल चाहर (20), कप्तान मानव सुथार (15) और मुकुल चौधरी (12) रन बनाकर आउट हुये। हरियाणा के लिए अंशुल कम्बोज और इशांत भारद्वाज ने दो-दो विकेट लिये। अमित राणा और सामंत जाखड़ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा ने 16.2 ओवर में तीन विकेट पर 133 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम किया। हरियाणा ने के लिए अर्श रंगा और कप्तान अंकित कुमार की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 37 रन जोड़े। चौथे ओवर में आकाश सिंह ने अर्श रंगा को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। अर्श रंगा ने 12 गेंदों में दो छक्के और तीन चौके लगाते हुए 27 रन बनाये। यशवर्धन दलाल (15) रन बनाकर आउट हुये। 16वें ओवर में अशोक शर्मा ने अंकित कुमार को आउटकर राजस्थान को तीसरी सफलता दिलाई। अंकित कुमार ने 41 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए 60 रन बनाये। राजस्थान के लिए आकाश सिंह, अशोक शर्मा और राहुल चाहर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में राजस्थान गेंदबाजों ने पॉन्डिचेरी को सस्ते में समेटा

जयपुर, 12 दिसंबर। आज से ग्वालियर में शुरू हुए राजस्थान-पॉन्डिचेरी अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी मैच के पहले दिन राजस्थान के गेंदबाज अनुराग, शोभाग सिंह, दक्ष शर्मा, दर्शन की शानदार गेंदबाजी की सहायता से राजस्थान ने पॉन्डिचेरी को पहली पारी में सस्ते में सीमेटा। पॉन्डिचेरी पहली पारी 133 आल आउट। टीम के लिए रितिक नाबाद 31, सिवासक्ति 24 रन। राजस्थान के गेंदबाज अनुराग 36/4, शोभाग सिंह 32/3, दक्ष शर्मा 13/1 व दर्शन 6/1 विकेट। राजस्थान पहली पारी 107/5, पहले दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 107 रन बना लिए थे, टीम के लिए कुमार वासुदेव 33, गौरव सैनी 29 व यश शर्मा नाबाद 25 रन बनाकर खेल रहे हैं। पॉन्डिचेरी के गेंदबाज पंकज भाटी 35/3 विकेट।

पीएसपीबी टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट : गेल (इंडिया) की जीत में विमल बने मैच ऑफ द मैच

जयपुर, 12 दिसम्बर। 29वें पीएसपीबी इंटर-यूनिट सीनियर्स टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2025-26 के दूसरे दिन जयपुरिया क्रिकेट अकादमी, जयपुर में रोमांच और प्रतिस्पर्धा से भरपूर मुकाबले देखने को मिले। पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (पीएसपीबी) द्वारा आयोजित और गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा होस्ट किए जा रहे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में टीमें शानदार खेलभावना और कौशल का प्रदर्शन कर रही हैं।

सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक प्राप्त किया

हैदराबाद, 12 दिसम्बर। तेलंगाना में चल रही सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया। राजस्थान के प्रतिभाशाली खिलाड़ी रोहित कुमावत ने अपने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए 30 मीटर दूरी पर 360 में से 340 का उत्कृष्ट स्कोर बनाया और सिल्वर मेडल प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की। इस अवसर पर राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा: हैदराबाद में आयोजित इस सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा है। रोहित कुमावत का सिल्वर मेडल और पूरी टीम का प्रदर्शन प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने आगे राजस्थान तीरंदाजी संघ की इंडियन राउंड टीम के कोच मनीष नागा को भी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण देने और टीम को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए बधाई दी। खिलाड़ियों की इस सफलता पर राजस्थान तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह, सलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष अनिल जोशी तथा राजस्थान सिलेक्शन कमेटी के सदस्य दिनेश कुमावत ने रोहित कुमावत को पदक जीतने पर हार्दिक बधाई प्रेषित की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुझे, शुभमन और अन्य को बल्लेबाजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी : सूर्यकुमार

मुल्लांपुर 12 दिसंबर। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि टीम अभिषेक शर्मा पर निर्भर नहीं रह सकती मुझे, शुभमन गिल और अन्य को बल्लेबाजी की जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी। क्विंटन डी कॉक की 90 रनों की पारी की बदौलत भारत को 214 रनों का बड़ा लक्ष्य मिला था लेकिन गिल एक बार फिर विफल रहे और पहली ही गेंद पर लुंगी एन्गिडी का शिकार बन गए। वहीं सूर्यकुमार भी महज पांच रन ही बना पाए जिसके चलते भारत ने पावरप्ले के भीतर ही महज 32 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिए। आखिरी ओवरों में महज पांच रन जोड़कर भारत ने पांच विकेट गंवा दिये।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार रात भारत को मिली 51 रनों से हार के बाद सूर्यकुमार ने कहा, "मेरा मानना है कि मुझे और शुभमन को अच्छी शुरुआत देनी चाहिए थी, क्योंकि हम हर बार अभिषेक पर निर्भर नहीं रह सकते। वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनका भी खराब दिन हो सकता है इसलिए मुझे, शुभमन को और कुछ अन्य बल्लेबाजी को ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए थी। शुभमन पहली ही गेंद पर आउट हो गए। मुझे वह जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी और थोड़ी देर तक बल्लेबाजी करनी चाहिए थी।"

पहले टी-20 में सूर्यकुमार ने नंबर तीन पर बल्लेबाजी की थी लेकिन मुल्लांपुर में गिल के आउट होने के बाद तीसरे नंबर पर अक्षर पटेल को बल्लेबाजी के लिए प्रमोट किया गया। अक्षर ने तिलक वर्मा के साथ भारतीय पारी को संभालने का प्रयास किया लेकिन वह अधिक देर तक तिलक का साथ नहीं दे पाए और 21 के निजी स्कोर पर चार विकेट झटकने वाले ऑटनील बार्टमैन का पहला शिकार बने, तब भारत का स्कोर 67 रन था।

सूर्यकुमार ने अक्षर को ऊपर बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर कहा, "हमने पिछले मैच में सोचा था कि अक्षर ने लंबे प्रारुप में बहुत अच्छी बल्लेबाजी की है। और हम चाहते थे कि वह आज भी उसी तरह बल्लेबाजी करे। लेकिन दुर्भाग्य से (वह काम नहीं आया), हालांकि उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की।"

उन्होंने कहा, "हमने पहले गेंदबाजी की, तो हमें अच्छी वापसी करनी चाहिए थी, लेकिन बाद में दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजो को एहसास हुआ कि इस विकेट पर लेंथ कितनी महत्वपूर्ण है। हालांकि यह सीखने की प्रक्रिया है। बस सीखो और आगे बढ़ो। थोड़ी ओस भी थी, और अगर हमारा प्लान काम नहीं कर रहा था, तो हमें दूसरा प्लान तैयार रखना चाहिए था। हमने देखा कि उन्होंने दूसरी पारी में कैसे गेंदबाजी की। हमने उनसे सीखा, और हम अगले मैच में उसे लागू करने की कोशिश करेंगे।"

जेकब डफी का पंजा, न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराया

वेलिंगटन, 12 दिसंबर। जेकब डफी (पांच विकेट) और माइकल रे (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन वेस्टइंडीज को 128 के स्कोर पर ढेर करने के बाद मिले 56 रनों के लक्ष्य को 10 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर नौ विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

आज सुबह वेस्टइंडीज ने कल के दो विकेट पर 32 रनों से आगे खेलना शुरु किया। वेस्टइंडीज का तीसरा विकेट ब्रैंडन किंग (22) रनआउट के रूप में गिरा। शाई होप (पांच), रॉस्टन चेज (दो) रन बनाकर जल्द ही आउट होकर पवेलियन लौट गये। केवम हॉज ने 75 गेंदों में 35 रनों तथा जस्टिन ग्रीव्स 57 गेंदों में (25) कुछ संघर्ष करते दिखे। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज के सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। 47वें ओवर की दूसरी गेंद पर जेकब डफी ने ओजे शील्ड्स (नौ) को आउटकर 128 के स्कोर पर वेस्टइंडीज की दूसरी

पारी का अंत कर दिया। न्यूजीलैंड को जीत के लिए 56 रनों का लक्ष्य मिला। न्यूजीलैंड के लिए जेकब डफी ने 38 रन देकर पांच विकेट लिये। माइकल रे को तीन विकेट मिले। जैकरी फॉक्स ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने 10 ओवर में एक विकेट पर 57 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया। कप्तान टॉम लेथम नौ रन बनाकर आउट हुये। डेवन कॉन्वे (28) और केन विलियमसन (16) रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 205 रनों का स्कोर बनाया था। उसके बाद न्यूजीलैंड ने पहली पारी नौ विकेट पर 278 के स्कोर पर घोषित कर दी थी।

मेसी से मिलने को लेकर शाहरुख उत्साहित

कोलकाता, 12 दिसंबर। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान महान फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक लियोनेल मेसी से मिलने को लेकर उत्साहित हैं। मेसी 14 साल बाद भारत आ रहे हैं। इसकी पुष्टि खुद मेसी ने की है कि वह 13 से 15 के बीच भारत में रहेंगे। वह मियामी से दुबई के रास्ते अपने निजी जेट से 12/13 की रात कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरेंगे। उनके साथ इंटर मियामी टीम के कुछ खिलाड़ी भी होंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक शाहरुख खान हमेशा कोलकाता आते हैं, खासकर तब जब उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग में खेलती है। लेकिन इस बार उनका ट्रिप खास है। वह अर्जेंटीना के उस महान खिलाड़ी से मिलने के लिए आ रहे हैं जिन्होंने अपने देश को फीफा विश्व कप 2022 का खिताब अपनी कप्तानी में दिलाया था।

कोहली 15 साल बाद खेलेंगे विजय हजारे टूर्नामेंट में

बेंगलुरु, 12 दिसंबर। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और ऋषभ पंत को 24 दिसंबर से शुरू होने वाले विजय हजारे राष्ट्रीय एकदिवसीय टूर्नामेंट के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल किया गया है।

कोहली ने हाल ही में दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन को अपनी उपलब्धता के बारे में बताया, जिससे 15 साल बाद दिल्ली के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में उनकी वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी बार 2010 में सर्विसेज के खिलाफ टूर्नामेंट में खेला था और इस सीजन में दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेल चुके हैं।

समीर मिन्हास और अहमद हुसैन के शतक, पाक ने मलेशिया पर रिकॉर्ड 297 रनों से जीत दर्ज की

दुबई, 12 दिसंबर। समीर मिन्हास (नाबाद 177) और अहमद हुसैन (132) की शतकीय पारियों के बाद अली रजा और मोहम्मद सय्याम (तीन-तीन विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर पाकिस्तान ने शुक्रवार को अंडर-19 एशिया कप ग्रुप ए के दूसरे मुकाबले में मलेशिया को रिकार्ड 297 रनों से रौंद कर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की।

आज यहां मलेशिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 30 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। उस्मान खान (एक) और अली हसन बलोच (14) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद समीर मिन्हास और अहमद हुसैन की जोड़ी ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 293 रनों की साझेदारी की। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने शतक पूरे किये। 49वें ओवर में मुहम्मद अकरम ने अहमद हुसैन को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। अहमद हुसैन ने 114 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 132 रनों की पारी खेली। पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवरों में तीन विकेट पर 345 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। समीर मिन्हास 148 गेंदों में 11 चौके और आठ छक्के लगाते हुए नाबाद 177 रन बनाये।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी मलेशिया को पाकिस्तानी गेंदबाजों ने 19.4 ओवरों में 48 रन पर ढेर कर मुकाबला 297 रनों से जीत लिया। मलेशिया का कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। पाकिस्तान के लिए ली रजा ने 11 रन देकर तीन विकेट लिये और मोहम्मद सय्याम ने 27 रन देकर तीन विकेट झटके। दानियाल अली खान छह रन देकर दो विकेट लिये। निकाब शफीक ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

राष्ट्रीय स्तर टेबल टेनिस में जयपुर के खिलाड़ियों की चमक, तीन पदों के साथ शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 12 दिसम्बर। जयपुर के तीन होनहार खिलाड़ी सरन्या गोयल, आरव आचार्य और आरव साहेनी ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शहर और राजस्थान का नाम रोशन किया है। आरव साहेनी ने लगातार दो राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में पदक जीतकर अपनी दमदार फॉर्म को साबित किया है। उन्होंने 5वीं नेशनल टेबल टेनिस रैंकिंग चैंपियनशिप, रांची 2025 में अंडर-15 बॉयज़ सिंगल्स में एक बार फिर कांस्य पदक हासिल किया। उसी चैंपियनशिप में आरव आचार्य ने भी अंडर-15 बॉयज़ सिंगल्स में शानदार खेल दिखाकर कांस्य पदक जीता।उनके तेजतर्रार खेल, समर्पण और फाइटिंग स्पिरिट ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाई। दूसरी नेशनल पेरा रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2- 4 दिसम्बर 2025 वडोदरा में जयपुर की पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी शरन्या गोयल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। उनकी लगन, मेहनत और अटूट जज़्बे ने इस उपलब्धि को और भी खास बना दिया।

कोपा डो ब्रासिल में वास्को ने फ्लूमिनेंस को हराया

रियो डी जेनेरियो, 12 दिसंबर। स्थानापन्न पाब्लो वेगेटी ने 94वें मिनट में दागे गये गोल की बदौलत वास्को डा गामा ने कोपा डो ब्रासिल सेमीफाइनल के पहले लेग में फ्लूमिनेंस पर 2-1 से जीत दिलाई।कोलंबियन फॉरवर्ड केविन सेर्ना ने 22वें मिनट में थियागो सिल्वा के हेडर पास पर गोल करके फ्लूमिनेंस को बढ़त दिलाई। टीनएज अटैकर रेयान ने हाफटाइम के ठीक बाद छह-यार्ड बॉक्स के किनारे से गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

द ग्वालियर कप 8 गोल

जयपुर ने बेदला को, सिद्धांत की हैट्रिक से मेफेयर ने विमल अचीवर्स को हराया

जयपुर, 12 दिसम्बर। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर मेफेयर पोलो टीम और विमल अचीवर्स के बीच मैच खेला गया जिसमें मेफेयर ने विमल अचीवर्स को 8 के मुकाबले 11 गोल से हराया। मेफेयर पोलो टीम की ओर से भवानी सिंह कालवी ने 3, सलीम आज़मी 2 ओर सिद्धांत शर्मा ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए हैट्रिक के साथ 6गोल कर टीम को जीत दिलाई।

विमल अचीवर्स पोलो टीम की ओर से ध्रुवपाल गोदारा का पुराना खेलने का अंदाज़ पोलो प्रेमियों को तालियां बजाने पर मजबूर करने लायक था। ध्रुवपाल गोदारा ने 6 गोल किये पर टीम को जीत नहीं दिला पाए। इनके साथ डेनियल ओर शमशीर अली ने भी 1- 1 गोल किये। आरपीसी पोलो ग्राउंड पर जयपुर पोलो टीम और बेदला के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर ने बेदला को 5 के मुकाबले 6.5 गोल से हराया। बेदला पोलो टीम

की ओर से मुकेश सिंह ने 2 ओर फ्रेडरिक ने 3 गोल किए। आधे गोल का एडवांटेज लेकर खेल रही जयपुर पोलो टीम की ओर से लांस वाटसन ने 3 गोल किये। इनके साथ डीनो धनखड़ ने 1 गोल ओर महाराज पद्मनाभ सिंह ने भी 2 गोल किये।

क्रिकेट मैच में आमने-सामने होगी आरटीओ वन व टू की टीम

जयपुर, 12 दिसम्बर। नैना क्रिकेट एकेडमी में आरटीओ वन व टू के निरीक्षकों की टीम आमने-सामने होंगी। आरटीओ टू के कप्तान निरीक्षक दिनेश सिंह फौजदार होंगे तो वन के टीकम मदान होंगे। फौजदार की अगुवाई में राजस्थान निरीक्षकों की टीम ने हाल ही में यूपी के लखनऊ में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। मैच के विशिष्ट अतिथि आईपीएस राहुल प्रकाश व अभिजीत सिंह होंगे। फौजदार रोड एक्सीडेंट्स को लेकर जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही बेहतरीन क्रिकेटर हैं। आरपीएनएस अध्यक्ष राजेश चौधरी व टीम प्रबंधक यशपाल शर्मा ने बताया कि 21 दिसंबर रविवार को सुबह 11 बजे खेला जाएगा।

रघु सिन्हा आईटीएफ मास्टर्स 400 टेनिस टूर्नामेंट

8 क्ले कोर्ट पर महिलाओं ने सिंगल्स डबल्स और मिक्स डबल्स के मैच खेले

जयपुर, 12 दिसम्बर। आज से महिलाओं के एकल और डबल्स मुकाबलो में देश व विदेश की वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने अपने-अपने मेंच जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। जयपुर क्लब में प्रथम वरीयता की खिलाड़ी एलिस जॉय ने क्वार्टर फाइनल में पूर्व नंबर 1 स्मिता रानी जैन को 6-1, 6-1 से रानी कौर मारवा ने संजना जैन को 6-3, 6-0 से अरेना चटर्जी ने निमिषा जैन को 6-2, 6-1 से और गिरजा ऐरवाडेकर ने कबीना चेतना को 7-6, 4-6, 14-12 के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराकर सेमी फाइनल में स्थान पक्का किया। महिला 45 वर्ग में विभा चौधरी ने पवित्र शाह त्रिवेदी को 6-0, 6-0 से,बबीता मोहन ने सुनो मनी बरकत्व को 6-1, 6-3 से हरा कर अपने वर्ग में सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में आज के स्कोर इस प्रकार हैं। पुरुष एकल 70 जॉर्ज थॉमस

(भारत) ने कोजी इज़ावा (जेपीएन) को 6-0, 6-1 से हराया।डॉ. एसजेएस रंधावा (भारत) ने राजेंद्र राठौड़ को 6-2, 6-4 से हराया। पुरुष एकल 65 मेहर प्रकाश कोदुरी ने राकेश कोहली को 6-2, 6-2 से हराया। पुरुष एकल 50 जगदीश तंवर ने शलभ सिंह पुरिया को 6-2, 6-0 से हराया। योगेश कोहली ने अवनीश रस्तोगी को 7-5, 6-3 से हराया। पुरुष युगल 70 महेंद्र कक्कड़ और राजेंद्र राठौड़ ने जगत सिंह राठौड़ और सीताराम स्वामी को 6-3, 6-0 से हराया। पुरुष युगल 60 दीपांकर चक्रवर्ती और ललित शर्मा ने गुरुमुख दास रामचंदानी और अनिल सचदेवा को 7-5, 6-4 से हराया।

नेशनल टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

उदयपुर, 12 दिसम्बर। अटल बिहारी वाजपेयी इंडोर हॉल में आयोजित जूनियर नेशनल टूर्नामेंट के उदयपुर लेग में शहर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का दम दिखाया। -14 कैटेगरी में लडकों और लडकियों की टीमों ने बेहतरीन खेल के दम पर न सिर्फ मुकाबलों में बढ त बनाई बल्कि अपनी स्किल, टीमवर्क और खेल भावना से दर्शकों की खूब सराहना भी प्राप्त की। नेशनल टूर्नामेंट में अहाना माहेश्वरी, हियांशी डूंगरपुरिया, हियासा डूंगरपुरिया, मेहरिन रंगरेज ने शानदार प्रदर्शन किया।

लडकों के वर्ग में स्कूल के अक्षय नावक, लोकेश सिंह तंवर, लोहित खान और वर्शित शर्मा ने सधे हुए खेल की बदौलत बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए टूर्नामेंट में विजेता स्थान हासिल किया। इनके शानदार मूव्स और डिफेंस ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। वहीं प्रथम रनर-अप के रूप में सोफिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल खेडी नगर के खिलाड़ियों - चंदन

मीणा, गौरव, शौर्य मान और शिवम भारद्वाज - ने बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले खेले। टीम ने शुरुआत से ही खेल दिखाते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और अपने सधा हुआ प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया। दूसरी ओर टैलेंट पब्लिक स्कूल टीम के नमन सोलंकी, नितिन कुमार, पुष्कर सिंह और कृष्णा सेनवाड ने मजबूत वापसी करते हुए सेकंड रनर-अप का स्थान सुरक्षित किया और पूरे टूर्नामेंट के दौरान अपनी तकनीक और फुर्ती का उत्कृष्ट परिचय दिया। लडकियों की -14 कैटेगरी में सेट सोफिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल की दिव्या जैन, यामिनी जैन, दुर्गेश्वरी और मेघावी सेनवाड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबलों पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और विजेता टीम के रूप में उभरीं। इन खिलाड़ियों ने कोर्ट पर तेज खेल, सटीक पासिंग, मजबूत डिफेंस और लगातार स्कोरिंग के दम पर विरोधियों को किसी भी मोड पर बढ त नहीं लेने दी। टूर्नामेंट आयोजकों और कोचों ने बताया कि इन खिलाडीयों ने पूरे सत्र में अनुशासन, मेहनत और उत्कृष्ट खेल भावना से अपनी टीम को आगे बढ ाया। टूर्नामेंट के दौरान चंदन मीणा और पुष्पिका शर्मा ने अपने-अपने वर्ग में शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन कर अवॉर्ड प्राप्त किया। दोनों खिलाड़ियों के खेल की सबसे बडी विशेषता उनकी लीडरशिप, निर्णायक क्षणों में स्कोरिंग क्षमता और टीम को मजबूती देना रहा।

उदयपुर लेग के सफल आयोजन में खिलाडयिों, कोचों और स्कूलों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह नेशनल टूर्नामेंट और बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के सैकडों स्कूलों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। उदयपुर लेग की सफलता ने शहर में बास्केटबॉल के बढ ते प्रभाव और प्रतिभाशाली खिलाडियों की उपस्थिति को स्पष्ट रूप से साबित किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में राज्य सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिकाओं का विमोचन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा मौजूद थे।

दो वर्ष का कार्यकाल विकसित व उत्कृष्ट राजस्थान को समर्पित- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा, आज प्रदेश 11 राष्ट्रीय योजनाओं में प्रथम, पाँच में द्वितीय, नौ में तृतीय स्थान पर है

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि झुंझुनूं, सीकर व चूरू में 662 ऐतिहासिक हवेलियों को संरक्षण के लिए चिह्नित किया गया है। उन्होंने राज्य सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिकाओं का विमोचन किया।**

जयपुर, 12 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के सुशासन, विकास और विश्वास के दो वर्षों ने प्रदेश की दिशा और दशा बदलने की ठोस शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि हमने आमजन से जो काम पांच साल में पूरे करने का वादा किया था, उनमें से 70 प्रतिशत कार्य दो वर्ष में ही कर चुके हैं। दो वर्षों की बजट घोषणाओं में से 73 प्रतिशत घोषणाएं या तो पूर्ण हो चुकी हैं या प्रगतिरत हैं।

शर्मा शुक्रवार को ओ.टी.एस के भगवत सिंह मेहता सभागार में राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल पर प्रेस ब्रीफिंग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान देश के "बैस्ट परफॉर्मर स्टेट" की श्रेणी में पहुंच गया है। प्रदेश 11 राष्ट्रीय योजनाओं में प्रथम स्थान, 5 योजनाओं में द्वितीय स्थान और 9 योजनाओं में तृतीय स्थान पर है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता 6 हजार 363 मेगावाट से बढ़ कर 30 हजार 525 मेगावाट पर पहुंच गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्षों में 27 हजार 238 करोड़ रुपये व्यय कर 39 हजार 891 किलोमीटर सड़कों का विकास किया है। इसके अलावा, आयुष्मान आरोग्य योजना का दायरा बढ़ाते हुए 132 नए पैकेज जोड़े गए हैं।

शर्मा ने कहा कि बजट वर्ष 2025-26 में शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना की घोषणा की गई है। झुंझुनूं, सीकर और चूरू में अब तक 662 ऐतिहासिक हवेलियों को चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत 65 हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को रेल मार्ग द्वारा एवं 6 हजार वरिष्ठ नागरिकों को हवाई यात्रा करवाई गई है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने जनसेवा के लिए समर्पित दो वर्षों की विकास यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान गीत और ऑडियो गीत का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्य सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित, वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

जनगणना के लिए 12 हजार करोड़ रु. के बजट को स्वीकृति

नयी दिल्ली, 12 दिसम्बर। सरकार ने बहुप्रतीक्षित जनगणना 2027 के लिए 11 हजार 718.24 करोड़ रुपये के बजट को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

देश के इतिहास में जनगणना पहली बार पूरी तरह से डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी। जनगणना प्रक्रिया में देश के हर व्यक्ति तथा प्रत्येक घर के बारे में डिजिटल प्लेटफार्म पर जानकारी एकत्र की जाएगी।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में बताया कि जनगणना दो चरणों में कराई जाएगी जिसमें पहले चरण में अप्रैल से सितम्बर 2026 तक घरों की सूची और आवासों की गणना की जाएगी और दूसरे चरण में फरवरी 2027 में जनसंख्या की गणना की जायेगी। बर्फबारी से प्रभावित केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख , जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड राज्यों में जनगणना सितंबर 2026 में की जाएगी।

उन्होंने कहा कि बर्फबारी से प्रभावित क्षेत्रों के लिए जनगणना की तिथि एक अक्टूबर 2026 और शेष देश के लिए एक मार्च 2027 रखी गई है। जनणना के लिए अधिसूचना गत 16 जून को जारी की गई थी।

नाराज़ सुप्रीम कोर्ट ने एक एनजीओ पर एक लाख रूपए का जुर्माना ठोका

गुस्साए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप देश की न्याय व्यवस्था को खराब करना चाहते हैं

- **एनजीओ ने एक याचिका में सुप्रीम कोर्ट का वह आदेश रद्द करने की मांग की थी, जिसमें उसने शिक्षा के अधिकार अधिनियम से अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को बाहर रखा था।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा, कौन वकील हैं जो ऐसी सलाह देते हैं, उन्हें भी दंड दिया जाना चाहिए।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक एनजीओ पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। यह एनजीओ संविधान पीठ के उस आदेश के खिलाफ रिट याचिका दायर कर रहा था, जिसमें मदरसों और अन्य अल्पसंख्यक संस्थानों को बच्चों के नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार (आरटीई) कानून के दायरे से बाहर रखा गया था।

बेंच में शामिल जज बी.वी. नागरत्ना और आर. महादेवन ने एनजीओ को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा, "आप सुप्रीम कोर्ट के साथ ऐसा नहीं कर सकते। हम बहुत नाराज़ हैं। यदि हर कोई ऐसे मामले दाखिल करना शुरू कर दे, तो यह देश की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था के खिलाफ होगा।" इस एनजीओ ने अपनी याचिका में 2014 के उस फैसले को "असंवैधानिक" कहा था, जिसमें अल्पसंख्यक स्कूलों को आरटीई के दायरे से बाहर रखा गया था।

बेंच ने आगे कहा, "आपको अपने मामले की गंभीरता का अंदाज़ा नहीं है। हम खुद को रोकते हुये, सिर्फ 1 लाख रुपये का जुर्माना लगा रहे हैं। ऐसे मामले दाखिल कर देश की न्यायपालिका को कमज़ोर मत कीजिए।"

अदालत ने उन वकीलों पर भी सवाल उठाए, जो ऐसी "सलाहें" दे रहे थे।

बैंच ने कहा, हमें वकीलों पर भी जुर्माना लगाना पड़ेगा।"

उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, "आप कानून जानने वाले नागरिक और प्रोफेशनल हैं, और सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अनुच्छेद 32 के तहत चुनौती दे रहे हैं?" बैंच ने इसे "घोर दुरुपयोग" बताया।

जब याचिकाकर्ता के वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति माँगी, तो अदालत ने कहा, "नहीं। यह उन सभी के लिए सबक होना चाहिए, जो सुप्रीम कोर्ट के साथ ऐसा करने की कोशिश करते हैं।"

शीर्ष अदालत ने कहा, "आप इस देश की न्यायपालिका को नष्ट कर देना चाहते हैं।"

अदालत एक एनजीओ की उस रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उसने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले को रद्द करने की मांग की थी, जिसमें अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को बच्चों के नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिकार कानून (आरटीई), 2009 से बाहर रखा गया था।

याचिकाकर्ता ने यह निर्देश देने की मांग की थी कि अल्पसंख्यक संस्थानों को आरटीई के प्रावधानों से दी गई यह छूट, जिसे प्रमाटी एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट मामले में बरकरार रखा गया था, आरटीई अधिनियम के तहत अनिवार्य दायित्वों से पूरी तरह मुक्त होने के कारण, असंवैधानिक घोषित की जाए।

शीतकालीन सत्र के बाद शिवकुमार बनेंगे सीएम, एक विधायक का दावा

कर्नाटक में सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी में इन दिनों भारी उथल-पुथल चल रही है

- **विधायक इकबाल हुसैन ने पत्रकारों से वार्ता में कहा कि शिवकुमार के रात्रि भोज में 50-55 विधायक मौजूद थे।**
- **शिवकुमार के रात्रि भोज से एक दिन पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी भोज दिया था।**

बेलगावी, 12 दिसंबर। कर्नाटक में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया कि उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार विधानसभा के चल रहे शीतकालीन सत्र के बाद राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे।

इकबाल हुसैन ने पत्रकारों से बात करते हुए मंत्रियों और विधायकों के साथ शिवकुमार की डिनर बैठक में शामिल होने की पुष्टि की लेकिन उन्होंने ताकत दिखाने की बातों को खारिज कर दिया। उन्होंने पूछा, "हमने साथ में डिनर किया। इसमें गलत क्या है?" हुसैन ने बैठक में राजनीतिक चर्चाओं के बारे में पूछे जाने पर बड़ा खुलासा किया, "मैं अच्छी खबर दे रहा हूं। वह शीतकालीन सत्र के बाद मुख्यमंत्री बनेंगे। शिवकुमार को मौका मिलेगा।"

हुसैन ने कहा कि डिनर में 50-55 कांग्रेस विधायक मौजूद थे। यह ऐसे समय में हुआ जब 20 नवंबर को सरकार द्वारा आधा रास्ता पार करने के बाद सिद्दारमैया-शिवकुमार के बीच पावर-शेयरिंग समझौते की अटकलें तेज हो गई हैं।

उन्होंने कहा कि आखिरी फैसला हाईकमान का है। उन्होंने कहा, "शिवकुमार की कोशिश और संघर्ष की वजह से हमें भरोसा है। हमने यह बात हाईकमान को बता दी है और वे जो भी फैसला लेंगे, हम उसे मानेंगे।"

कांग्रेस हाईकमान तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है। सिद्दारमैया और शिवकुमार बेंगलुरु में लगातार ब्रेकफास्ट मीटिंग कर रहे हैं। इसे 19 दिसंबर को खत्म होने वाले अहम बेलगावी सत्र के दौरान कंटिन्यूटी का सिग्नल देने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

पार्टी ने बताया कि गुरुवार के डिनर में 30 से अधिक कांग्रेस विधायक और मंत्री शामिल हुए, जिनमें वरिष्ठ नेता केएच मुनियप्पा, मंकल वैद्य और डॉ एमसी सुधाकर शामिल थे। बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निकाले गए विधायक एसटी सोमशेखर और शिवराम हेब्बार भी मौजूद थे।

लूथरा बंधुओं का पासपोर्ट जब्त

नई दिल्ली, 12 दिसंबर। गोवा में नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत के बाद भारत से भागे क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा फिलहाल थाईलैंड पुलिस की हिरासत में है। उन्हें भारत लाने की तैयारी चल रही है। लूथरा बंधुओं का पासपोर्ट जब्त करने के बाद, आव्रजन अधिकारी अब उनका वीजा रद्द करने की प्रक्रिया में हैं।

लूथरा बंधुओं को सुआन प्लू डिटेंशन सेंटर,बैंकॉक में शिफ्ट कर दिया गया है।

हिरासत में लेने के बाद आव्रजन अधिकारियों ने उनके पासपोर्ट की जांच की और थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क किया। थाई आव्रजन विभाग ने बाद में लूथरा बंधुओं की डीटेल (नाम, जन्मतिथि, राष्ट्रीयता), फिंगरप्रिंट, फोटो, केस फाइल (ब्लू कॉर्नर नोटिस) भेजा और उनके नाम पर आपातकालीन यात्रा दस्तावेज जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

भारत ने उनकी पहचान की पुष्टि कर दी है। विदेश मंत्रालय के सिस्टम और पासपोर्ट डेटाबेस से परामर्श के बिना आपातकालीन यात्रा दस्तावेज जारी करने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई जा सकती थी।

1976 में 40 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **उत्तर भारत व दक्षिण भारत के बीच यह बहस पुरानी है, पर, लोकसभा सीटों की संख्या में परिवर्तन नहीं करने की 40 साल की अवधि पूर्ण होने से तथा जनगणना का दौर भी होने से इस बहस में और तीव्रता आ गई है।**

से अप्रासंगिक" हो जाएगा, जबकि दक्षिण भारत देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास में अनुपात से कहीं ज्यादा योगदान देता है।

विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि उत्तर-दक्षिण टकराव और गहरा सकता है। एक वरिष्ठ जनसांख्यिकी विशेषज्ञ ने साफ कहा: अगर परिसीमन सिर्फ जनसंख्या के आधार पर हुआ, तो दक्षिणी राज्यों की राष्ट्रीय आवाज़ अगले 40 साल के लिए कमजोर हो जाएगी।"

इसके प्रभाव राज्य विधानसभा सीटों, राज्यसभा की ताकत, संघीय बातचीत और राष्ट्रीय संसाधनों के बंटवारे तक फैलेंगे। "अगर यूपी और बिहार मिलकर लोकसभा की लगभग 40 प्रतिशत सीटें अपने प्रभाव में ले आते हैं, तो राष्ट्रीय राजनीति और नीति निर्धारण का चेहरा पूरी तरह बदल सकता है।

जैसे-जैसे भारत 2026 की जनगणना की तैयारी कर रहा है, सवाल अब यह नहीं है कि नक्शा बदलेगा या नहीं, बल्कि यह है कि वह कितना बदलेगा। पर्यवेक्षकों का मानना है कि भारत निश्चित रूप से एक नए राजनीतिक और सामाजिक दौर में प्रवेश करने जा रहा है।

यूपी का नया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रभारी के. लक्ष्मण ने पहले कहा था कि नए भाजपा अध्यक्ष का चुनाव तब होगा, जब यूपी, हरियाणा और दिल्ली जैसे प्रमुख राज्यों के पार्टी अध्यक्ष नियुक्त हो जाएंगे।

सभी अनुमानों के अनुसार, भाजपा नेतृत्व ने उत्तर प्रदेश पार्टी अध्यक्ष के रूप में ओबीसी को नियुक्त करने का निर्णय लिया है। नरेन्द्र मोदी कैबिनेट के राज्य मंत्री, पंकज चौधरी, जो कुर्मी जाति से हैं, को इस पद का प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। चौधरी वर्तमान में महाराजगंज (गोरखपुर) से सांसद हैं, जो राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह क्षेत्र है। इस दौड़ में शामिल अन्य नामों में पूर्व राज्य सिंचाई मंत्री धर्मपाल सिंह (लोध जाति) और साध्वी निरंजन ज्योति (निषाद समुदाय) भी शामिल हैं।

ओबीसी को यूपी पार्टी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करना भाजपा नेतृत्व द्वारा 2024 के संसदीय चुनावों में पार्टी को हुए नुकसान के संदर्भ में आवश्यक माना जा रहा है, जब गैर-यादव ओबीसी मतदाताओं के कुछ तबकों ने भाजपा का साथ छोड़कर समाजवादी पार्टी का समर्थन किया था।

प्र.मंत्री मोदी ने बिहार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और बेसन से बनी कोथिम्बीर बड़ी भी परोसी गई।

ऐपटाइज़र्स के बाद मुख्य व्यंजनों का दौर शुरू हुआ, जिसमें शामिल था, गोंगुरा पनीर, जिसमें गोंगुरा अर्थात खट्टा पालक और पनीर का इस्तेमाल किया गया था। यह आंध्र प्रदेश का विशेष व्यंजन है और यह पालक पनीर जैसे पारंपरिक व्यंजन का ही एक प्रकार है तथा खट्टे स्वाद के लिए जाना जाता है।

इसके बाद बारी आती है, मुगलई व्यंजनों से प्रेरित खुबानी मलाई कोफ्ता की। इसमें काजू से बनी क्रीमी करी में खुबानी के कोफ्ते डाले गए थे। भोज में गाजर मेथी मटर भी थी, जिसमें लाल गाजर और ताजा मटर को मेथी के पत्तों के साथ पकाया गया था। एक अन्य डिश थी, भिंडी सांभरिया, जिसमें भिंडी को तिल, मूंगफली और गुड़ के साथ पकाया गया था और आंध्र प्रदेश का एक और व्यंजन परोसा गया, पालकुर पप्पू, जो पालक वाली मसूर दाल होती है।

व्यंजनों में स्वादों का बेहतरीन मिश्रण था, मीठे और मलाईदार से लेकर नमकीन और खट्टे तक।

मुख्य व्यंजनों के साथ, रात्रिभोज में रोटी, मिस्सी रोटी, नान और तवा लच्छा पराठा भी परोसा गया। इसके अलावा, काले चने का चिलगोजा पुलाव भी बनाया गया था, जो बासमती चावल, काले चने और तले हुए पाइन नट्स के साथ पकाया गया था।

फिर आया रात्रिभोज का सबसे मीठा क्षण, यानी मिठाई का दौर। इसमें शामिल था बेक्ड पिस्ता लंगचा, यह छेना और खोया की पिस्ता भरी मिठाई होती है। दूसरी मिठाई थी, अदा प्रधान। यह केरल का व्यंजन है। इसमें चिवड़े को नारियल के दूध व गुड़ के साथ पकाते हैं।

रात्रिभोज के अंत में, मेहमानों को कहवा परोसा गया, जो एक स्वास्थ्यवर्धक पेय था, जो इस स्वादिष्ट भोजन का एक आरामदायक समापन था।

प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा आयोजित रात्रिभोज में परोसी गईं मौसमी सब्जियों से लेकर विभिन्न प्रकार की साइड डिशेस तक, सब विशेष रूप से तैयार की गई थीं। भोज पूर्णतया शाकाहारी था।

बंगाल एसआईआर में 58 लाख नाम कटे

चुनाव आयोग ने बताया कि एक लाख फर्जी वोटर्स भी मिले हैं

- **चुनाव आयोग ने बताया कि 24 लाख से ज्यादा वोटर मर चुके है तथा 12 लाख से ज्यादा लापता हैं तथा 19 लाख के लगभग लोगों ने पता बदल लिया है।**

कोलकात, 12 दिसंबर। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान, 58 लाख से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से बाहर हो गए हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, राज्य में अब तक मरे हुए वोटर्स की संख्या 24 लाख 18 हजार 699 हैं। इसके अलावा, 12 लाख 1 हजार 462 लोग नहीं मिले हैं। अगर संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) किसी वोटर को ढ़ूंढने के लिए उसके घर तीन या उससे ज्यादा बार जाता है, लेकिन उसके बाद भी वोटर नहीं मिलता है, तो उसे मिसिंग लिस्ट में डाल दिया जाता है।

इसके अलावा, इस राज्य में कुल 19 लाख 93 हजार 87 वोटरों ने अपना पता बदल लिया है। उनके नाम एक से ज्यादा जगहों की वोटर लिस्ट में थे। चुनाव आयोग ने राज्य में कुल 1 लाख 37 हजार 575 वोटरों की पहचान फर्जी के तौर पर की है। उनके नाम भी ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं होंगे। इसके अलावा, 57 हजार 509 और लोगों को अन्य लिस्ट में रखा गया था, उन्हें भी बाहर किया गया है। पश्चिम बंगाल में 16 दिसंबर को वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट पब्लिश किया जाएगा। अगर उस लिस्ट में कोई शिकायत या गलती है, तो कमीशन को बताया जाए, उसके आधार पर सुनवाई होगी।

कमीशन सबूतों को वेरिफ़ाई करने के बाद फ़ाइनल लिस्ट तैयार करेगा। बंगाल में एसआईआर को लेकर अपडेट ये है कि अभी तक 99.99 फीसदी फॉर्म बांटे जा चुके हैं लेकिन 99.86 फीसदी फॉर्म डिजिटाइज हुए हैं।

राहुल की बैठक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई इस प्रमुख बैठक से न सिर्फ सांसद शशि थरूर गायब रहे, बल्कि चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी भी गैरहाजिर रहे। उनकी सार्वजनिक कार्यक्रम सूची के मुताबिक, सांसद शशि थरूर गुरुवार (11 दिसंबर, 2025) की रात कोलकाता में प्रभा खैतान फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल थे। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि थरूर लोकसभा सांसदों की हुई बैठक में समय पर दिल्ली लौट नहीं सके।

शशि थरूर की बैठक से गैरहाजिरी उस समय हुई, जब कुछ दिन पहले ही उन्होंने यह सफाई दी थी कि वे 30 नवबंर, 2025 को कांग्रेस की रणनीतिक समूह की बैठक से जानबूझकर अनुपस्थित नहीं थे।

रूपए की लुढ़कती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **आरबीआई के समक्ष दुविधा है कि क्या रूपये का मूल्य घटने से रोकने के लिए वह अपना विदेशी मुद्रा कोष खाली करे और बाज़ार में डॉलर बेचकर रूपए खरीदे। पर, यह एक महंगा व खतरनाक रास्ता है।**
- **इस दुविधा के बीच रिज़र्व बैंक अपनी नाव कैसे खेता है, यह एक काफी चुनौती पूर्ण, जोखिम भरा निर्णय है।**

लिए इस कर्ज को चुकाना अचानक महंगा हो गया है, जिससे मुनाफा और कई मामलों में क्रेडिट रेटिंग पर दबाव बढ़ रहा है। भारत की कंपनियाँ, जो अब सस्ते फंड के लिए वैश्विक बाजारों पर ज्यादा निर्भर हो चुकी हैं, उनके लिए यह गिरावट वित्तीय तनाव की एक और परत जोड़ रही है।

वित्तीय बाज़ार ने भी घबराहट दिखाई है। विदेशी संस्थागत निवेशक, जो पहले ही वैश्विक अनिश्चितता को लेकर सतर्क थे, अब और तेज़ी से पैसा निकाल रहे हैं, जिससे रुपये पर और दबाव पड़ रहा है और चालू खाते का घाटा (करैंट अकाउंट डैफिसिट) बढ़ रहा है। लगातार कमजोर होती मुद्रा विदेशी निवेशकों को अधिक रिस्क प्रीमियम मांगने पर मजबूर कर सकती है, जिससे भारत के लिए बुनियादी ढाँचे और निर्माण क्षेत्रों में निवेश जुटाना और महंगा हो जाएगा।

फिर भी, इस गिरावट में एक छोटी सी अच्छी बात भी है। निर्यातक, खासकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों, जैसे टेक्सटाइल, चमड़ा, हस्तशिल्प और समुद्री उत्पाद में थोड़ी राहत महसूस कर रहे हैं। इन क्षेत्रों को अमेरिकी शुल्कों में 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी ने कड़ी चोट पहुंचाई थी, जिससे दुनिया के सबसे बड़े बाज़ार में उनकी प्रतिस्पर्धा कम हो गई थी। अब रुपया काफी सस्ता हो जाने से भारतीय निर्यातक प्रॉफिट मार्जिन से समझौता किए बिना बेहतर कीमतें दे सकते हैं, जिससे उन्हें कमज़ोर वैश्विक मांग के माहौल में ऑर्डर वापस पाने में मदद मिलेगी। तिरुप्पुर और मुरादाबाद जैसे केंद्रों में ऑर्डरों में थोड़ी बढ़ोतरी दिखने लगी है, भले ही यह अस्थायी हो। लेकिन यह फायदा बहुत टिकाऊ नहीं है। अगर रुपया और गिरता रहा, तो कच्चे माल के बढ़ते आयात खर्च, हेजिंग पर बढ़ा खर्च और व्यापक आर्थिक अस्थिरता निवेश को हतोत्साहित कर सकती है, जिससे लाभ खत्म हो जाएंगे। भारतीय रिज़र्व बैंक इन खतरों से वाकिफ है और बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए कभी-कभी दखल देता रहा है, लेकिन, वह ऐसे आक्रामक कदम उठाने से बच रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा बाज़ार खत्म हो सकता है।

आखिर में, रुपये की गिरावट भारत की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करती है, जैसे आयात पर निर्भरता, बाहरी झटकों से असुरक्षा और महंगाई की नाज़ुक स्थिति। यह इस बात पर भी रोशनी डालती है कि भारत को किस तरह संतुलन साधना होगा, विकास को सहारा देना, परिवारों को महंगाई से बचाना, निवेशकों को भरोसा दिलाना और अमेरिका के साथ एक अहम आर्थिक समझौते को आगे बढ़ाना।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं। वह 1991-1996 की समयावधि में दसवीं लोकसभा के अध्यक्ष रहे। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के पहले कार्यकाल में वे केंद्रीय गृह मंत्री (2004-2008) रहे। उच्च नैतिक मूल्यों का परिचय देते हुए उन्होंने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के मंत्रिमंडलों में भी रक्षा मंत्री, वाणिज्य मंत्री और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जैसे महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार संभाला था।

इसके अलावा वह 2010 से 2015 तक पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक भी रहे।

राहुल के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुक्ला ने बताया कि शुक्रवार को गवाह रामचंद्र दुबे से जिरह होनी थी। उनके द्वारा मौका लिए जाने के कारण सुनवाई टाल दी गई। अब 23 दिसंबर को राहुल गांधी के अधिवक्ता गवाह रामचंद्र दुबे से जिरह करेंगे। इससे पहले मंगलवार को भी जिरह की कार्रवाई हुई थी। यह मामला वर्ष 2018 का है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। हनुमानगंज निवासी मिश्रा का आरोप है कि 2018 के कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी।

इस मामले में पिछले पांच साल से अदालती कार्यवाही चल रही है। दिसंबर 2023 में राहुल गांधी के पेश न होने पर तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी थी।

'वायु प्रदूषण नैशनल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और इससे हो रहा नुकसान ऐसी चीज़ है, जिस पर हम सहयोग करना चाहेंगे।"

गांधी ने यह भी कहा कि सदन को कम से कम एक मुद्दे (वायु प्रदूषण) पर ऐसा प्रयास करना चाहिए," जहाँ हम सहमत हों" और जिसमें किसी भी प्रकार का आरोप-प्रत्यारोप जैसा कुछ भी न हो।

उन्होंने कहा, "मैं यह कहना चाहूँगा कि एक दिलचस्प प्रयोग होगा यह देखना, कि आप हम पर दोषारोपण करें और हम इस आप पर, इसके बजाय हम इस मुद्दे को उठाएं और कहें कि हम सब एकमत है, हमारे बीच कोई असहमति नहीं है। हम सब भारत की जनता के भविष्य के बारे में बात करें।"

बाद में संसद के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस सांसद ने कहा, "मैंने दिल्ली और बड़े शहरों में प्रदूषण की बात उठाई। यह ऐसा मुद्दा है, जिस पर सभी पार्टियाँ सहमत हो सकती हैं। हमारी आने वाली पीढ़ियों का स्वास्थ्य खतरे में है। मैंने सुझाव दिया कि हम इस पर चर्चा करें, परस्पर दोषारोपण के बजाय, इसका समाधान खोजें। हमें विशेषज्ञों से भी सुझाव लेने चाहिए। हम देश को यह दिखा देना चाहते हैं कि हम प्रदूषण को कम करने के लिए साथ काम कर सकते हैं।"

प्रदूषण को "राष्ट्रीय आपातकाल" बताते हुए गांधी ने कहा कि इस पर होने वाली "बहस सार्थक होनी चाहिए।"

उन्होंने पत्रकारों से कहा, "एसआईआर और वंदे मातरम् पर तीखी बहस हुई थी, और मैं खुश हूं कि हमने उन बहसों में उन्हें पूरी तरह पछाड़ दिया। अमित शाह घबरा गए थे। उन्होंने सदन में अपशब्द भी कहे। वे काफी दबाव में थे, और होना भी चाहिए था। लेकिन प्रदूषण पर ऐसी अप्रिय और उग्र बहस नहीं होनी चाहिए।"

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने दोहराया कि सरकार "पहले दिन से" महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार रही है।

रिजिजू ने कहा, "सरकार ने पहले दिन से स्पष्ट कर दिया था कि सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और समाधान के लिए सरकार तैयार है, और सभी सदस्यों, जिनमें राहुल गांधी जी के नेतृत्व वाली प्रमुख विपक्षी पार्टी भी शामिल हैं, के सुझावों को ध्यान में रखा जाएगा।" उन्होंने यह भी कहा कि सरकार इस चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए प्रक्रियात्मक ढांचे का अध्ययन करेगी।

दिन की शुरुआत में, राहुल गांधी ने कांग्रेस के लोकसभा सांसदों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। लोकसभा में पार्टी के 99 सांसदों की इस बैठक में वर्तमान सत्र की रणनीति तथा प्रमुख विधायी बहसों पर पार्टी की प्रतिक्रिया पर चर्चा की गई।

खेड़ा को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीडिया कंपनी हासिल करने में मदद की है।

नोटिस में खेड़ा से अपने इस कृत्य के लिए माफी मांगने, संबंधित पोस्ट वापस लेने और भविष्य में मानहानि करने वाले ऐसे आरोप न दोहराने का लिखित वादा करने की मांग की गयी है।

नोटिस में चेतावनी दी गयी है कि खेड़ा ने यदि ऐसा नहीं किया तो उनके खिलाफ दीवानी और फौजदारी, दोनों तरह के कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी और हर्जाने के तौर पर उनसे 100 करोड़ रुपये वसूलने का दावा किया जाएगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908